वार्षिक प्रतिवेदन

2018-19

भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर

वार्षिक प्रतिवेदन
2018-19

IIM KASHIPUR

भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर

अनुक्रमणिका

संस्थान के बारे में	3
निदेशक की रिपोर्ट	3
शैक्षणिक कार्यक्रम	4
एम बी ए	4
प्रबंधन में अध्येता (फैलो) प्रोग्राम (एफ पी एम)	2
प्रबंधन में कार्यकारी स्नातकोत्तर अध्येता कार्यक्रम (ई पी जी पी एम)	4
व्यवसाय प्रशासन के स्नातकोत्तर के मास्टर्स (एमबीए (डब्ल्यु एक्स)	5
अंतिम अवस्थापन प्रतिवेदन	8
ग्रीष्मकालीन अवस्थापन प्रतिवेदन	11
प्रबंधन विकास कार्यक्रम	16
उत्कृष्टता केंद्र	18
आईआईएम काशीपुर फीड/ई-सेल	21
डिजाइन नवाचार केंद्र	23
आईसीटी अधोसंरचना	26
पुस्तकालय	27
अंतर्राष्ट्रीय संबंध	28
संकाय और शिक्षाविद	29
अभ्यागत संकाय विवरण	30
संकाय प्रकाशन/शोध-पत्र/सम्मेलन	32
प्रशासनिक कर्मचारीवृंद	35
धारा 26 (1) (ई): 36 के तहत संस्थान में अधिकारियों और संकाय सदस्यों की नियुक्तियाँ	
विद्यार्थी परिषद	37
यौन उत्पीड़न की रोकथाम	60
सतर्कता तंत्र	60
धारा 26 (3) के तहत कर्मचारियों का विवरणः	60
धारा 26 (4) के तहत आरक्षण, योग्यता और प्रतिकूल टिप्पणी का विवरणः	60
धारा 26 (1) (बी) के तहत विवरणः आय या व्यय की न्यूनोक्ति या अत्युक्ति की लेखा-परीक्षा	60
धारा 26 (1) (सी) के तहतः संस्थान के संकाय सदस्यों और अन्य कर्मचारियों सहित पांच अधिकारियों के नाम जिन्होंने सर्वाधिक पारिश्रमिक प्राप्त किया (इन कर्मचारियों को प्रदत्त भत्ते व अन्य भुगतान)	
धारा 26 (2): लेखा-परीक्षा रिपोर्ट एवं तुलन-पत्र	

IIM KASHIPUR

भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर गुणवत्ता प्रशासन शिक्षा प्रदान करने के लक्ष्य से सुसज्जित सामाजिक सांस्कृतिक अपेक्षाओं में सुस्पष्ट अध्ययन कराता है। आई आई एम काशीपुर में जुलाई 2011 से कार्य प्रारंभ हुआ। संस्थान एक द्विवर्षीय पूर्णकालिक आवासीय कार्यक्रम व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर प्रदान करता है। वाह्य यथार्थ जीवन में ज्ञान की विद्वता व क्षमता हेतु यह यथा तथ्य शैक्षणिक पाठ्यक्रम उत्साह को दृढ़ करने का प्रयास करता है। यह कार्यक्रम समग्र व्यक्तित्व प्रगति पर गृहीतार्थ प्रस्तुत करता है तथा नेतृत्व व सत्यनिष्ठा की गरिमाएँ आत्मसात कराता है।

संस्थान कार्यरत कार्यपालकों हेतु दोवर्षीय सप्ताहांत व्यवसाय प्रशासन में कार्यपालक स्नातकोत्तर (एम बी ए (डब्ल्यु एक्स)) भी प्रदान करता है। 2014 एवं 2015 में क्रमशः प्रवर्तित प्रबंधन में अध्येता (फेलो) कार्यक्रम (एफपीएम) और कार्यपालक अध्येता कार्यक्रम (एफईपीएम) दो वाचस्पति (डॉक्टरीय) कार्यक्रम है। आईआईएम काशीपुर में सर्वोत्तम शैक्षणिक एवं औद्योगिक अनुभवी गुरुजन हैं। राष्ट्र में सघनतम औद्योगिकीय जिलों में से एक में स्थित यह संस्थान अंचल में व चहुँओर अपने 180 से ज्यादा सुसज्जित उद्योगों की भांति उन्नत है। यह संस्थान को उत्कर्ष महत्व प्रदान करता है यह अनवरत उद्योग पारस्परिक क्रिया व सजीव परियोजनाओं के माध्यम से 'करके सीखने' से होता है।

विजन

अगले 10 वर्षों में भारत में व्यवसाय स्कूलों में श्रेष्ठ होना वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करने वाले नेतृत्व विकसित करना

मिशन

अभिनव शिक्षण विधियां प्रयुक्त करते हुए शैक्षणिक उत्कर्ष प्ररित करना, अनुसंधान एवं वहनीय नेतृत्व का कार्य उन्नत करना।

निदेशक का संदेश

2011 में संस्थापित, भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर (आई आई एम के) ने इस वर्ष शैक्षणिक वैशिष्ट्य के नौ वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। आईआईएम काशीपुर के अध्यक्ष व सम्मानित सदस्यों, शासी मंडल, संकाय, स्टाफ सदस्यों, पूर्व छात्र-छात्राओं, विद्यार्थियों और मानव विकास संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार तथा उत्तराखंड सरकार से प्राप्त विपुल मार्ग दर्शन, समर्थन एवं सहयोग से यह संभव हो सका है।

संस्थान व्यतीत होते प्रत्येक वर्ष अपने से बढ़कर अनवरत श्रेष्ठ हो रहा है। उपलब्धियों की गुणवत्ता एवं मात्रात्मकता के संदर्भ में वर्ष 2018-19 महत्वपूर्ण और प्रत्येक अपेक्षा से परे था। शैक्षिक-जगत, अनुसंधान एवं परामर्शता के आपवादिक सम्मिश्रण के साथ, हमने हमारे पूर्व छात्र-छात्राओं में कीर्तिस्व प्रचार, नियोक्ताओं व भावी विद्यार्थियों के बीच प्रतिष्ठा और प्रतिबद्ध संकाय सदस्यों को बरकरार रखा है। मैं सगर्व इस वर्ष के दौरान हमारी उपलब्धियों का दस्तावेज़ प्रस्तुत करता हूँ।

इस वर्ष व्यवसाय प्रशासन स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के सातवें बैच को उपाधि प्राप्त हुई है। संस्थान का सातवां दीक्षांत समारोह 28 मार्च 2019 को आयोजित किया गया जिसमें 205 छात्र-छात्राओं ने अपनी डिग्री हासिल की। प्रबंधन में अध्येता कार्यक्रम (एफपीएम) के एक विद्यार्थी को आईआईएम काशीपुर के अध्येता (फेलो) के ख़िताब से नवाज़ा गया। दीक्षांत समारोह में कार्यकारी स्नातकोत्तर कार्यक्रम के पांचवें बैच के 25 विद्यार्थियों ने अपने डिप्लोमा प्राप्त किए। आईआईएम काशीपुर का प्रबंधन में अध्येता कार्यक्रम (एफपीएम) समूचे राष्ट्र से अच्छी प्रतिभा आकर्षित करना सतत रहा। इस साल 13 विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम हेतु पंजीकरण करवाया।

स्थानन काल के दौरान नियोक्ताओं से आईआईएम काशीपुर को उत्साहवर्धक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। उत्कृष्ट प्रतिभाओं को नियुक्त करने को परिसर में नामी-गिरामी (प्रतिष्ठित) नियोक्ताओं की मौजूदगी देखी गई। पिछले वर्ष की सफल प्रवृत्ति अनवरतता रखते हुए, आईआईएम काशीपुर के विद्यार्थीगण विविध प्रतिष्ठित व्यवसाय संघ में नियुक्त हुए। विद्यार्थियों को प्रस्तुत किए गए प्रत्येक अवसर पर उन्होंने अपना उत्साह साबित किया। ये विद्यार्थीगण प्रतिष्ठित संगठनों में नियुक्त हुए हैं। राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय दोनों को मिलाकर हमारे विद्यार्थियों का स्थानन पिछले वर्षों की भांति 100 प्रतिशत था। इस साल, बीएफएसआई, परामर्श, कार्यनीति, बिक्री एवं विपणन, संचालन, मानव सन्साधन, सूचना प्रौद्योगिकी एवं वैश्लेषिकी सहित विविध क्षेत्रों से 218 भूमिकाएं प्रस्तावित करते हुए, 72 सम्मानित संगठनों की संस्थान ने सहभागिता देखी।

अपनी शैक्षणिक प्रतिबद्धाओं के अलावा, संकाय सदस्यगण प्रायोजित अनुसंधान व परामर्शता, अनुसंधान प्रकाशन, वृत्त अध्ययन लेखन, पुस्तक लेखन एवं प्रबंधन विकास कार्यक्रमों में शामिल रहे। वे सम्मेलनों व संगोष्ठियों में सम्मिलित हुए तथा उन्होंने अपने अनुसंधान निष्कर्षों को प्रस्तुत किया तथा विभिन्न राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं, फोरम व निकायों में संस्थान का प्रतिनिधित्व किया।

आईआईएम काशीपुर समस्त स्नातकोत्तर कार्यक्रमों को वैश्विक परिदृश्य में लाने को प्रयासरत हैं। इस उद्देश्य हेतु आईआईएम काशीपुर ने विश्व के कुछ प्रमुख व्यवसाय स्कूलों के साथ 'समझौता ज्ञापन' पर हस्ताक्षर किए हैं। शैक्षिक एवं सांस्कृतिक विनिमयों को सुगम बनाने हेतु आईआईएम काशीपुर ने सल्फॉर्ड विश्वविद्यालय, मेन्चेस्टर व बूसाँग विश्वविद्यालय, दक्षिण कोरिया के साथ आपसी समझौतों पर करार किए हैं। हमारा सहयोग विद्यार्थियों का अल्पवधि विनिमय, संकाय (शिक्षक) का विनिमय तथा संयुक्त शोध गतिविधियों का विकास सहित होगा। जैसे हम अपने क्षितिजों को सतत् विस्तृत करते हैं, हम ऐसे और समझौतों को भविष्य में देखते हैं जिससे हमारे विद्यार्थियों व संकाय (गुरुजन) सदृश के मस्तिष्क उद्दीप्त होंगे तथा उन्हें सीखो व बढ़ो के अवसर प्रदान होंगे। आईआईएम काशीपुर एशोसिएशन टु एडवान्स कोलजिएट स्कूल्स ऑफ बिजनेस (एएसीएसबी) का भी सह-सदस्य है।

संस्थान के विद्यार्थियों ने अपनी गतिविधियों के विविध क्षेत्रों शैक्षणिक, पाठ्येतर गतिविधियां, खेल-कूद अथवा सामूहिक-प्रायोजित प्रतिस्पर्धाओं में पहचान बनाई है। हमारे विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक एवं खेल-कूद गतिविधियों हेतु गठित विविध क्लबों के माध्यम से अति उत्साह और ओज के साथ बहुत-से सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यकलाप आयोजित किए। पिछले वर्षों

की भांति आईआईएम काशीपुर ने विविध विषयों के प्रतिष्ठित आगुंतकों को बुलाया, जिन्होंने विद्यार्थियों से उत्साहपूर्वक बातचीत की तथा विद्यार्थियों की संकल्पना और आकांक्षाओं को समृद्ध किया।

नवोन्मेष एवं उद्यमवृत्ति विकास संस्थापन तथा डिजाइन नवोन्मेष केंद्र (डीआईसी) ('नवाशय') की स्थापना के साथ आईआईएम काशीपुर हेतु वर्ष 2018-19 सहायक रहा। आईआईएम काशीपुर का ऊष्मायन केंद्र एफआईईडी भारत के उद्यमवृत्ति पारिस्थितिक तंत्र को परिपोषित व समर्थ करने की पहल है। कृषि मंत्रालय, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, उत्तराखंड सरकार एवं अन्य सहायक साझेदारों की सहायता से एफआईईडी पर्यटन एवं आतिथ्य-सत्कार, कृषि, कला और शिल्प तथा शिक्षा के क्षेत्रों में एफआईईडी भारत के अति उदीयमान स्टार्टअप का परिपाक करने को अटल है। डिज़ाइन नवोन्मेष केंद्र के स्थापन हेतु राष्ट्रीय सूत्रपात के अंतर्गत मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी), भारत सरकार द्वारा देश भर में सुसज्जित किए जा रहे बीस डीआईसी में से एक आरा डिजाइन नवोन्मेष केंद्र (डीआईसी) है।

संस्थान ने आईआईएम काशीपुर प्रयोक्ता समाज को नवोन्नत सूचना प्रौद्योगिकी सुविधाएं प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता बरकरार रखी तथा नवोन्मेष सृजित करने की संभावनाओं को समझने हेतु प्रयासरत रहा। इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु तथा आईआईएम काशीपुर में उन्नत अध्यापन हेतु भी समूचे वर्ष परिकलित सुविधाएं और प्रसार अनवरतता व सार्थकता से उन्नत रही हैं। इसी प्रकार पुस्तकालय सुविधा भी बढ़ती शैक्षिक जनता को प्रदान करने को वर्ष के दौरान विकसित होती रही।

मैं आशा करता हूँ कि यह प्रतिवेदन प्रदर्शित करता है कि संस्थान पर्याप्त प्रगति कर रहा है, परंतु हमें और भी प्रयास करना है। मैं संस्थान के संकाय सदस्यों, अधिकारियों, कर्मचारीवृंदों व विद्यार्थियों को संस्थान को सशक्त बनाने में उनके योगदान, स्वयं पूर्वकार्रवाई सूत्रपातों तथा लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु कड़ी मेहनत करने के लिए धन्यवाद देता हूँ। मैं खासतौर पर आईआईएम काशीपुर के शासी मंडल, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार तथा उत्तराखंड को दृढ़प्रतिज्ञ समर्थन हेतु धन्यवाद देता हूँ। मैं समाज के विभिन्न वर्गों के समस्त शेयरधारकों को, संस्थान की अपेक्षित वृद्धि एवं विकास को देखने के लिए उनके समय और संसाधन प्रदान करने के लिए भी धन्यवाद देता हूँ।

संस्थान का अपने सम्मानित शिखर पर पहुँचना, समस्त शेयरधारकों से प्राप्त सतत समन्वय ही है जिसकी मैं उत्सुक्ता से प्रतीक्षा करता हूँ।

कुलभूषण बलूनी

प्रोफेसर एवं निदेशक

शैक्षणिक कार्यक्रम

संस्थान व्यवसाय प्रशासन (एम बी ए) में स्नातकोत्तर, व्यवसाय प्रशासन के कार्यकारी स्नातकोत्तर (एम बी ए (डब्ल्यु एक्स), प्रबंधन में अध्येता कार्यक्रम (एफ पी एम) और प्रबंधन में कार्यकारी अध्येता कार्यक्रम (ई एफ पी एम) प्रदान करता है।

एमबीए

आईआईएम काशीपुर का लक्ष्य सामाजिक रूप से विश्वसनीय नेतृत्व विकसित करना है जो समारोहों, संस्कृतियों और भौगोलिक सीमाओं से परे कार्य कर सकें। संस्थान का ध्वजपोत कार्यक्रम प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पी जी पी) इस मिशन को प्राप्त करने का मुख्य साधन है।

प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम द्विवर्षीय पूर्णकालिक आवासीय कार्यक्रम है। यथातथ्य पाठ्यक्रम ज्ञान और वास्तविक जीवन परिदृश्यों के लिए उस ज्ञान को लागू करने की क्षमता के लिए एक जुनून पैदा करने का प्रयास करता है। कार्यक्रम सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास पर जोर देता है तथा नेतृत्व और अखंडता की महत्ता को विकसित करता है।

शुल्क (रुपये) संरचना

PGP I (2018-19)					PGP-II (2019-20)			
विवरण	**सत्र-I**	**सत्र-II**	**सत्र-III**	**योग**	**सत्र-IV**	**सत्र-V**	**सत्र-VI**	**योग**
शिक्षा शुल्क जमा	1,21,860	1,21,860	1,21,860	3,65,580	1,21,860	1,21,860	1,21,860	3,65,580
कंप्यूटर शुल्क	7,730	7,730	7,730	23,190	7,730	7,730	7,730	23,190
पुस्तकालय शुल्क	7,730	7,730	7,730	23,190	7,730	7,730	7,730	23,190
पुस्तकें एवं पाठ्यक्रम सामग्री	22,600	22,600	22,600	67,800	22,600	22,600	22,600	67,800
छात्रावास व्यय	42,850	42,850	42,850	1,28,550	42,850	42,850	42,850	1,28,550
छात्र कल्याण गतिविधि	4,160	4,160	4,160	12,480	4,160	4,160	4,160	12,480
दीक्षांत समारोह								8420
कुल शुल्क और व्यय	2,06,930	2,06,930	2,06,930	6,20,790	2,06,930	2,06,930	2,06,930	6,29,210
गैर वापसी योग्य शुल्क								
	PGP-I (2017-18)				**PGP-II (2018-19)**			
अवस्थापन शुल्क		12,500		12,500			12,500	12,500
पूर्व छात्र सदस्यता शुल्क	4,000			4,000	4,000			4,000
मेडिक्लेम	4,000			4,000				
कुल गैर-वापसीयोग्य शुल्क	8,000	12,500	-	20,500	4,000	-	12,500	16,500

वापसी योग्य शुल्क								
	PGP-I (2017-18)				**PGP-II (2018-19)**			
विवरण	**सत्र-I**	**सत्र-II**	**सत्र-III**	**योग**	**सत्र-IV**	**सत्र-V**	**सत्र-VI**	**योग**
शिक्षा जमा	3,000	3,000	3,000	9,000	3,000	3,000	3,000	9,000
पुस्तकालय जमा	3,100			3,100				
कंप्यूटर जमा	3,100			3,100				
भोजनशाला जमा	4,000			4,000				
कुल वापसी योग्य शुल्क	13,200	3,000	3,000	19,200	3,000	3,000	3,000	9,000

महिला विद्यार्थियों हेतु

	PGP I (2018-19)				PGP-II (2019-20)			
विवरण	**सत्र-I**	**सत्र-II**	**सत्र-III**	**योग**	**सत्र-IV**	**सत्र-V**	**सत्र-VI**	**योग**
शिक्षा शुल्क जमा	1,09,674	1,09,674	1,09,674	3,29,022	1,06,674	1,09,674	1,09,674	3,29,022
कंप्यूटर शुल्क	7,730	7,730	7,730	23,190	7,730	7,730	7,730	23,190
पुस्तकालय शुल्क	7,730	7,730	7,730	23,190	7,730	7,730	7,730	23,190
पुस्तकें एवं पाठ्यक्रम सामग्री	22,600	22,600	22,600	67,800	22,600	22,600	22,600	67,800
छात्रावास व्यय	42,850	42,850	42,850	1,28,550	42,850	42,850	42,850	1,28,550
छात्र कल्याण गतिविधि	4,160	4,160	4,160	12,480	4,160	4,160	4,160	12,480
दीक्षांत समारोह							**8420**	
कुल शुल्क और व्यय	**1,94,744**	**1,94,744**	**1,94,744**	**5,84,232**	**1,94,744**	**1,94,744**	**2,03,164**	**5,92,652**

गैर वापसी शुल्क								
विवरण	**PGP-I (2018-19)**				**PGP-II (2019-20)**			
शिक्षा शुल्क जमा		12,500		12,500			12,500	12,500
पुस्तकालय जमा	4,000			4,000	4,000			4,000
कंप्यूटर जमा	4,000			4,000				
भोजनशाला जमा	**8,000**	**12,500**	**-**	**20,500**	**4,000**	**-**	**12,500**	**16,500**

वापसी शुल्क								
	PGP-I (2017-18)				**PGP-II (2018-19)**			
विवरण	**सत्र-I**	**सत्र-II**	**सत्र-III**	**योग**	**सत्र-IV**	**सत्र-V**	**सत्र-VI**	**योग**
शिक्षा शुल्क जमा	**3,000**	**3,000**	**3,000**	**9,000**	**3,000**	**3,000**	**3,000**	**9,000**
पुस्तकालय जमा	**3,100**			**3,100**				
कंप्यूटर जमा	**3,100**			**3,100**				
भोजनशाला जमा	**4,000**			**4,000**				
कॉशन जमा	**13,200**	**3,000**	**3,000**	**19,200**	**3,000**	**3,000**	**3,000**	**9,000**

पाठ्यक्रमः

कार्यक्रम छह सत्रों में वर्गीकृत किया गया है; प्रथम वर्ष में तीन सत्र और द्वितीय वर्ष में तीन सत्र। प्रत्येक सत्र लगभग ग्यारह सप्ताहों का है। पहले तीन सत्रों में सभी मुख्य पाठ्यक्रम शामिल हैं, जिन्हें प्रबंधन सिद्धांत का सामान्य आधार बनाने हेतु डिज़ाइन किया गया है। ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षुता के दौरान, प्रतिभागियों को कक्षाओं में प्राप्त शिक्षा को व्यावहारिक परिप्रेक्ष्य में उपयोग करने द्वितीय वर्ष में वैकल्पिक और स्व-अध्ययन पाठ्यक्रम के माध्यम से गहन अंतर्दृष्टि के लिए खुद को तैयार करने का अवसर मिलता है।

संगठनात्मक प्रबंधन के समग्र दृष्टिकोण को विकसित करने के उद्देश्य से प्रथम वर्ष में पीजीपी प्रतिभागियों को सामान्य प्रबंधन के साथ-साथ प्रबंधन के विभिन्न कार्यात्मक दृष्टिकोणों का पूर्ण ज्ञान कराया जाता है। प्रतिभागी बीस पाठ्यक्रम क्रेडिट के मुख्य पाठ्यक्रमों को पूर्ण करते हैं। एक पाठ्यक्रम क्रेडिट 30 घंटों की कक्षागत पारस्परिक-प्रभाव सहित 100 घंटों के अध्ययन के तुल्य है।

प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम	
सत्र I	**सत्र II**
• विपणन प्रबंधन I	• विपणन प्रबंधन I
• वित्तीय आख्या और विश्लेषण	• प्रबंधन लेखांकन
• व्यावसायिक संचार	• व्यावसाय के वैधानिक पहलू
• उद्यमिता साहस	• कार्य संगठन संरचना
• संगठनात्मक व्यवहार	• समष्टि अर्थशास्त्र विशलेषण
• प्रबंधकीय अर्थशास्त्र	• निर्णय प्रतिरूपण
• व्यावसायिक सांख्यिकीय	• व्यावसायिक नैतिकता
सत्र I	**सत्र II**
• व्यापारिक शोध विधियाँ	• कार्यनीतिक प्रबंधन II
• निगमित वित्त	• व्यापारिक नैतिकता*
• आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	
• प्रबंधन सूचना प्रणाली	
• कार्यनीतिक प्रबंधन	
• संगठन में मानव प्रबंधन	
• संस्था, व्यवसाय और प्रबंधन	*"नॉन-क्रेडिट क्वालिफाइंग" पाठ्यक्रम के आधार पर प्रस्तावित

प्रतिभागियों को द्वितीय वर्ष में उनकी रुचि के क्षेत्रों के पाठ्यक्रमों के चुनने का अवसर दिया जाता है। प्रतिभागियों को पाठ्यक्रमों के किसी भी सम्मिलन को चयन करने की पूर्ण स्वतंत्रता है; हालाँकि, आम तौर पर वे एक या दो क्षेत्रों/विषयों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। प्रतिभागियों को वैकल्पिक पाठ्यक्रमों, स्व-अध्ययनों (सी आई एस) और शोध-प्रबंधों के पाठ्यक्रमों के माध्यम से न्यूनतम पंद्रह पाठ्यक्रम क्रेडिट पूर्ण करने आवश्यक हैं। सी आई एस एवं शोध-प्रबंधों में, एक प्रतिभागी संकाय के मार्गदर्शन में अपने स्वयं की रुचि के विषय पर स्व-अध्ययन करता है। द्वितीय वर्ष में प्रस्तावित वैकल्पिक पाठ्यक्रमों की सांकेतिक सूची नीचे दी गई है:

वैकल्पिक पाठ्यक्रम

संप्रेषण क्षेत्र व्यवसाय

- Media and Entertainment Business Management
- Movies for Management
- Storytelling for Managers

इकोनोमिक्स एरिया

- कृषि उद्यमिता
- अर्थमिति प्रबंधकों हेतु अनुप्रयुक्त अर्थमिति
- भावी व्यवसाय : प्रबंधन एवं वहनीयता कार्यमिति (कार्यमिति से परस्पर सूचीबद्ध)
- भारतीय अर्थनीति के विशेष संदर्भ सहित विकासशील देशों हेतु अर्थशास्त्र
- विदेश व्यापार निवेश एवं औद्योगिकीकरण
- संरचना वित्त प्रबंध, लोक निजी भागीदारी एवं विनियम (वित्त से परस्पर सूचीबद्ध)

वित्त एवं लेखा क्षेत्र

- व्यवहारिक वित्त
- व्यवसाय मूल्यांकन
- वाणिज्यिक बैंक प्रबंधन
- वित्तीय वैश्लेषिकी (वैश्लेषिकी विषय)
- वित्तीय व्युत्पत्तियां
- वित्तीय विवरण विश्लेषण एवं वित्तीय कंपनियों का मूल्यांकन
- वित्तीय जोखिम परिमाणन व प्रबंधन
- नियत आय बाजार एवं विश्लेषण
- वित्त प्रबंध परासंरचना, लोक निजी भागीदारी एवं विनिमय (अर्थशास्त्र)
- निवेश प्रबंधन
- कार्यनीति विलय एवं अर्जन
- व्यापार कार्यनीति एवं बाजार सूक्ष्मसंरचना की भूमिका
- जोखिम पूंजी एवं निवेश बैंकिंग

इनफोर्मेशन टेकनॉजी एवं सिस्टम ऐरिया

- उन्नता आंकड़ा विज्ञान एवं व्यापार वैश्लेषिकी
- विशाल आंकड़ा
- व्यापार बुद्धिमत्ता
- आंकड़ा विज्ञान एवं व्यापार वैश्लेषिकी
- आंकड़ा कल्पाना
- ई-वाणिज्य एवं ई-व्यवसाय : संपूर्ण सूचना प्रौद्योगिकी एवं विपणन (विपणन से परस्पर सूचीबद्ध)
- उद्यम संसाधन योजना (परिचालन से परस्पर सूचीबद्ध)
- सूचना प्रौद्योगिकी उत्पाद एवं प्रबंधन सेवाएं
- सूचना प्रौद्योगिकी परियोजना प्रबंधन
- सूचना प्रौद्योगिकी सुरक्षा एवं गोपनीयता
- व्यापार डिजिटल व्यापार में सूचना प्रौद्योगिकी कार्यनीति
- सामाजिक नेटवर्क विश्लेषण

विपणन क्षेत्र

- उन्नत विपणन अनुसंधान
- व्यापार से विपणन व्यापार
- उपभोक्ता व्यवहार
- डिजिटल विपणन

- ई वाणिज्य : संपूर्ण सूचना प्रौद्योगिकी एवं विपणन (सूचना प्रणाली से परस्पर सूचीबद्ध)
- समेकित विपणन संप्रेषण
- अंतर्राष्ट्रीय विपणन
- विपणन वैश्लेषिकी
- विपणन युक्ति
- प्रबंधन
- खुदरा विपणन
- ग्रामीण विपणन
- बिक्री एवं वितरण प्रबंधन
- सेवाएं प्रबंधन - संपूर्ण विपणन एवं परिचालन प्रबंधन परिदृश्य (परिचालन .....)
- कार्यनीति ब्रांड प्रबंधन
- पर्यटन विपणन

ओ बी एवं एच आर ऐरिया

- मानव संसाधन वैश्लेषिकी
- औद्योगिक संपर्क एवं श्रम कानून
- नेतृत्व : अवधारणा एवं व्यवहार
- विद्वता एवं विका
- प्रबंधक डिजिटलीकृत संगठन प्रबंधक
- संगठनीय परिवर्तन प्रबंधक
- प्रतिभा प्रबंधन

परिचालन एवं निर्णयन विज्ञान क्षेत्र

- आंकड़ा दृश्यावली (सूचना प्रौद्योकी में परिसर सूचीबद्ध)
- उद्यम संसाधन योजना प्रणालियां
- अवलंबित परिचालन
- परिचालन युक्तियां
- परियोजना प्रबंधन
- गुणवत्ता प्रबंधन एवं सिक्स सिग्मा
- सेवाएं प्रबंधन
- उद्गम एवं उपस्कर प्रबंधन
- वहनीय परिचालन प्रबंधन

रणनीति क्षेत्र

- भावी व्यवसाय - प्रबंधन एवं बहुनीयता (अर्थशास्त्र से परस्पर सूचीबद्ध)
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार
- प्रबंधन परामर्शी
- अभिनव जोखिम प्रबंधक
- विलय एवं अर्जन (वित्त)
- रणनीति एवं शासन

प्रवेश

आईआईएम काशीपुर में प्रवेश कैट, लिखित विश्लेषण परीक्षा और व्यक्तिगत साक्षात्कार (डब्ल्यु ए टी एवं पी आई) तथा परीक्षार्थियों की प्रोफाइल में अंकों के समग्र प्रदर्शन पर आधारित था। समस्त नव नूतन आईआईएम नामतः राँची, रोहतक, रायपुर, तिरुचिरापल्लि, उदयपुर, काशीपुर, संबलपुर, सिरमौर और बोधगया हेतु डब्ल्यु ए पी एवं पी आई प्रक्रिया सर्वनिष्ठ थी।

पूरे भारत में कैट के लिए 199632 परीक्षा में सम्मिलित हुए, जिसमें से हमने पी जी पी 2018-19 बैच में आई आई एम काशीपुर के लिए 259 अभ्यर्थियों का चयन किया है।

पीजीडीएम 2018-19 का बैच विभिन्न संस्कृतियों और नृजातीय से संबंधित उत्साही और प्रतिभाशाली छात्रों का मिश्रित बैग है। यह बैच देश भर के प्रतिष्ठित संस्थानों और अनुभवी पेशेवरों से बाहर निकलने वाले नए स्नातकों का एक स्वस्थ मिश्रण है जो प्रमुख राष्ट्रीय और बहु-राष्ट्रीय कंपनियों का हिस्सा रहे हैं।

कार्यानुभव

कार्यानुभव (माह की संख्या)	विद्यार्थियों की संख्या
<12	162
12-24	49
>24 किंतु 36 से कम	25
36 से अधिक	23

2018-19 में विविधता

लिंग

लिंग	संख्या
पुरुष	254
महिला	6
कुल	260

वर्ग

वर्ग	संख्या
सामान्य	118
अन्य पिछड़ा वर्ग	78
अनुजाति	40
अनुजनजाति	17
दिव्यांग	7
कुल	260

Discipline

अनुशासन	संख्या
अभियांत्रिकी	215
अभियांत्रिकी इतर	45

2018-19 में प्रवेश

वर्ग	सामान्य	गैर-नवोन्नत अन्य पिछड़ा वर्ग	Scheduled Caste (SC)	Scheduled Tribe (ST)	भिन्न क्षमता वाले व्यक्ति	कुल
प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों की संख्या	117	78	40	17	7	259+1 स्टडी इन इंडिया कार्यक्रम के अन्तर्गत
2018 में न्यूनतम कैट प्रतिशत	95.11	78.41	63.68	41.55	43.99	

प्रबंधन में अध्येता कार्यक्रम (एफपीएम)

आईआईएम काशीपुर में प्रबंधन में अध्येता (फेलो) कार्यक्रम उन लोगों को एक अवसर प्रदान करता है जो प्रबंधन विषय में अनुसंधान करके प्रबंधन विज्ञान के क्षेत्र में योगदान करना चाहते हैं। कार्यक्रम का लक्ष्य प्रतिभागियों को प्रशिक्षण, अनुसंधान और परामर्श में योगदान करने के लिए तैयार करना है। आईआईएम काशीपुर में अध्येता कार्यक्रम प्रबंधन में एक अद्वितीय पी-एच. डी. कार्यक्रम है। प्रबंधन में वाचस्पति (डॉक्टरेट) प्रतिभागियों को ज्ञान का विस्तार व गहनता दोनों प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को एक ओर प्रबंधन अनुसंधान के प्रासंगिक पद्धतिगत साधनों में स्नातकोत्तर करने और दूसरी ओर प्रबंधन के ज्ञान के वर्तमान मुख्य भाग की प्रगति में स्नातकोत्तर करने का दुगुना उद्देश्य है। एफपीएम विषय शैक्षिक लोक के परे शैक्षिक या (अनुसंधान) पदों पर कैरियर की संभावनाएं प्रदान करता है।

कार्यक्रम का यथातथ्य पाठ्यक्रम शैक्षणिक कैरियर के लिए पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करता है और प्रतिभागियों को अपने संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान गतिविधि पर एक अमिट छाप बनाने का अवसर देता है।

कार्यक्रम प्रबंधन के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्रदान करता है। कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने अनुसंधान और प्रकाशनों के माध्यम से ज्ञान के भाग में नियमित रूप से योगदान दिया है।

कार्यक्रम में चार प्रमुख चरण होते हैं:

क. पाठ्यक्रम कार्य का प्रथम वर्ष;

ख. पाठ्यक्रम का द्वितीय वर्ष;

31 मार्च 2019 को एफपीएम विद्यार्थियों का क्षेत्रवार ब्यौरा

	क्षेत्र	संख्या
एफपीएम	ओबी-एचआर	3
	वित्त	6
	सूचना प्रौद्योगिकी	2
	संप्रेषण	1
	विपणन	6
	ओपी- प्रबंधन	8
	कार्यकीति प्रबंधन	2
	अर्थशास्त्र	2

ग. सभी शोध के अंत में, एक छात्र को एक व्यापक परीक्षा देनी होगी;

घ. शोध-प्रबंध

प्रथम वर्ष में, छात्रों को पंद्रह पाठ्यक्रम और एक, सी आई एस (स्वतंत्र अध्ययन पाठ्यक्रम) परियोजना का चयन करना होता है। द्वितीय वर्ष में, छात्रों को नौ पाठ्यक्रमों को लेने की आवश्यकता होती है। प्रथम वर्ष के अंत में योग्यता सीजीपीए (अर्थात तृतीय सत्र के अंत में), सीआईएस/ ग्रीष्मकालीन परियोजना के अंत में और दूसरे वर्ष के अंत में (अर्थात चतुर्थ सत्र के अंत में) व्यापक परीक्षा के लिए 10 पॉइंट स्केल (A+: 10; A: 9; B+: 8; B: 7 और इसी तरह) कम से कम 7-0 ए पर होना चाहिए। छात्रों को जुलाई के पहले सप्ताह में कार्यक्रम में प्रवेश दिया जाता है।

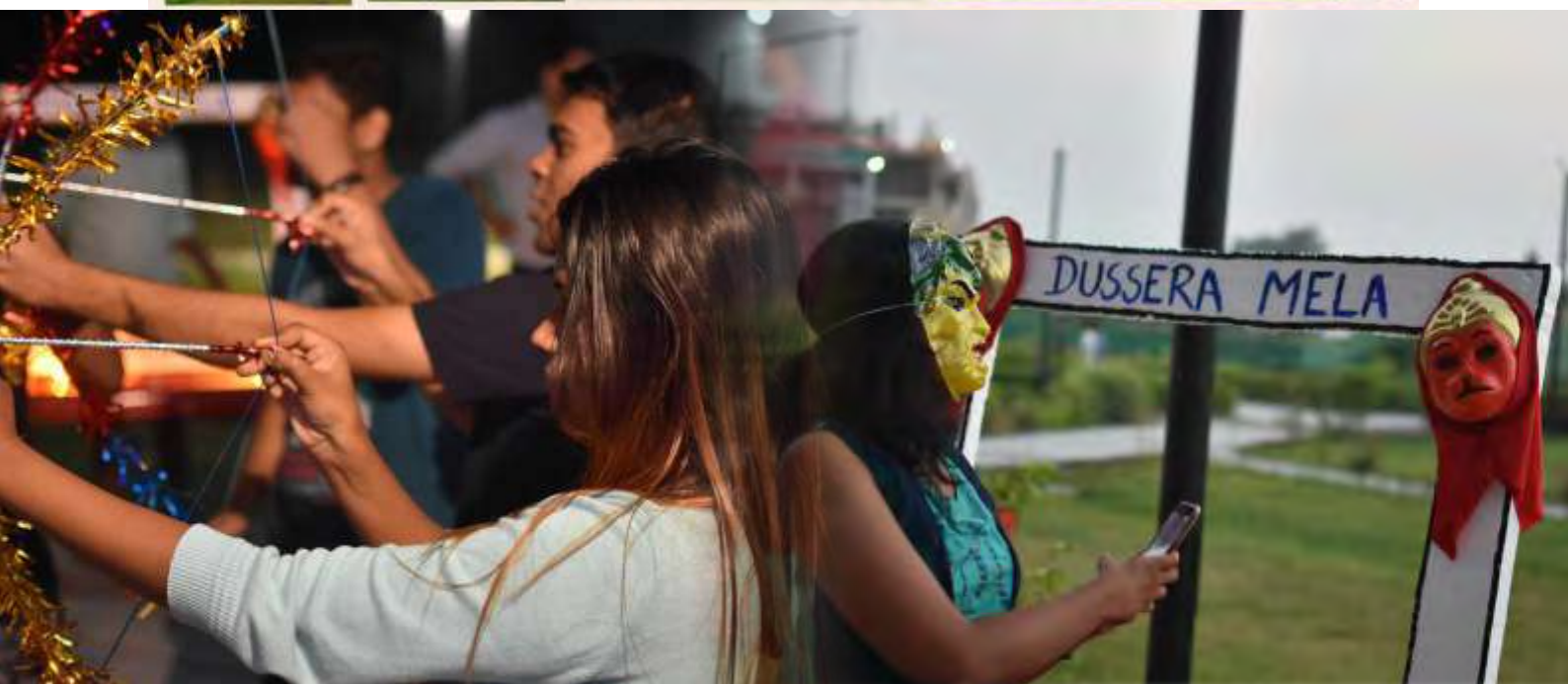

एफपीएम सम्मेलन

क्र. नं.	विद्वान का नाम	क्षेत्र	बैच	सममेलन शोध-पत्र विषय	स्थल	तिथि
1	फैसल नाज़िर ज़रगर	वित्त	2015-19	विषमता एवं विषयांतर की विद्यमानता में प्रतिरूपण निष्पक्ष अति, परिमाण वाष्पशीलता आकलकः अधिक महत्ता विश्लेषण सहित अध्ययन	लंदन में व्यवसाय, प्रबंधन एवं वित्त अंतराष्ट्रीय सम्मेलन	05.03.2019 to 13.03.2019
2	आदित्य कुमार साहू	परिचालन	2016-20	आरओआईसी से समेकित सामग्री प्रवाह लागत लेखाः भारतीय पाइप एवं ट्यूब निर्माता कंपनियों का वृत्त-अध्ययन	आईआईएम कलकत्ता	13-14 जनवरी 2018
3	मनीषा बंसल	वित्त	2017-21	पारिवारिक फर्म एवं अर्जन प्रबंधनः भारत से प्राप्त आनुभविक प्रमाण छठा पैन आईआईएम विश्व प्रबंधन सम्मेलन, आईआईएमबी	आईआईएम बंगलौर	13-15 दिसम्बर, 2018
				अर्जन प्रबंधन पर बोर्ड स्वावलंबन का प्रभावः भारतीय पारिवारिक फर्मों से प्राप्त प्रमाण आठवीं भारत वित्त सम्मेलन 2018, आईआरएमसी	आईआईएम कलकत्ता	20-22 दिसम्बर, 2018
4	लीना सचदेव	ओबीएच आर	2015-19	भारतीय रेल के लोको पायलटों की श्रम प्रक्रम व्याख्या : संघटनात्मक सक्रियता एवं औद्योगिक संपर्कों का प्रकटन	आईएलईआरए वर्ल्ड कांग्रेस सिओल दक्षिण कोरिया	23-27 जुलाई 2018
5	कृष्ण तेजा	विपणन	2017-21	पर्यावरण-हितैषी उत्पादों के विषय में सामान बांधने एवं लेबल लगाने पर उपभोक्ता बोध का प्रभाव	भारतीय प्रबंध संस्थान शिलांग	43434
				राजनैतिक उम्मीदवारों के मूल्यांकन में सामाजिक विवेकता	टीए पाई प्रबंधन संस्थान, उडुपी	43480
6	असित त्रिपाठी	परिचालन	2017-21	मानवीय राहत उपस्कर केंद्र अवस्थित करनाः केरल बाढ़ का वृत्त अध्ययन	एसपीजेआईएमआर मुंबई द्वारा आयोजित १२वां वार्षिक आईएसडीआई सम्मेलन	दिसम्बर 27 - 30, 2018
7	यशोदा देवी	परिचालन	2017-21	भारत में स्वास्थ्य संरक्षण मान्यता	आईआईएम कोझिकोडे (परिचालन प्रबंधन समाज अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन)	20-22 दिसम्बर, 2018

प्रबंधन में कार्यकारी अध्येता कार्यक्रम (ईएफपीएम)

भारत में प्रबंधन शिक्षा के तेजी से विस्तार के साथ, यह अपरिहार्य हो गया है कि शीर्ष बिजनेस स्कूल उत्कृष्ट शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों को तैयार करके बिजनेस स्कूलों में संकाय की आवश्यकता को पूरा करना है जिनके पास एक प्रभावशाली कार्य अनुभव हो फलस्वरूप प्रबंधन शिक्षा उद्देश्यपूर्ण और प्रभावी होगी यदि वास्तविक जीवन के अनुभव वाले व्यक्तियों को शैक्षणिक जगत में लाया जाए। आईआईएम काशीपुर में ईएफपीएम उसी दिशा में एक प्रयास है। वर्ष 2014 में आरंभ, इस कार्यक्रम का उद्देश्य उद्योग और शिक्षा को परस्पर करीब लाना है। उन व्यक्तियों को विद्वानों के इनपुट प्रदान करके जिनके पास पहले से ही उनके विषय के डोमेन क्षेत्र का ज्ञान है, कार्यक्रम शिक्षा जगत में या शिक्षा-जगत के परे अनुसंधान पदों में पूर्णकालिक/अंशकालिक कैरियर की संभावनाएं प्रदान करता है।

कार्यक्रम दो चरणों में विभाजित है। कार्यक्रम के पहले चरण में तीन सत्रों में विस्तृत पाठ्यक्रम कार्य होते हैं और यह आईआईएम काशीपुर परिसर में आयोजित किया जाता है। पहले चरण में, छात्रों को आठ पाठ्यक्रम (चार मुख्य

31 मार्च 2019 को ईएफपीएम विद्यार्थियों का क्षेत्रवार ब्यौरा

	क्षेत्र	संख्या
एफपीएम	ओबी-एचआर	10
	वित्त	3
	सूचना प्रौद्योगिकी	9
	संप्रेषण	3
	विपणन	12
	ओपी- प्रबंधन	10
	कार्यकीति प्रबंधन	5
	अर्थशास्त्र	2

पाठ्यक्रम और चार क्षेत्र-विशिष्ट पाठ्यक्रम) और एक सीआईएस (स्वतंत्र अध्ययन का पाठ्यक्रम) परियोजना लेनी होती है, जिसमें प्रत्येक पाठ्यक्रम में 30 संपर्क घंटे शामिल होते हैं। प्रत्येक सत्र में, अभ्यर्थी को आईआईएम काशीपुर परिसर में लगभग 8 दिनों की अवधि के दो दौरे करने होंगे। व्यापक परीक्षा में बैठने के लिए ईएफपीएम प्रतिभागियों को 7.0 का न्यूनतम संचयी जीपीए (10 अंक के पैमाने पर) प्राप्त करना होगा। परीक्षा के द्वितीय चरण में शोध प्रबंध का कार्य होता है। जुलाई की शुरुआत में छात्रों को कार्यक्रम में प्रवेश दिया जाता है।

शुल्क संरचना

भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर					
क्रम सं.	विवरण	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष	चतुर्थ वर्ष
1	शुल्क	315000*	150000	100000	100000
	*(भोजन व्यवस्था एवं आवास हेतु रुपये 1 लाख तथा प्रतिभूति जमा रुपये 15,000/- सहित)				

Admissions:

एफपीएम 2018-22 बैच		
क्रम सं.	नाम	क्षेत्र
1	अभिषेक यादव	ओबी एवं एचआरएम
2	अनुराग कुलश्रेष्ठ	ओबी एवं एचआरएम
3	अतनु भुयान	परिचालन
4	हरमनजीत सिंह	परिचालन
5	हौशिला सिंह	परिचालन
6	हिमांशु शर्मा	विपणन
7	कमल संगुरी	विपणन
8	लोकेश पोस्टी	वित्त
9	पूर्णिमा खेमानी	वित्त
10	साई भार्गवी वेदुला	अर्थशास्त्र
11	शिवानी नरायण	अर्थशास्त्र
13	तपब्रत पाल	आईटी एवं प्रणाली

व्यवसाय प्रबंधन के स्नातकोत्तर (एमबीए (डब्ल्यु एक्स))

प्रबंधन में (एमबीए (डब्ल्यु एक्स)) एक गहन द्विवर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम है, जो विशेष रूप से मध्यम और वरिष्ठ स्तर के पेशेवरों के लिए है। यह कार्यक्रम एक विशेष कार्यक्रम है जो आज के तेजी से बदलते और प्रतिस्पर्धी वैश्विक कारोबारी माहौल में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए ज्ञान और कौशल के साथ अभ्यास करने वाले अधिकारियों को बल प्रदान करता है। कार्यक्रम प्रभावशाली पूर्णरूपेण से कक्षा-आधारित कार्यक्रम है। कार्यक्रम सप्ताहांत के दौरान आयोजित किया जाएगा क्योंकि यह आपकी व्यावसायिक गतिविधि को बाधित किए बिना अपने प्रबंधकीय कौशल को शीघ्रता से उन्नयन करने का अवसर प्रदान करता है। प्रतिभागी अपने विविध अनुभव को कक्षा में लाते हैं और वास्तविक दुनिया और लाइव परियोजनाओं पर काम करते हैं। कार्यक्रम सक्रिय रूप से कक्षा में सीखी गई अवधारणाओं को अपने कार्यस्थल पर लागू करने के लिए सक्षम करने के तरीकों की खोज करता है। संक्षेप में, यह कार्यक्रम आपको बड़ी और सफल नेतृत्व भूमिकाओं में मूल रूप से परिवर्तित कर देगा।

प्रवेश

वर्ष के दौरान हमें 29 आवेदन प्राप्त हुए और जिनमें से 27 को भर्ती किया गया।

2018-20 में विविधताएं

अनुशासन

अनुशासन	संख्या
अभियांत्रिकी	22
वाणिज्य	3
विज्ञान	0
अन्य	2
कुल	27

शिक्षा का स्तर

स्नातक	22
स्नातकोत्तर	5

उद्योग अनुभव

उद्योग	छात्रों की संख्या
आटोमोबाइल	00
व्यापार	00
सीमेंट	00
शिक्षा	02
अभियांत्रिकी	17
सरकार	06
स्वास्थ्य	00
सूचना प्रौद्योगीकी	02
अन्य	00

सार पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र
- विपणनप प्रबंधन
- व्यापार सांख्यिकी
- वित्तीय आख्या एवं विश्लेषण
- व्यापार सांख्यिकी

द्वितीय सत्र
- निर्णय प्रतिरूपण
- प्रबंधन लेखा
- प्रंधकीय अर्थशास्त्र
- संगठनात्मक व्यवहार

तृतीय सत्र
- संगठनात्मक डिजाइन कार्य
- विपणन प्रबंधन
- परिचालन प्रबंधन
- दीर्घ आर्थिक विश्लेषण

चतुर्थ सत्र
- सामूहिक वित्त
- आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
- व्यापार के कानूनी दृष्टिकोण
- कौशल प्रबंधन

पंचम सत्र
- संगठनों में मानव प्रबंधन
- समाज, व्यापार एवं प्रबंधन
- व्यापार अनुकरण
- सूचना प्रणाली का प्रबंधन

निर्देशात्मक वैकल्पिक पाठ्यक्रम

विपणन प्रबंधन
डिजिटल विपणन
युक्ति ब्रांड प्रबंधन
बिक्री एवं वितरण
विपणन ग्रामीण विपणन

वित्त
निवेश प्रबंधन
कॉर्पोरेट मूल्यांकन
व्युत्पन्न एवं जोखिम प्रबंधन
अंतर्राष्ट्रीय
वित्त
वित्तीय बाज़ार में व्यापार युक्तियां
जोखिम पूंजी एवं निवेश बैंकिंग
वित्तीय विवरण विश्लेषण

परिचालन
परियोजना प्रबंधन
सेवा परिचालन प्रबंधन
गुणवत्ता प्रबंधन एवं सिक्स सिगमा
परिचालन युक्ति
व्यापार प्रक्रम प्रबंधन
परिचालन वैश्लेषिकी

मानव संसाधन
निष्पादन प्रबंधन
क्षतिपूर्ति एवं लाभ
श्रम कानून एवं औद्योगिक संबंध
संगठनात्मक परिवर्तन एवं विकास
प्रतिभा अर्जन प्रबंधन
मानव संसाधन वैश्लेषिकी
नेतृत्व

सूचना प्रौद्योगिकी एवं वैश्लेषिकी
व्यापार विश्लेषण आंकड़ा
विज्ञान एवं व्यापार विश्लेषण

उन्नत आंकड़ा विज्ञान एवं
व्यापार विश्लेषण
सामाजिक नेटवर्क विश्लेषण

सामान्य प्रबंधन
उद्यमिता प्रतियोगिता परिदृश्य
कॉर्पोरेट नैतिकता/शासन
वैश्विक व्यापार डिजाइन सोच एवं
नवाचार हेतु सांस्कृतिक परस्पर कौशल

शुल्क संरचना

MBA(WX) 2018-20 Batch - 1st Year Fee					
क्र.नं.	**विवरण**	**सत्र-I**	**सत्र-II**	**सत्र-III**	**सत्र-IV**
1	शिक्षण शुल्क	82,500.00	82,500.00	82,500.00	82,500.00
2	पाठ्यक्रम सामग्री	3,000.00	3,000.00	3,000.00	3,000.00
3	पुस्तकालय	2,000.00	2,000.00	2,000.00	2,000.00
4	वापसी योग्य कॉशन डिपॉजिट	6,000.00	—	—	—
5	**कुल**	93,500.00	87,500.00	87,500.00	87,500.00
6	जोड़ें जीएसटी कर @18%	16,830.00	15,750.00	15,750.00	15,750.00
7	सेवा कर और छूट के साथ कुल	**1,10,330.00**	**1,03,250.00**	**1,03,250.00**	**1,03,250.00**
MBA(WX) 2018-20 Batch - 2nd Year					
क्र.नं.	**विवरण**	**सत्र-I**	**सत्र-II**	**सत्र-III**	**सत्र-IV**
1	शिक्षण शुल्क	82,500.00	80,500.00	80,500.00	80,500.00
2	पाठ्यक्रम सामग्री	3,000.00	3,000.00	3,000.00	3,000.00
3	पुस्तकालय	2,000.00	2,000.00	2,000.00	2,000.00
4	वापसी योग्य कॉशन डिपॉजिट	—	—	—	—
5	**कुल**	87,500.00	85,500.00	85,500.00	85,500.00
6	जोड़ें जीएसटी कर @18%	15,750.00	15,390.00	15,390.00	15,390.00
7	सेवा कर और छूट के साथ कुल	**1,03,250.00**	**1,00,890.00**	**1,00,890.00**	**1,00,890.00**

*भारत सरकार के आदेश के अनुसार जीएसटी लागू होने की तिथि से उम्मीदवारों को वापस कर दिया जाएगा।

अंतिम स्थापन विवरण

भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर

अंतिम स्थापन विवरण

"पूरी हिम्मत से अपना कर्म करो और आपको कामयाबी मिलेगी इसमें बहुत थोड़ी-सी प्रतिस्पर्धा है।"

– एल्बर्ट हब्बार्ड

भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर को प्रबंधन में अपने प्रमुख स्नातकोत्तर कार्यक्रम की 2017–19 बैच के लिए अवस्थापन प्रक्रिया के सफल समापन की घोषणा करते हुए गर्व है। पिछले 8 वर्षों से हमारे विद्यार्थियों ने उद्योग जगत में अपने असाधारण कौशल का प्रदर्शन करके नियोक्ताओं पर स्थायी छाप छोड़ी है।

इस साल, संस्थान को 72 प्रतिष्ठित संगठनों द्वारा 218 जॉब ऑफर प्रेषित कर भागीदारी प्राप्त हुई, बीएफएसआई, परामर्श, कार्यनीति, बिक्री और विपणन, संचालन, मानव संसाधन, आईटी और विश्लेषिकी समेत विभिन्न विषयों में भूमिकाओं को पेशकश की।

हम अपने नियोक्ताओं के प्रति हमारी ईमानदारी से कृतज्ञता व्यक्त करना चाहते हैं जिन्होंने एक बार पुनः हमारे छात्रों को प्रतिष्ठित भूमिकाओं और विशिष्ट प्रोफाइलों की एक बड़ी पेशकश करके संस्थान में अपना विश्वास व्यक्त किया है।

हमने आईआईएम काशीपुर के साथ साझेदारी करने के इच्छुक भर्तीकर्त्ताओं की संख्या में भारी वृद्धि देखी है और हम उनके साथ पारस्परिक रूप से लाभप्रद संबंध बनाए रखने की उम्मीद करते हैं।

हम अपनी सफलता का श्रेय अपने छात्रों के प्रयासों को देते हैं जिन्होंने लगातार उन्नत प्रदर्शन किए तथा संस्थान को गौरवान्वित किया है।

बैच सूचक

बैच की संख्या
200
विद्यार्थीगण

बैच की संख्या में
18%
वृद्धि

बैच का
57%
पूर्वानुभव

औसत कार्यानुभव
23
माह

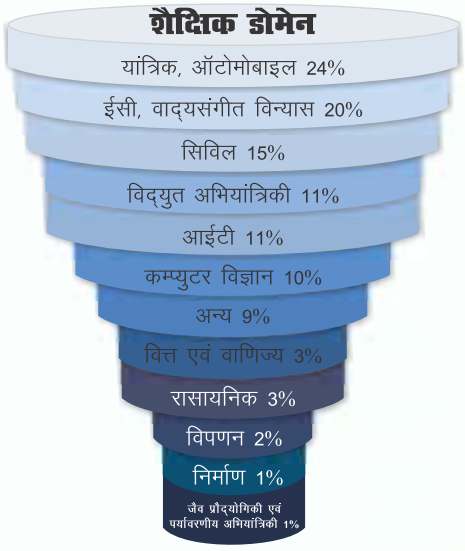

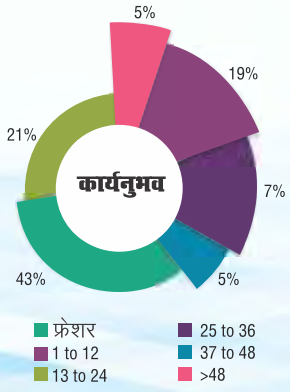

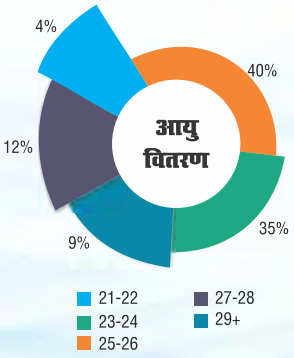

STATISTICS OF THE PLACEMENT SEASON

200	स्थापन के लिए योग्य छात्रों की संख्या	स्थापन प्रक्रिया में भाग लेने वाली कंपनियां	72
194	संस्थान के छात्र स्थापन	पीपीओ/पीपीआई की संख्या	15
6	ऑप्ट आउट की संख्या	उच्चतम सीटीसी	2800000
218	प्रस्ताव किए	औसतन सीटीसी	1217196

अवधि की विशेषताएं

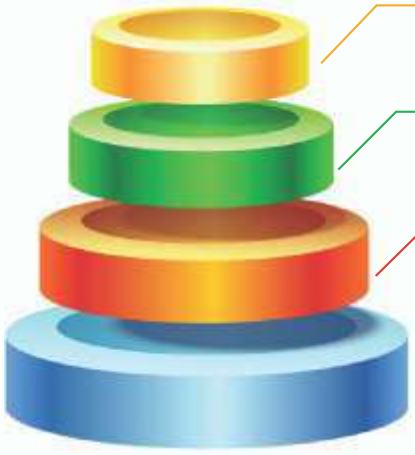

18%
बैच संख्या में 18% वृद्धि

20%
प्रतिभागी कंपनियों में 20% की वृद्धि

20+
नव नियोक्ता

35%
उच्चतम घरेलू सीटीसी में 35% की वृद्धि

कंपनियों का क्षेत्रवार विभाजन

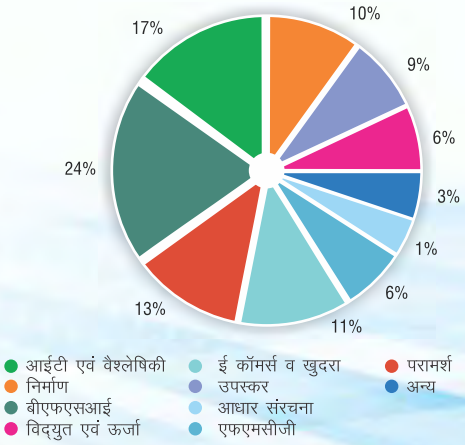

भूमिकावार वर्गीकरण

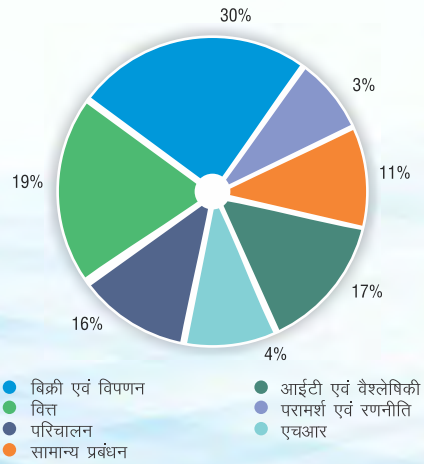

विपणन

बाजार में रिलायंस जियो, टाटा मोटर्स, कॉफी डे बेवरेजेज, आदित्य बिड़ला सन लाइफ इंश्योरेंस, बायजू, पीसीबीएल, एचडीएफसी बैंक, हीरो मोटोकॉर्प, मुथूट फिनकॉर्प, वैल्यू लैब्स आदि जैसी दिग्गज कंपनियों ने एग्री–मार्केटिंग, बी 2 बी मार्केटिंग, बी 2 सी मार्केटिंग। ब्रांड मैनेजर, अभियान प्रबंधक, श्रेणी प्रबंधक, चैनल प्रबंधक, कॉर्पोरेट संबंध कार्यपालक, ग्राहक अधिग्रहण, ग्राहक संबंध प्रबंधन, डिजिटल मार्केटिंग एसोसिएट, प्रत्यक्ष बिक्री अधिकारी, एंटरप्राइज सेल्स मैनेजर, इनबाउंड सेल्स, खाता प्रबंधक, मार्केट रिसर्च एसोसिएट, बिक्री पूर्व सलाहकार, मूल्य निर्धारण प्रबंधक, संबंध प्रबंधक–खुदरा शाखा, खुदरा विपणन, ग्रामीण विपणन, बिक्री विकास कार्यकारी और कार्यनीतिक विपणन जैसे ऑफर दिए''

वित्त

विद्यार्थियों को डेलोइट, ई एंड वाई, फ्यूचर्स फर्स्ट, फेडरल बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, आईडीएफसी बैंक, आरबीएल बैंक, कैपिटल ट्रस्ट इत्यादि प्रतिष्ठित संस्थाओं द्वारा संपत्ति प्रबंधन, शाखा प्रबंधक, पूंजी बाजार विश्लेषक, कॉर्पोरेट बैंकिंग, क्रेडिट जोखिम प्रोफाइल, इक्विटी रिसर्च, वित्त सलाहकार, वित्त नियंत्रक, वित्तीय विश्लेषिकी, वित्तीय रणनीति, आंतरिक लेखा परीक्षक, अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग, निवेश विश्लेषक, निवेशक संचार, बाजार जोखिम विश्लेषक, विलय और अधिग्रहण, निजी इक्विटी प्रबंधक, संबंध प्रबंधक, खुदरा बैंकिंग, जोखिम आकलन, कमी, ग्रामीण बैंकिंग, वरिष्ठ व्यापार सहयोगी, वित्तीय सेवा, वरिष्ठ वित्तीय बाजार अनुसंधान विश्लेषक, ट्रेजरी, ओर धन प्रबंधन जैसी भूमिकाएं पेश की गई।

संचालन

आईआईएम काशीपुर ओयो, गोदरेज एंड बॉयस, जीएमआर ग्रुप, सेफ एक्सप्रेस, आदित्य बिड़ला कैपिटल, टाटा मोटर्स, 4टिगो, ऑफ बिजनेस, श्री मालिनी फोमस, आरईसीएल आदि जैसे प्रमुख संगठनों के लिए एक लोकप्रिय गंतव्य बना रहा, जिन्होंने फ्लीट। मैनेजर, लॉजिस्टिक्स, ऑपरेशंस कोऑर्डिनेटर, ऑपरेशनल प्लानिंग, शेड्यूलिंग मैनेजर, ऑपरेशंस मैनेजर, प्रोसेस इम्प्रूवमेंट हैंडलर, प्रोक्योरमेंट एनालिसिस, प्रोडक्ट ऑपरेशंस, सीनियर प्रोजेक्ट मैनेजर, सर्विस डिलीवरी मैनेजर, सर्विस क्वालिटी मैनेजर, स्ट्रैटेजिक ऑपरेशनल प्लानिंग एसोसिएट और स्ट्रेटेजिक सप्लाई चेन मैनेजर जैसी भूमिकाएँ पेश कीं।

सूचना प्रौद्योगिकी और विश्लेषिकी

इन्फोसिस, एमएक्यू सॉफ्टवेयर, केल्टन टेक, केअर रेटिंग, इंडिआमार्ट, एवल्यूसर्व, माइंडट्री, ईसिलेरक्स, फ्यूचर्स फर्स्ट इत्यादि जैसे बड़े नामों बीएफएसआई एनालिटिक्स, बीआई एनालिटिक्स, बिग–डेटा सर्विसेज मैनेजमेंट, बिजनेस इंटेलिजेंस, रिसर्च, बिजनेस सॉल्यूशन एनबलर, क्लाउड बिजनेस एनालिस्ट, डेटा एनालिटिक्स कंसल्टेंट, फाइनेंशियल एनालिटिक्स, ग्रोथ हैकर, आईटी प्रोजेक्ट मैनेजमेंट, ऑपरेशनल एनालिटिक्स, प्रोडक्ट क्वालिटी एनालिस्ट, सीनियर बिजनेस एनालिस्ट, सीनियर रिसर्च एनालिस्ट और टेक्निकल प्रोजेक्ट मैनेजर जैसे प्रोफाइल पेश किए।

मानव संसाधन

एचआर डोमेन में ईकॉम एक्सप्रेस, टाटा मोटर्स, आरबीएल फिनज़र्वड की भागीदारी अधिक देखी गई। उन्होंने एचआर जर्नलिस्ट, कैरियर डेवलपमेंट एक्जीक्यूटिव, कॉरपोरेट एचआर गवर्नेंस, ग्लोबल इनिशिएटिव मैनेजर, एचआर एडवाइजरी, इंडस्ट्रियल रिलेशंस मैनेजमेंट, स्ट्रैटेजिक परफॉर्मेंस, कॉम्पेंसेशन मैनेजमेंट और एचआर एनालिटिक्स आदि जैसे प्रमुख प्रोफाइल पेश किए।

कार्यनीति और परामर्श

केपीएमजी, डेलॉइट, ईएंडवाई, पीपल स्ट्रॉन्ग, श्रीराम प्रॉपर्टीज आदि जैसी शीर्ष संस्थाओं ने रणनीति और परामर्श क्षेत्र में कॉर्पोरेट सलाहकार, कॉर्पोरेट रणनीति, वित्तीय सलाहकार, कार्यात्मक सलाहकार, नेतृत्व और समूह रणनीति, एमटी–स्ट्रैटेजिक एलाइन्स, उत्पाद प्रबंधक। वरिष्ठ प्रबंधक–कार्यनीति, कार्यनीतिक परामर्श, कार्यनीतिक उत्पाद प्रबंधन, सेवा संचालन सलाहकार के लिए रणनीति बाजार की पहल आदि जैसे भूमिकाएं पेश करती हैं।

सामान्य प्रबंधन

टाटा कैपिटल, जेएसपीएल, ड्रूम, विनकुलम सॉल्यूशंस, जीएचसीएल, जीएमआर ग्रुप, मुथूटफिनकोरपेट ने व्यवसाय प्रबंधन सहयोगी, उद्यमिता विकास, विकास अधिकारी, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार विकास, नई व्यवसाय पहल, उत्पाद कार्यपालक, परियोजना प्रबंधक, और वरिष्ठ व्यवसाय विकास सलाहकार जैसी सामान्य प्रबंधन भूमिकाएं पेश कीं।

ग्रीष्म अवस्थापन प्रतिवेदन

भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर

ग्रीष्म अवस्थापन प्रतिवेदन

> *"सपने उन्हीं लोगों के पूरे होते हैं जो आराम छोड़कर उन्हें पूरा करने के लिए संघर्ष करते हैं।"*
>
> *– क्लेमेंट ओगेड्गिबे*

आईआईएम काशीपुर प्रबंधन में अपने प्रमुख स्नातकोत्तर कार्यक्रम की 2018–20 बैच की ग्रीष्म अवस्थापन प्रक्रिया के सफल समापन की घोषणा करते हुए अत्यंत गर्व है। पिछले 8 वर्षों से, हमारे छात्रों ने उद्योग में अपने असाधारण कौशल और प्रतिभा को प्रदर्शित करके नियोक्ताओं पर स्थायी प्रभाव छोड़े हैं।

इस वर्ष, बीएफएसआई, परामर्श, कार्यनीति, बिक्री और विपणन, संचालन, एचआर, आईटी और विश्लेषण सहित विभिन्न क्षेत्रों में 240 प्रस्ताव प्रदान करते हुए संस्थान को 82 प्रतिष्ठित प्रतिष्ठानों से भागीदारी प्राप्त हुई।

हम अपने नियोक्ताओं के प्रति हमारी ईमानदारी से कृतज्ञता व्यक्त करना चाहते हैं जिन्होंने एक बार पुनः हमारे छात्रों को प्रतिष्ठित भूमिकाओं और विशिष्ट प्रोफाइलों की एक बड़ी पेशकश करके संस्थान में अपना विश्वास व्यक्त किया है।

हमने आईआईएम काशीपुर के साथ साझेदारी करने के इच्छुक भर्तीकर्त्ताओं की संख्या में भारी वृद्धि देखी है और हम उनके साथ पारस्परिक रूप से लाभप्रद संबंध बनाए रखने की उम्मीद करते हैं।

हम अपनी सफलता का श्रेय अपने छात्रों के प्रयासों को देते हैं जिन्होंने लगातार उन्नत प्रदर्शन किए तथा संस्थान को गौरवान्वित किया है।

बैच सूचक

बैच की संख्या
256
विद्यार्थीगण

बैच की संख्या में
24%
वृद्धि

कार्यनुभव पूर्व बैच का
58%

औसतन
28
माहों का कार्यनुभव

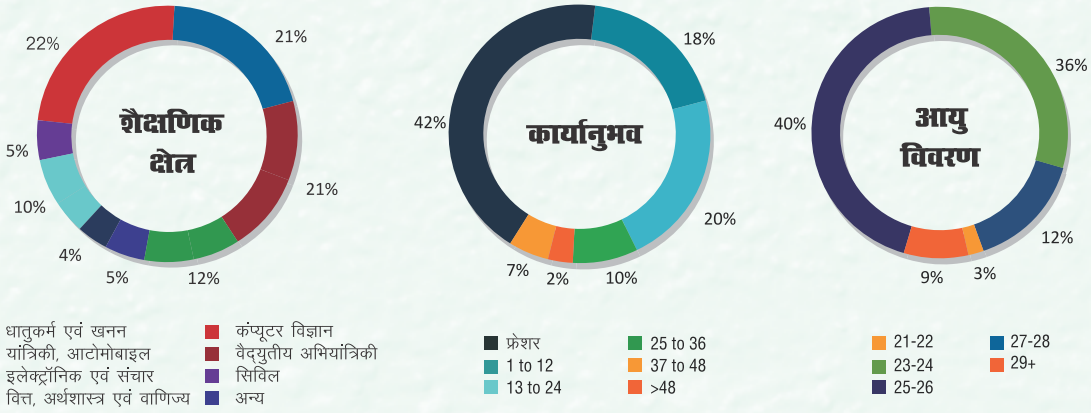

स्थापन अवधि के आँकड़ें

स्थापन हेतु पात्र विद्यार्थीगण	255	अधिकतम वेतनभोगी	₹460000
बाहर गए की संख्या	19	औसतन वेतनभोगी	₹63018
संस्थान से छात्र स्थापन	236	शीर्षस्थ 25 औसतन वेतनभोगी	₹171280
प्रस्ताव किए	240	शीर्षस्थ 50 औसतन वेतनभोगी	₹140280
स्थापन प्रक्रिया में भाग लेने वाली कंपनियां	82	शीर्षस्थ 100 औसतन वेतनभोगी	₹98430

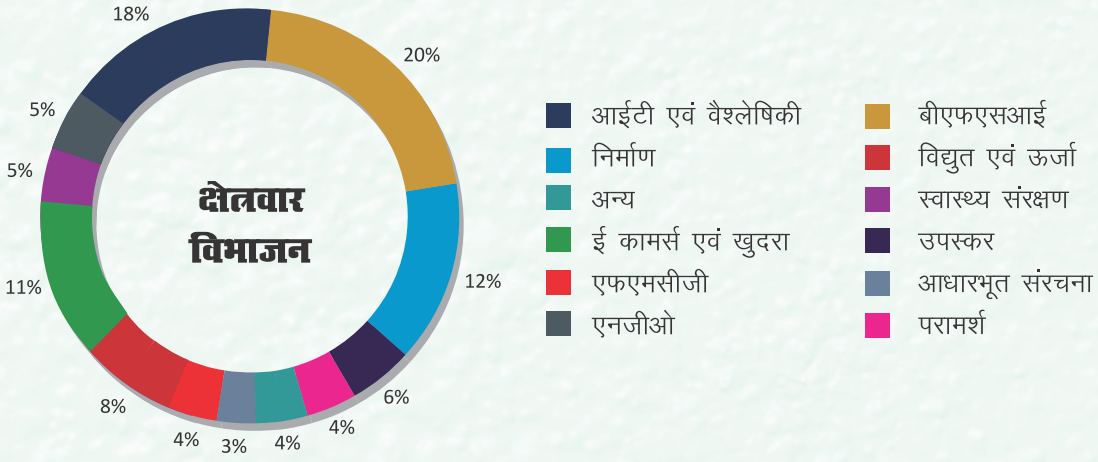

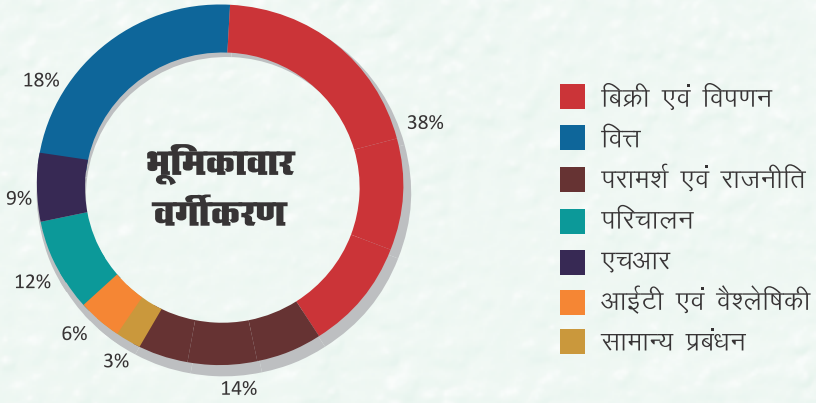

बीपीसीएल, एल एंड टी प्रौद्योगिकियाँ, टाटा मोटर्स, मॉडलेज़, आर बी एल बैंक, एचडीएफसी बैंक, हीरो कॉर्प, ड्रूम, सिडबी, टाटा कैपिटल इत्यादि जैसे उद्योग अग्रणियों ने बाजार अनुसंधान विश्लेषक, बाजार रचना कौशल प्रबंधन कृषि विपणन, ब्रांडिंग, आंगुलिक (डिजिटल) विपणन, बिक्री योजना, बी2बी, बी2सी संबंध प्रबंधन, फुटकर विपणन, उत्पाद प्रबंधन इत्यादि जैसी लालसापूर्ण भूमिकाएं प्रस्तावित की।

विद्यार्थियों को आईसीआईसीआई बैंक, यश बैंक, इंडिया बुल्स होम लोन्स, एंडलवीज, टाटा कैपिटल, वेब ग्रुप, बजाज फाइनेन्सर्व, डीएमआई फाइनेन्स, मुथूट फिनकॉप, नाबर्ड इत्यादि जैसे प्रतिष्ठित संगठनों द्वारा कॉर्पोरेट वित्त, निवेश बैंकिंग, वित्तीय प्रतिरुपण, वित्तीय विश्लेषक, वित्तीय अनुसंधान, संपत्ति प्रबंधन, जोखिम प्रबंधन, बीएफएसआई विश्लेषक, विलय एवं अर्जन पत्राधान प्रबंधन, परियोजना वित्त प्रबंधन, विकास बैंकिंग एवं वित्तीय समावेश जैसे क्षेत्रों में अवसर मिले।

आईआईएम काशीपुर, जेएसपीएल, सिनेपॉलिस, उषा इंटरनेशनल, बर्जर पेंट्स, श्री सीमेंट्स इलास्टिक रन, क्रो फार्म, 4 टिगो, जयपुर रग्स, फ्रेट ब्र, एचडीएफसी बैंक इत्यादि जैसे विशाल संगठनों हेतु लोकप्रिय मंजिल बरकरार रही जिन्होंने आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, परिचालन प्रबंधक, परियोजना प्रबंधक, 3पीएल परिचालन, वाहनांतरण एवं सुपुर्दगी प्रबंधक, एंड टू एंड हब ऑपरेशन, सदनीय एवं स्टॉक प्रबंधन इत्यादि जेसे भूमिकाओं की पेशकश की।

गूगल, आरबीएल बैंक, ड्रूम, एल एंड टी प्रौद्योगीकियां, साइंडट्री, इंडिया मार्ट, आकश इंस्टीट्यूट, पिटस्टॉप इत्यादि जैसे बड़े नामों ने आँकड़ा खनन, सामाजिक मीडिया विश्लेषक, अनुसंधान विश्लेषक, आँकड़ा कल्पना, ऊर्जा बीआई एवं सजीव चित्र कल्पना, व्यवसाय विश्लेषक इत्यादि जैसी लालसीपूर्ण भूमिकांए पेश की।

एचआर क्षेत्र के डेलॉइट, टाटा मोटर्स, एजीज ग्लोबल सॉल्युशन्स, अशोक पिरामल ग्रुप, जगुआर, आशियाना हाउसिंग लिमिटेड, ओबेरॉय ग्रुप, श्री मलानी फोम्स, जयपुर रग्स इत्यादि ने सहभागिता देखी। उन्होंने एचआर जर्नलिस्ट, कैरियर विकास कार्यपालक, कॉपोरेट एचआर शासन, रणनीति निष्पादन, क्षतिपूर्ति प्रबंधन तथा एचआर विश्लेषक इत्यादि जैसे प्रमुख भूमिकाएं प्रस्तुत की।

रणनीति एवं परामर्श ने डेलोइट, मेक माई ट्रिप, मॉल्केम कैमिकल्स, सदरलैंड ग्लोबल माइंडट्री, ड्रम, ब्लैक ब्रिक्स, द अदर सर्कल, आरबीआई, रुबिक् इत्यादि के साथ विद्यार्थियों को आईटी परामर्श व रणनीति प्रतिरुपण भूमिकाएं पेश करते हुए उच्च प्रवृत्ति देखी।

गूगल, माइक्रोलैंड, सत्तवा, इंडिया मार्ट, सिनेपॉलिस, केनरा एचएसबीसी, बायजस, टोन टैग, एनारॉक, ईमाई ट्रिप, सृजन इत्यादि ने ईएसेसीईओ/सीएमओ, रणनीति सहयोग एवं साझेदारी, व्यवसाय, प्रबंधन प्रबंधक, व्यवसाय विकास परामर्शदाता कॉपोरेट परामर्शी इत्यादि जैसी महाप्रबंधन भूमिकाएं पेश की।

सत्र के मुख्य बिंदु

इस वर्ष सम्मिलित होने वाली कंपनियां

एनारॉक	ओयस्टर कनेक्ट	4 टिगो	सदरलैंड ग्लोबल	ग्रारी	एजीज़ टलोबल सॉल्युशन्स
पिटस्टॉप	एचडीएफसी	ऑपुलेन्स	बजाज फाइनसर्व	ब्लैक बिक्स	क्रोफार्म
उषा इंटरनेशनल	ऑडिएंट मैनेजमेंट	ईजमाइ ट्रिप	उन्नति	फंडवेब	दोनाटेक आर्ट
लिटिल मिलेनियम	सिनेपॉलिस	डिलॉइट	आरबीआई	कोहो	एंजिल ब्रोकिंग
एक्सप्रेस माइंडस	जयपुर रग्स	सत्या	वीएएसपीएल	बोर्ड इर्नाफनिटी	विपनी मैनेजमेंट कंसल्टिंग
ड्रूम	टैक्नोग्रियर	आरबीएल बैंक	विडूली	फिनॉलुशन्स वेलफेयर	सिनर्गोज टेक कंपनी
माइंडट्री	बीपीसीएल	मुथूट ग्रुप	सूजन	एमबीए ट्रैक	गोइबिबो
ब्लैक टर्टल	एल एंड टी टैक्नोलॉजी	माइक्रोलैंड	जोजोडे	इंडिया बुल्स होम लोन्स	आईआईएम जॉब्स
टाटा मोटर्स	इलास्टिक रन	जगुआर	आशियाना हाउसिंग	फिल्प लर्न	अशोक पिरामल ग्रु
फ्लाइविडस	श्री मालीन फोम्स	डब्ल्यू टीएफ मौनू	श्री सीमेंट	इंडिया मार्ट	गूगल
यश बैंक	मार्चिग वुड्स	एफएबी गेटवेज	हीरो मोटोकार्प	टाटा कैपीटल	मॉडेल्ज
फ्रेटब्र	मार्चिग वुड्स	आईसीआई सीआई बैंक	रुबीक्यू	द अर सर्कल	टाटा कैमिकल्स
पूमा	आकाश इंस्टीट्यूट	मॉल्कम कैमिकल्स	यर्नेस्ट	सिडबी	डीएमआई फाइनेन्स

प्रगति में हमारी साथी

ICICI Bank
Yes Bank
RBL Bank
Microland
Google
Cinepolis
HDFC Bank
Canara HSBC OBC Life Insurance
RBI
L&T Technologies
media.net
Sutherland Global
IDFC Bank
Bajaj Finserv
SEBI
TATA Capital
TATA Steel
Usha International
Muthoot Group
Angel Broking
Rubique
TATA Power
TATA Motors
Aegis Global
JSPL
IndiaBulls Home Loans
Apollo Munich
Edelweiss
Hero Motocorp
India Mart
Mindtree
Jubilant Foodworks
IDBI Federal
Aditya Birla Bapital
Jawa Motors
Keya Foods
Berger Paints
Tolaram Group
DS Group
Deloitte
E&Y
Intuit
Anarock
Reliance Indutries Limited
GSK
Wipro
KPMG
Stryker
Droom
Make My Trip
Piramal Group
Accenture Ventures
Puma
VLCC
BPCL
Centuary India
Bodycraft
Jaipur Rugs
Srijan
Emerson
Bloomberg Quint
JK Papers
SafeExpress
Oberoi Group
Teach For India
Pradaan
Shree Cements
NABARD
4Tigo
Akash Institute
MAQ Software
To The New

प्रबंधन विकास कार्यक्रम

आईआईएम काशीपुर में प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपीएस) का उद्देश्य विभिन्न स्तरों पर कार्यरत प्रबंधकों और कार्यपालकों के बीच दक्षता बढ़ाना है, आईआईएम काशीपुर में प्रस्तावों का एक महत्वपूर्ण घटक है।

इन प्रबंधन विकास कार्यक्रमों (एमडीपी) को बदलते वैश्विक कारोबारी माहौल और अंतरराष्ट्रीय मानकों को ध्यान में रखते हुए संरचित किया जाता है जो प्रतिभागियों के कौशल और दक्षताओं को विकसित करने में मदद करते हैं।

हमारे कार्यक्रम व्यापार नीति, वित्त, लेखा, संगठनात्मक व्यवहार, विपणन, औद्योगिक और कार्मिक संबंध, मात्रात्मक और उत्पादन के तरीके, सूचना प्रणाली और कंप्यूटर, स्वास्थ्य, सार्वजनिक प्रणाली, कृषि और शिक्षा जैसे विशिष्ट क्षेत्रों के लिए डिजाइन किए गए हैं।

कंपनी प्रबंधन विकास कार्यक्रम

संस्थान अपने प्रबंधन कौशल को परिष्कृत करके अपनी क्षमता को अधिकतम करने के लिए निजी, सार्वजनिक और सरकारी क्षेत्रों सहित विभिन्न संगठनों के वरिष्ठ और मध्यम स्तर के अधिकारियों के लिए प्रयोजन-अनुकूल-इन-कंपनी कार्यपालक विकास कार्यक्रम प्रदान करता है। पिछले वर्ष आईआईएम काशीपुर से जुड़े निम्नलिखित संगठन हैं:-

- भारत इलेक्ट्र निक्स लिमिटेड (बीईएल), बेंगलुरु

परिसर प्रबंधन विकास कार्यक्रम

संगठनात्मक आवश्यकता के अनुसार संगठनों के लिए कार्यक्रम निदेशकों द्वारा विशेष रूप से डिजाइन किए गए 2-5 दिनों से लेकर ये अल्पवधि कार्यक्रम हैं। ये कार्यक्रम संस्थान द्वारा प्रायोजक संगठन के परामर्श से पेश किए जाते हैं और संगठन की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूर्ण करने हेतु अनुकूलित होते हैं।

पिछले वर्ष आईआईएम काशीपुर से निम्नांकित संगठन संबद्ध रहे

- राष्ट्रीय परियोजना कार्यान्वयन इकाई (एनपीआईयू), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की इकाई
- भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी)

ऑनलाइन कार्यक्रम

ये कार्यक्रम ऑनलाइन प्रौद्योगिकी प्रदाताओं के सहयोग से आयोजित किए जाते हैं। व्याख्यान आईआईएम काशीपुर के संकाय द्वारा ऑनलाइन दिए जाते हैं। सभी नामांकित छात्रों को क्लाउड कैंपस तक पहुंच प्रदान की जाती है, जिसके माध्यम से छात्र अन्य शिक्षण सहायक सामग्री, संदर्भ सामग्री और मूल्यांकन, वृत्त-अध्ययनों, परियोजनों और हस्तांतरणों का यथोचित अभिगमन कर सकते हैं। पाठ्यक्रम की समूची अवधि के दौरान, छात्रों को प्रश्न पूछने और अपने संदेहों को दूर करने के लिए क्लाउड कैंपस के माध्यम से कक्षा या ऑफलाइन के दौरान प्रशिक्षक तक पहुँचने की सुविधा होगी। नियत परियोजना कार्य और प्रस्तुति को सफलतापूर्वक पूरा और प्रस्तुत करने वाले प्रतिभागियों को समापन प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा।

परामर्शता

संस्थान की गतिविधियों के परामर्शता आबंटन महत्वपूर्ण घटक हैं। आईआईएम काशीपुर के संकाय सदस्यों ने निजी और साथ ही साथ सार्वजनिक क्षेत्रों, सरकारी एजेंसियों और बहुपक्षीय विकास संगठनों से परामर्श परियोजनाओं के लिए अपना समय अर्पित करना शुरू कर दिया। परामर्श न केवल प्रबंधन के व्यावहारिक दृष्टिकोणों के बारे में संस्थान की समझ को जोड़ता है, बल्कि व्यवसाय, उद्योग और सरकार में प्रबंधन पद्धतियों को बेहतर बनाने में भी मदद करता है। पिछले कुछ वर्षों में, आईआईएम काशीपुर ने विभिन्न क्षेत्रों में ज्ञान का एक व्यापक निकाय विकसित किया है जिसमें स्वास्थ्य सेवा, पर्यावरण और एमएसएमई शामिल हैं।

2018-19 के दौरान आईआईएम काशीपुर संकाय ने निम्नलिखित परियोजनाओं का उत्तरदायित्व लिया/पूर्ण किया।

1. निर्यात संवर्धन और इसके आगे की निरंतरता पर ब्याज समानकरण योजना का प्रभाव आकलन अध्ययन, प्रो. अभ्रदीप मैती और प्रो. कुणाल के नेतृत्व में भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के विदेश व्यापार महानिदेशालय की ओर से अध्ययन किया गया।
2. प्रोफेसर आर के पाढी के नेतृत्व में संकाय सदस्यों की टीम द्वारा उत्तर प्रदेश स्वास्थ्य प्रणाली सुदृढ़ीकरण परियोजना (यूपीएचएसएसपी)।
3. प्रो. दिलीप कुमार द्वारा मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) का कोटि-निर्धारण- पूर्व मूल्यांकन।
4. प्रोफेसर अतुलन गुहा द्वारा उत्तराखंड राज्य आर्थिक सर्वेक्षण।

पिछले वर्ष आईआईएम काशीपुर ने निम्नांकित कार्यक्रम प्रस्तुत किए

क्र.नं.	कार्यक्रम का नाम	ऑनलाइन साथी
1	रणनीतिक प्रबंधन III (एसएम III)	टेलंटेज
2	उपस्कर और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन I (एलएससीएम I)	सेफडुकेट
3	अनुप्रयुक्त वित्त जोखिम प्रबंधन II (एएफआरएम II)	टेलंटेज
4	उद्यमिता III	टेलंटेज
5	विपणन वेश्लेषिकी एवं उपभोक्ता मूल्यांकन II (एमएसीवी II)	टेलंटेज
6	व्यवसाय वैश्लेषिकी एवं विशाल आंकड़ा II (बीएबीडी II)	टेलंटेज
7	उपस्कर एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन II (एलएससीएम II)	सेफडुकेट
8	रणनीतिक प्रबंधन I (एसएम I)	न्युलर्न
9	परिचालन प्रबंधन I (ओएम I)	न्युलर्न
10	व्यवसाय वैश्लेषिकी एवं विशाल आंकड़ा II (बीएबीडी III)	टेलंटेज
11	अनुप्रयुक्त वित्त जोखिम प्रबंधन III (एएफआरएम III)	टेलंटेज
12	वित्तीय आंकड़ा वैश्लेषिकी I (एफडीए I)	न्युलर्न
13	उपस्कर आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन III (एलएससीएम III)	सेफडुकेट

उत्कृष्टता के केंद्र

लोक नीति और सरकार में उकृष्टता केंद्र

लोक नीति और सरकार में उकृष्टता केंद्र (सीओईपीपीजी) की स्थापना कुछेक अति महत्वपूर्ण लोक नीति व शासन के मुद्दों को संबोधित करते हुए सरकार व समाज के अंतः अनुभागों पर नीति निर्माताओं, सरकारी एजेन्सियों, नागरिक समाज, उद्योग व शिक्षाविदों के मध्य सेतु के रूप में सेवा करने हेतु की गई है। संस्थान द्वारा विद्वानों के अनुसंधान, लोक नीति और प्रशिक्षण कार्यक्रम निर्देशित करने और अन्य क्षमता सशक्त गतिविधियां समर्थित करके नीति निर्माताओं, सरकारी एजेंसियों, नागरिक समाज, उद्योग और शिक्षाविदों के बीच एक सेतु के रूप में सेवा करने हेतु की गई। कुछ सबसे महत्वपूर्ण लोक नीति और शासन के मुद्दों को संबोधित करते हुए सरकार और समाज के अंतःअनुभागों विषयगत लोक नीति विश्लेषणों पर आधारित चल रहे अनुसंधान, प्रशिक्षण और सलाहकार सेवाओं के साथ यह अनुसंधान के साथ शैक्षिक कार्यक्रमों को जोड़ती हैं। यह केंद्र लोक प्रशासन, कानून, लिंग, पर्यावरण, शिक्षा, व्यक्तिक इंजीनियरिंग, प्रवास, मानवाधिकार, मीडिया, सूचना समाज, संघर्ष समाधान, संक्रमणकालीन न्याय, व्यवसाय एवं सुशासन जैसे विषयों पर व्याख्यान देने वाले आंतरिक संकाय के साथ-साथ अभ्यागत विद्वानों को परस्पर विषयी लोक नीति अनुसंधान, शिक्षण एवं नियुक्ति को वचनबद्ध की एक नानाविध् टीम बुलाता है।

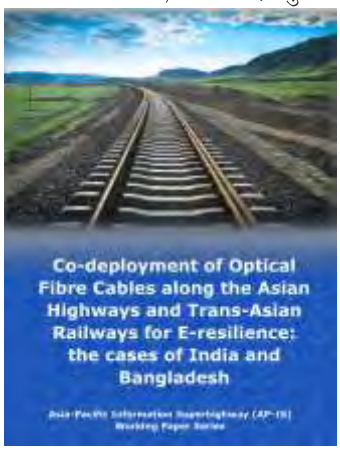

शैक्षणिक वर्ष 2018-19 के दौरान, सीओईपीपीजी ने एशिया व प्रशांत संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक आयोग (ईएससीएपी) के साथ हाथ मिलाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी व्यस्तता बढ़ाई, जो एशिया-प्रशांत की संयुक्त राष्ट्र की क्षेत्रीय विकास शाखा है। सीओईपीपीजी के विशेषज्ञ एशिया-प्रशांत सूचना सुपरहाइववे (एपीआईएस) पर विचार-विमर्श की एक श्रृंखला में शामिल हुए- इस क्षेत्र में अंतर्निहित इंटरनेट अवसंरचना को सशक्त करके एशिया और प्रशांत क्षेत्र में ब्रॉडबैंड इंटरनेट की उपलब्धता और सामर्थ्य बढ़ाने के लिए एक प्रमुख पहल है। आंचलिक शैक्षिक समुदाय से सहयोगात्मक ज्ञान स्रोतों को जनित करके इसकी भविष्य-दृष्टि व लक्ष्यों की प्राप्ति में यू एन एस सी ए पी को इनपुट प्रदान करने व एपी-आईएस पहल को समर्थन करने शैक्षिक समुदाय हेतु प्लेटफार्म के रूप में एशिया-प्रशांत शैक्षिक नेटवर्क स्थापित करने का सीओईपीपीजी के प्रस्ताव पर ढाका में 1-2 नवंबर 2017 को एशिया-पैसिफिक इन्फोर्मेशन सुपरहाइवे (एपी-आईएस) संचालन समिति के प्रथम सत्र में आयोजित हुई। रणनीति ज्ञान, अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण इनपुट के रूप में इसका योगदान रहे और एपी-आईएस विजन और लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक सक्रिय शाखा रहे। इस प्रस्ताव को यूएनईएससीएपी के सदस्य-राज्यों के प्रतिनिधियों ने बहुत सराहा और इसके अलावा इसकी चर्चा बैंकाक, थाईलैंड में 27-18 अगस्त, 2018 को एशिया-पैसिफिक इंफॉर्मेशन सुपरहाइव (एपी-आईएस) संचालन समिति और डब्ल्युएसआईएस की क्षेत्रीय समीक्षा के दूसरे सत्र में हुई। यह परिकल्पना की गई है कि सीओईपीपीजी अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों जैसे रूसी अकादमी, दक्षिण प्रशांत विश्वविद्यालय और संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय के समर्थन से एकेडेमिया नेटवर्क स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

एशिया-पैसिफिक इंफॉर्मेशन सुपरहाइवे (एपी-आईएस) वर्किंग पेपर्स एशिया-पैसिफिक इंफॉर्मेशन सुपरहाइववे (एपी-आईएस) के विकास और समावेशी विकास के समर्थन में क्षेत्रीय रुझानों और चुनौतियों पर नीति-प्रासंगिक विश्लेषण प्रदान करते हैं। इस संबंध में एक आधार-पत्र भारतीय प्रबंधन संस्थान, काशीपुर, भारत में लोक नीति और सरकार में उत्कृष्टता केंद्र के प्रोफेसर के एम बहारुल इस्लाम द्वारा तैयार किया गया था। इसे एशिया-प्रशांत सूचना सुपरहाइवे पर संचालन समिति के दूसरे सत्र में 27 से 31 अगस्त 2018 को यूएनसीसी, बैंकॉक, थाईलैंड में प्रस्तुत किया गया था।

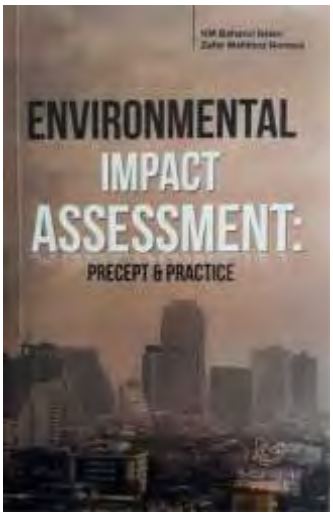

इस केंद्र ने भारत सरकार के कानून मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित ''दीवानी मुकद्दमा लंबित को कम करने हेतु अधीनस्थ न्यायालयों और सुझाव नीति/प्रक्रियात्मक परिवर्तनों हेतु निष्पादन संकेतक'' विषयी प्रमुख परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया। जून 2018 में कानून मंत्रालय द्वारा अंततोगत्वा स्वीकृत इस केंद्र द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की गई। कानून मंत्रालय ने अब ''जारी कानूनी शिक्षा में वैश्विक प्रथाएं: अधिवक्ताओं के व्यावसायिक विकास हेतु उभरते मंच'' विषयी एक नई परियोजना को मंजूरी दी है।

2018-19 के दौरान, सीओईपीपीजी ने आईआईएम काशीपुर ज्ञान-श्रृंखला के तहत पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकनः सिद्धांत एवं व्यवहार विषय पर एक पुस्तक के साथ अपने प्रकाशनों को जारी रखा, जिसे मैनकिन प्रेस ने प्रकाशित किया था। पुस्तक प्रोफेसर बहारुल इस्लाम एवं प्रोफेसर एम.एम. नोमानी विधि संकाय, एएमयू, अलीगढ़ ने संयुक्त रूप से संपादित की है। यह भारतीय पर्यावरण योजना और शासन के लिए उपयुक्त सैद्धांतिक व्यावहारिक प्रबंधकीय और कानूनी पहलुओं से संबंधित है। पुस्तक पर्यावरणीय योजनाकारों की मांगों के साथ-साथ तकनीकी विश्वविद्यालयों, कानूनी और पर्यावरणीय निकायों की आवश्यकताओं की पूर्ति दोनों के लिए दक्ष विस्तार से वाद-विवादीय मुद्दों से संबंधित है। पुस्तक में असीम पाठ्य और संदर्भपरक उपयोगिताएं हैं। पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन न केवल सतत विकास के लिए एक उपकरण माना जाता है, बल्कि पारिस्थितिकी तंत्र शासन के लिए न्यायसंगत शासन के निर्माण का एक आभासी वचन है। पुस्तक को औपचारिक रूप से संस्थान के 7वें वार्षिक दीक्षांत समारोह से पहले 27 मार्च 2018 को शासी मण्डल के अध्यक्ष, श्री ध्रुव एम साहनी द्वारा लाकार्पण किया गया था।

सीओईपीपीजी ने 2018-19 के दौरान आवास कक्षों व व्यवसाय स्कूलों में लिंग असमानताः भारत एवं कनाडा से प्राप्त शिक्षा व उद्योग में मुद्दे विषय पर अपने अनुसंधान परियोजना हेतु प्रतिष्ठित शास्त्री संस्थानीय सहयोगात्मक शोध निधि प्राप्त की। इस परियोजना का नेतृत्व टेड रोजर्स स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, टोरंटो, कनाडा के प्रोफेसर रुपा बनर्जी के सहयोग से बहरूल इस्लाम करेंगे। भारत व कनाडा में शीर्ष प्रबंधन स्कूलों में महिला विद्यार्थियों के नामांकन में प्रवृत्ति समझना, जैसा कि स्टेकहोल्डरों के माध्यम से देखा गया है प्रबंधन कक्षाओं में लिंग असमानता की कमी संबंधी चुनौतियां व मुद्दों की जांच करना, उद्योग के सर्वेक्षण के माध्यम से शीर्ष प्रबंधन भूमिकाओं में महिलाओं के प्रति दोनों देशों में कारपोरेट क्षेत्र का रवैया व जवाब समझना, महिला, कारपोरेट प्रबंधन एवं उच्चतर शिक्षा के संदर्भ में भारत व कनाडा सरकारों की तमाम लिंग संबंधी नीतियों की समीक्षा का जिम्मा लेना, शीर्ष प्रबंधन में महिलाओं की संख्या वृद्धि करने को सरकारों, शैक्षिक प्रशासकों एवं कारपोरेट सेक्टर के विचारार्थ

Smt Meenakshi Gupta, Member-Secretary of National Commission for Women speaking at the Seminar

विशिष्ट नीति संस्तुत करना इस परियोजना का लक्ष्य है। शास्त्री ईन्डो-केनेडीयन संस्थान द्वारा वित्त पोषित भारत-कनाडा सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना के तहत, भारत के अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान 5 अप्रैल 2019 को लिंग विविधता पर एक विशेष सत्र आयोजित किया गया था। अनुसंधान विद्वानों और शिक्षाविदों, उद्योग और प्रबंधन फर्मों के लोगों के लिए 17 मार्च 2019 को, एक शोध पद्धति कार्यशाला आयोजित की गई थी। कार्यशाला लिंग से संबंधित क्षेत्रों में नवीनतम अनुसंधान विधियों में परखी गई जो उन विद्वानों को मूल-कारणों और तंत्रों की पहचान करने में मदद कर सकती हैं जिनसे लिंग रूढ़िबद्ध धारणाएं उत्पन्न होती हैं और बरकरार रहती हैं, साथ-साथ लिंग रूढ़िबद्ध धारणाएं वापस लेने के तरीकों को सुझावित कर रही हैं।

सीओईपीपीजी ने 18 मार्च 2019 को परिसर स्थापन में लिंग रूढ़िबद्ध धारणा : शिक्षा-जगत उद्योग परिदृश्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, आयोजित की। संगोष्ठी को राष्ट्रीय महिला आयोग, नई दिल्ली ने प्रायोजित किया गया था। व्यावसायिक संस्थानों में कैरियर काउंसलिंग, कैरियर विकल्पों और स्थापन प्रक्रियाओं में लिंग अंतर और लिंग रूढ़िबद्ध धारणा की पृष्ठभूमि के खिलाफ, इस संगोष्ठी ने एक अकादमिक-उद्योग के दृष्टिकोण से लिंग रूढ़िबद्ध धारणा के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया। छात्रों, कॉरपोरेट वर्कर्स, रिसर्च स्कॉलर्स, टेक्निकल और मैनेजमेंट रिक्रूटर्स आदि द्वारा कई शोध-पत्र प्रस्तुत किए गए, इन संस्थानों के स्नातकों के करियर की प्राथमिकता जैसे विषयों को अभिमुख किया गया और ऐसी लिंग रूढ़िबद्ध धारणा को कम करने के तरीके सुझाए गए। श्रीमती चंद्रमुखी देवी, राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की माननीय सदस्या और एनसीडब्ल्यू की सदस्य-सचिव श्रीमती मीनाक्षी गुप्ता इस समारोह में सम्मानित अतिथियों के रूप में उपस्थित हुईं।

सीओईपीपीजी वर्तमान में आईसीएसएसआर वित्त पोषित परियोजना नामतः भारत में महिलाओं के प्रति डाइनों की खोज हिंसा : सामाजिक-विधिक नीति संस्तुति व अनुक्रिया अध्ययन में सम्मिलित हैं। यह राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो और 2001 से उपलब्ध आंकड़ों पर आधारित है, जिसमें चुड़ैल के शिकार के कारण 2500 से अधिक मौतों का खुलासा हुआ है। इस परियोजना का उद्देश्य ऐसी बुरी सामाजिक प्रथा को सामने लाना है और प्रभावित क्षेत्रों में इस प्रथा को रोकने के लिए नीतिगत सिफारिशों को लागू करना है। परियोजना का उद्देश्य सुदूर पूर्वी इलाकों में जागरूकता पैदा करना और तकनीकी रूप से ऐसी जगहों को सुसज्जित करना है ताकि सामुदायिक संपर्क बनाया जा सके। इस मुद्दे पर एक अकादमिक अंत-दृष्टि विषय के अनुभवजन्य और सैद्धांतिक आयामों को बढ़ाने में मदद करेगी, सरकार और नीति निर्माताओं को चुड़ैल शिकार नामक एक अन्यथा उपेक्षित और चुप सामाजिक द्वेष में कदम उठाने में मदद करेगी।

आईआईएम काशीपुर वित्तपोषित/ई-सेल

परिचय

वर्ष 2018-19 आईआईएम काशीपुर एफआईईडी के लिए महत्वपूर्ण रहा। उत्तराखंड में एक उद्यमशीलता पारिस्थितिक तंत्र को संजोने के लिए साल भर बहुत-सी गतिविधियाँ आयोजित की गईं। उत्तिष्ठ' 18 (वार्षिक उद्यमिता शिखर सम्मेलन), राष्ट्रीय व्यवसाय योजना प्रतियोगिता, उद्यमिता अधिवेशन, विभिन्न स्रोतों से वित्त पोषण, और एफआईईडी अवसंरचना के विकास कुछ प्रमुख विषय थे। कृषि क्षेत्र में उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए एफआईईडी ने अपनी आरकेवीवाई-आरएएफटीएएआर योजना के तहत कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय से अनुमोदित अपनी प्रथम वित्त पोषण सहायता प्राप्त की। आईआईएम काशीपुर ने एफआईईडी को एक सुंदर कार्यालय स्थान प्रदान किया, जिसे अंतः-प्रेरणा सत्र और स्टार्ट-अप अधिवेशन के लिए विकसित किया गया था। एफआईईडी ने आईआईएम काशीपुर के अन्य आधारभूत संरचना जैसे कक्षाएं, सम्मेलन कक्षों आदि का भी उपयोग किया।

आरएबीआई परियोजना

भारत सरकार ने अपने कायाकल्प किए गए प्रमुख कार्यक्रमों के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी और व्यवसाय विकास पारिस्थितिक तंत्र के कायाकल्प करने का प्रयास किया है। संशोधित योजना आरकेवीवाई-आरएएफटीएएआर के तहत एक नया घटक राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय (एमओए एवं एफडब्ल्यू) भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसका उद्देश्य वित्तीय सहायता प्रदान करके कृषि और कृषि व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है। ऊष्मायन पारिस्थितिक तंत्र का पोषण, नवंबर 2018 में, कृषि क्षेत्र में 40 स्टार्ट-अप को अंजाम देने की इस मेगा परियोजना को निष्पादित करने के लिए एफआईईडी को देश के 25 आरएबीआई में से एक के रूप में चुना गया था। मार्च 2019 में, परियोजना के निष्पादन के लिए मंत्रालय से एफआईईडी को 133 लाख रुपये का वित्तपोषण हुआ।

उत्तिष्ठ (वार्षिक उद्यमिता शिखर सम्मेलन)

एफआईईडी के सहयोग से, ई-प्रकोष्ठ आईआईएम काशीपुर ने 6 अक्टूबर 2018 को, अपने प्रमुख उद्यमशीलता कार्यक्रम, उत्तिष्ठ 18 का आयोजन किया। इस वर्ष के आयोजन का विषय ''विघटन का एक दशक-भावी अवसर'' था। इस विषय पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई और इस कार्यक्रम के सम्मानित अतिथियों ने चर्चा की कि कैसे नवोदित उद्यमी नेटवर्क प्रभाव का लाभ उठा सकते हैं और मूल्यवान व्यवसाय सृजित कर सकते हैं। इस आयोजन का एक और मुख्य आकर्षण पूरे भारत के मुख्य वक्ता थे, जिन्होंने सफल साहसिक कार्य स्थापित किए थे। उन्होंने अपने सफर और एक सफल उद्यमी बनने के रास्ते में आने वाली समस्याओं पर मूल्यवान अंतर्दृष्टि साझा की।

राष्ट्रीय व्यवसाय-योजना प्रतियोगिता राष्ट्रीय स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एक अखिल भारतीय व्यवसाय योजना प्रतियोगिता आयोजित की। इस प्रतियोगिता के लिए, हम उत्तराखंड में 30 से अधिक क लेजों और भारत भर में 120 से अधिक कॉलेजों में प्रभावित हो सके। कॉलेज/विश्वविद्यालय के छात्रों में आईआईएम काशीपुर ब्रांड की विद्यमानता बरकरार रखने के लिए, एफआईईडी ने परिसर राजदूत कार्यक्रम प्रारंभ किया। हमने 18 परिसर राजदूतों की भर्ती की, जिन्होंने अपने-अपने क लेजों में उत्तिष्ठ 18 कार्यक्रमों को लगातार समृद्ध किया और अद्यतित किया। हमें प्रतिस्पर्धा प्लेटफार्म के माध्यम से योजना-ख प्रतियोगिता के लिए 150 से ज्यादा पंजीकरण प्राप्त हुए, जिनमें से 20 प्रतिभागियों को चयनित किया गया। प्रतिभागियों ने अपने विचारों को निर्णायकों व निवेशकों के पैनल में रखा।

अनौपचारिक उद्यमिता अधिवेशन आईआईएम काशीपुर के परिसर के बाहर उद्यमिता को बढ़ावा देने और योगदान देने के अलावा, एफआईईडी ने हमारे अपने छात्रों के लिए भी कार्यक्रम आयोजित किए। इन बैठकों का उद्देश्य छात्रों के उद्यमशीलता संबंधी विचारों पर चर्चा करना था, ताकि उन्हें अपने शुरुआती सपनों को आगे बढ़ाने की दिशा मिल सके। इन कार्यक्रमों ने संस्थान में आस्थगित नियुक्ति नीति में तेजी लाने के हमारे प्रयासों को भी प्रभावित किया।

"नवाशय" डिजाइन नवाचार केंद्र

परिचय

डिजायन नवाचार केंद्र को प्रारंभ करने हेतु राष्ट्रीय पहल के तहत मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा बीस डीआईसी में से एक डिजाइन नवाचार सेंटर (डीआईसी) 'नवाशय' देश में स्थापित किया जा रहा है। केंद्र का लक्ष्य मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम हिमालयी क्षेत्र और अन्य राष्ट्रीय प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की समस्याओं को दूर करके संस्थान में डिजाइन और नवाचार संस्कृति विकसित करना है। यह तीन साझेदार संस्थानों (हब) - भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की (आईआईटी रुड़की), (आरा) - राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखंड (एनआईटीयूके) और जी बी पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की विद्यमानता में समन्वय करता है।

नवाशय; नवाचार गतिविधियों को आरंभ करने और सहायता करने और देश में नवाचार के लिए एक उत्प्रेरक और सुविधा के रूप में कार्य करने के लिए पारस्परिक रूप से लाभप्रद संबंधों को बनाने के लिए अपने भागीदारों को सुविधा प्रदान करता है। इसका प्राथमिक उद्देश्य एक पारिस्थितिक तंत्र स्थापित करना है जो विभिन्न हितधारकों को प्रशिक्षण और समर्थन सहित नवाचार प्रक्रिया के सभी दृष्टिकोणों से जोड़ता व सुविधा प्रदान करता है। नवाचार को बढ़ावा देने के लिए, क्लस्टर को लाभ देने वाले विभिन्न प्रोत्साहनों को प्रसारित करते हुए, डीआईसी इस पारिस्थितिक तंत्र में नवाचार के विकास का प्रबंधन करने वाले एक ऊष्मायन निकाय के रूप में कार्य करता है।

नवाशय; नवोन्मेषी अनुप्रयोगों में विचारों के विकास को सुविधाजनक बनाने और मार्गदर्शन करने के लिए नवाचार गतिविधियों के लिए एक मंच है जो समाज को सीधे लाभ पहुंचा सकता है या सफलतापूर्वक विपणन किया जा सकता है।

स्थापना के बाद से, डिजाइन इनोवेशन सेंटर, आईआईएम काशीपुर ने वर्ष 2018-19 में नवाचार को सफलतापूर्वक बढ़ावा दिया है। समाज के हर क्षेत्र में ज्ञान का प्रसार करके नवाचार, डिजाइन सोच और रचनात्मक समस्या को सुलझाने की संस्कृति विकसित कर रहा है। उत्तर-पश्चिम हिमालयी क्षेत्र और अन्य राष्ट्रीय प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की समस्याओं को दूर करने के लिए नवाचार की होड़ को बढ़ावा देने के लिए कई गतिविधियाँ (कार्यशालाएँ/शिखर सम्मेलन) आयोजित की गई हैं।

डीआईसी मॉडल

दृष्टि-क्षेत्र (विजन)

1. समाज के हर क्षेत्र में ज्ञान का प्रसार करके नवाचार, डिजाइन सोच और रचनात्मक समस्या निवारण की संस्कृति विकसित करना।

डीआईसी संरचना

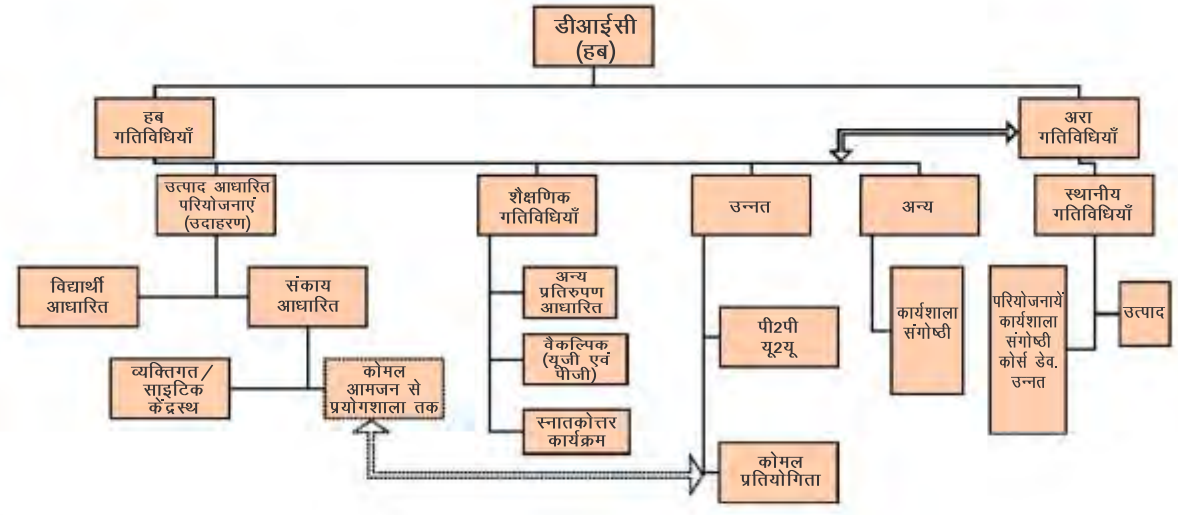

•

1. भू–भागों हेतु फसल काटने की मशीन
2. मानव यंत्र फसल कटाई मशीन की डिजाइन
3. वन अपशिष्ट सामग्री पर आधारित हरित फर्नीचर का परिवर्धन
4. उत्तराखंड स्थानीय बुनकरों हेतु उच्च उत्पादन करघा डिजाइन

••

1. पर्वतीय भू–भाग हेतु बहु–उपयोगी वाहक का परिवर्धन
2. प्राकृतिक रेशा आधारित जैवअपक्षीणीय यौगिकों का परिवर्धन

उद्देश्य

- विषय के रूप में डिजाइन नवाचार का संवर्धन करना।
- नवाचार और रचनात्मक समस्या समाधान की संस्कृति संवर्धन करना।
- कृषि, स्वास्थ्य देखभाल, जल संचयन, फसल सुरक्षा आदि जैसे कथ्यपरक क्षेत्रों में नवाचारों हेतु संस्थागत नेटवर्क विकसित करने के अभिनव मॉडल का उद्भव सुसाध्य बनाना और अकादमिक-उद्योग साथ-साथ अकादमिक-सामाजिक परस्पर संबंध।
- कक्षाओं से प्रयोगशालाओं, प्रयोगशालाओं से बाजार तक छात्रों और संकायों की सुविधा के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र उनके नवीन विचारों को ले जाने के लिए स्थापित करना।
- उद्योग, शिक्षा, सरकारी संस्थानों, अनुसंधान प्रयोगशालाओं आदि के मध्य ज्ञान के आदान-प्रदान और सहयोग को उन्नत करना।

कार्यक्रम

केंद्र ने कुछ अभिनव उन्नत कार्यक्रम प्रस्तावित किए हैं:

हेल्प-हिमालयी शिक्षा पांडित्य कार्यक्रम

अगली पीढ़ी के इंजीनियरों, डिजाइनरों और प्रबंधकों को प्रोत्साहित करने के लिए, 'नवाशय' ने वास्तविक जीवन के अनुभवों के माध्यम से अपने डिजाइन विवेकी ज्ञान को समृद्ध करने के लिए किसी भी शैक्षणिक संस्थान हेतु हेल्प का श्रीगणेश किया है। चाहे वह अतिथि वक्ताओं की आवश्यकता हो या छात्रों के लिए यह देखने का अवसर कि इंजीनियरी, कृषि, प्रबंधन, अर्थशास्त्र आदि के दैनिक कार्यों में क्या होता है, हम यहां अपने संसाधनों की पेशकश करते हैं।

हम हिमालयी उन्नत मूवमेंट

हिमालयी क्षेत्र के तहत विकास के लिए किए गए अविश्वसनीय काम का समर्थन करने के लिए 'नवाशय' ने इंजीनियरिंग/प्रबंधन और डिजाइन सेवाएं प्रदान करने के लिए नए स्टार्टअप के लिए सहायता कार्यक्रम शुरू किया है। स्टार्ट-अप विकास के शुरुआती चरणों के दौरान, हम समझते हैं कि शीर्ष स्तरीय प्रबंधन और डिजाइन सेवाओं के लिए संभव पहुँच प्राप्त करना कितना मुश्किल है। इसीलिए यह कार्यक्रम उद्यमियों को विचार-मंथन, डिजाइन सृजित करने/लेखन वृत्त रिपोर्ट/ प्रबंधन कौशल के विकास में मदद करेगा।

हिल-धरा से प्रयोगशाला तक हिमालयी नवाचार

स्थानीय लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए 'नवाशय' ने 'हिल' योजना के तहत अभिनव उत्पादों को विकसित करने के लिए समाज में आम आदमी को प्रोत्साहित किया। इस योजना में, किसी भी सामान्य व्यक्ति का उसके/उसकी अभिनव विचार/डिजाइन के साथ यदि कोई हो। डीआईसी के पास प्रस्ताव देने का स्वागत है, यदि विश्वसनीय पाया जाता है, तो उसे बाजार सर्वेक्षण/मामले के विकास/रणनीति की योजना के लिए डीआईसी आईआईएम काशीपुर के लिए विचार/डिजाइन लाने के लिए संबंधित क्षेत्र में एक संकाय सदस्य के मार्गदर्शन में प्रोत्साहित किया जाएगा।

सुविधाएं

संस्थान में सुविधाओं की प्रशंसा करने के लिए स्पोक और हब के साथ साझेदारी में अत्याधुनिक प्रयोगशाला और निर्माण सुविधाएं विकसित की जाती हैं। यह उत्पाद विकास में शामिल प्रयोक्ताओं की जरूरतों को पूरा करेगा। डिजाइन निर्माण और नवाचार के लिए कार्य स्टेशन स्थापित किए गए हैं।

- **खोजनालय**

  यह अभिनव अवधारणा नियमित कक्षा प्रारूप की जगह लेती है जिसमें छात्र दोहराए गए पूर्वनिर्धारित जांच करते हैं। 'डिजाइन किचन' किचन अवधारणा पर आधारित है यानी यहाँ वास्तविक विन्यास में कार्य करने के लिए सभी तत्व उपलब्ध कराए गए हैं और छात्रों को परामर्शदाताओं के मार्गदर्शन में विभिन्न समस्याओं और परियोजनाओं पर कार्य करने की स्वछंदता दी गई है।

- **रचना गली**

  यह नवाचार है दीर्घा की खोज और मुद्दों और विचारों को उजागर करती है, रचनात्मकता और शिल्प कौशल पर प्रकाश डालती है और रचनात्मक और अभिनव छात्रों द्वारा उपयोग किए जाने पर सामग्री और तकनीकों की असीम क्षमता का गुणगान करती है।

- **सृजनालय**

  यह भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर स्थित डिजाइन नवाचार केंद्र में एक अनुसंधान कैफे है, जिसे हिमालयी क्षेत्र के लिए डिजाइन और नवाचार के क्षेत्र में कार्य/अनुसंधान के स्वरूप को बेहतर प्रस्तुत करने के लिए स्थापित किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य डिजाइन सोच द्वारा नवाचार के कार्यों में श्रमप्रभावित/सौंदर्यपरक/प्रयोग करने योग्य, समझ विकसित करना है।

- **नालंदा**

  डिजाइन नवाचार केंद्र (नवाशय) पर आधारित साइबर पुस्तकालय ऐसे प्रयास हैं जो डिजाइन और नवाचार और ऑनलाइन पुस्तकालय से संबंधित विभिन्न पुस्तकें और पत्रिकाएँ हैं जहाँ डिजाइन सोच से संबंधित विभिन्न ऑनलाइन साइटों/कार्यों/नवाचारों/की मदद से शोध कार्य किया जा सकता है।

- **ज्ञान बोधि**

  'डिजाइन नवाचार केंद्र' का नॉलेज बैंक नवीनतम कार्यक्रम है जिसके तहत यदि कोई अन्य शोधकर्ता या नया अन्वेषक हो। कोई भी अपने नवीन विचारों को उन संकलित विचारों के तहत, संकलित कर सकता है जो डिजाइन और नवाचार और नवाचारी अनुसंधान से संबंधित हों। यदि आप इसें व्यवृहत होना चाहते हैं या इस पर कार्य करना चाहते हैं, तो यह आपके लिए उपयोगी होगा और उस नए विचार को प्रदान करने हेतु कार्यक्रम को उस कार्य के साथ संयुक्त कर दिया जाएगा।

- **मंथन**

  डिजाइन काउंसलिंग 'डिजाइन नवाचार केंद्र' का एक कार्यक्रम है, जिसके तहत छात्र व भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर में पढ़ने वाले छात्र और छात्राएँ डिजाइन और नवाचार से संबंध सभी भ्रांतियों को निवारण कर सकते हैं और नई खोजों और समस्याओं पर तत्काल प्रायोगिक परियोजनाओं के माध्यम से उत्तर दे सकते हैं। प्राप्ति हेतु कोई भी एक कदम बढ़ा सकता है।

- **स्वयं**

  एक स्वयंसेवी कार्यक्रम डिजाइन इनोवेटिव सेंटर (नवाशय) डीआईसी स्वयंसेवक के रूप में डिजाइन और नवाचार से संबंधित कार्यों के अकादमिक प्रसार के लिए छात्रों और भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर में अध्ययन करने वाले छात्रों और छात्रों को आमंत्रित करता है।

- **नव दीन**

  निम्नलिखित विषयों पर सत्र

सोमवार	-	कृषि
मंगलवार	-	प्रौद्योगिकी
बुधवार	-	अर्थशास्त्र
गुरुवार	-	प्रबंधन
शुक्रवार	-	आमोद-प्रमोद करो

- **प्रोत्साहन**

'नवाशय' उत्तर-पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र की चुनौतियों से निपटने के लिए आईआईएम काशीपुर, उत्तराखंड (भारत) के छात्रों के साथ कार्य करने के लिए स्कूलों/संस्थानों (स्नातक, स्नातकोत्तर) के छात्रों को आमंत्रित करता है। संतोषजनक रूप से कार्य पूर्ण करने पर, प्रति वर्ष 6 महीने की अवधि में प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे।

आईसीटी इन्फ्रास्ट्रक्चर

इंटरनेटः नेटवर्क आधार को सिंगल मोड फाइबर ऑप्टिक केबल संबद्धता के साथ प्रस्तुत किया गया है, तथा आंतरिक नेटवर्क फॉर्टिगेट व सिस्को एमई 3800 X रुटर से सुसज्जित है। शैक्षणिक ब्लॉक आंतरिक रूप से वाई-फाई और वायर्ड लैन के माध्यम से जुड़ा हुआ है। नेशनल नॉलेज नेटवर्क (एनकेएन) द्वारा प्रदत्त एक समर्पित 1 जीबीपीएस लाइन, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (पीजीसीआईएल) द्वारा प्रदत्त 400 एमबीपीएस लाइन की बैकअप लाइन और एसटीएन टेलीविजन नेटवर्क (एसटीएन) द्वारा प्रदत्त एफपीएम छात्रों के लिए 50 एमबीपीएस लाइन की तृतीय बैकअप लाइन इंटरनेट पर संसाधनों के चौबीस घंटे उपयोग का समर्थन करती है। A, B, C, D, E और F ब्लॉक, छात्रावास, संकाय निवास, शैक्षणिक ब्लॉक और खान-पान क्षेत्र इंटरनेट से 24x7 और इंट्रानेट के साथ-साथ IPBAX से जुड़ा है।

परिसर स्वछंदता अनुज्ञप्त सॉफ्टवेयर सुप्रवाही बनाने हेतु आईआईएम काशीपुर ने माइक्रोसॉफ्ट के साथ एक परिसर समझौता किया है। इसे अन्य प्रबंधकीय निर्णय लेने और विश्लेषण के साथ-साथ सांख्यिकीय और अर्थमितीय विश्लेषण हेतु भी प्रयुक्त किया जा रहा है। ईमेल सेवाओं के लिए शिक्षा के लिए जी सूट प्रयुक्त हो रहा है।

सर्वरः आवश्यक उपकरणों सहित दो टॉवर सर्वर और पांच रैक सर्वर विभिन्न प्रकार की सर्वर आवश्यकताओं की मेजबानी करते हैं। सर्वरों में माइक्रोसॉफ्ट विंडोज सर्वर 2012 R2 और उबंटु सर्वर हैं। विंडोज सर्वर पर लिब्सिस स्थापित है। स्टैटा स्टैस्टिकल सॉफ्टवेयर स्थापित किया गया है और इसका उपयोग इकनोमेट्रिक्स मॉडल के आकलन के लिए किया जाता है। प्रयोक्ता वीपीएन के माध्यम से परिसर के बाहर पुस्तकालय डेटाबेस तक पहुंच सकता है। विक्टोरिया विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया से अनुज्ञप्त प्राप्त एसएपी का उपयोग छात्रों को ईआरपी प्रस्तुत कराने के लिए किया जा रहा है।

कंप्यूटर प्रयोगशालाः संस्थान लैन से नेटवर्क प्रिंटर के माध्यम से जुडे माइक्रोसॉफ्ट व्यवसायिक सॉफ्टवेयर सहित माइक्रोसॉफ्ट विंडोज 10 ऑपरेटिंग सिस्टम के साथ एक ही पीसी में बारह से सुसज्जित है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंगः दूरस्थ स्थानों पर व्यक्तियों/कंपनियों के साथ स्थापन संबंधी गतिविधि, साक्षात्कार और बातचीत को आईपी नेटवर्क का उपयोग करके उच्च-विभेदन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुविधाजनक बनाया जाता है।

क्लासरूमः बढ़ते कक्षा अनुभव हेतु कक्षाएं कलात्मक रूप से डिजाइन की गई हैं तथा उच्च-तीव्रता बेतार इंटरनेट संबद्धता एवं उच्च-निर्धारण प्रक्षेपकों से सुसज्जित हैं। इसके अलावा A1, A2, B1, B3, C1, C3, D1, D2, E1 और E2 कक्षाओं तक वाई-फाई और एवी प्रणालियों की सुविधाएं विस्तृत हुई हैं। बायोमेट्रिक सिस्टम का उपयोग छात्र की उपस्थिति के लिए किया जाता है।

ब्लूमबर्ग प्रयोगशालाः ब्लूमबर्ग L-P के सहयोग से आईआईएम काशीपुर में अपने परिसर में 12 ब्लूमबर्ग टर्मिनल हैं। ये टर्मिनल छात्रों को वास्तविक समय के वित्तीय बाजार आंकड़ा प्रवृत्तियों को मॉनीटर एवं की विश्लेषित करने में सक्षम बनाते हैं और दुनिया भर के उद्योगों और अर्थव्यवस्थाओं के बारे में ज्ञान प्रदान करते हैं।

आईटी संसाधन आँकड़ा आधारः गार्टनर सर्विसेज, डब्ल्यूएआरसी ऑनलाइन, ब्लूमबर्ग टर्मिनल।

सॉफ्टवेयरः एसएपी, एसपीएसएस, टर्निटिन, एनवीवो, माइक्रोसॉफ्ट लाइसेंस, स्टाटा, ओरेकल, मैक्सक्यूडीए, ई-व्यूज़, लिंगो सुपर, एनएलओजीआईटी, एडोबी सूट।

सॉफ्टवेयर एवं सुरक्षाः संस्थान परिसर में लगभग 800 प्राध्यापक-वर्ग/कर्मचारीवृंदों/छात्रों की आईटी आवश्यकताओं को संभाला।

लाइब्रेरी

आईआईएम काशीपुर पुस्तकालय प्रबंधन एवं संबद्ध विषयों के समस्त क्षेत्रों में सूचना संसाधनों तक पैठ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। पुस्तकालय संस्थान की शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों का निर्वाह करने के लिए अपने लक्ष्य को पूर्ण करने हेतु एक उत्कृष्ट शिक्षण संसाधन केंद्र के रूप में उभर रहा है।

संसाधन नवीनतम प्रबंधन पुस्तकों, पत्रिकाओं, जर्नल्स और आंकड़ा आधारों से आंकड़ा आधार तक हैं। पुस्तकों, जर्नलों, आधार पत्रों आदि के उत्कृष्ट मुद्रित संग्रहण रखने के अलावा, पुस्तकालय की त्वरित और प्रभावी सेवाएं व्यवसाय प्रबंधन के क्षेत्र में सर्वोत्तम के तुल्य हैं। पुस्तकालय शैक्षणिक समाज की बदलती जरूरतों के अनुरूप भी है और ई-बुक्स, ई-जर्नल्स और आंकड़ा आधारों इत्यादि जैसे इलेक्ट्रॉनिक संसाधन इसने अर्जित कर लिए हैं।

लाइब्रेरी डीईएलएनईटी विकसित का एक संस्थानीय सदस्य और ई-शोध सिंधु उच्च शिक्षा इलेक्ट्रॉनिक संघ का लाभार्थी सदस्य है।

इसकी वेबसाइट http://www-iimkashipur-ac-in/library/about-us ने विभिन्न ऑनलाइन आंकड़ा आधारों से जुड़ी है जो पुस्तकालय और संस्थान के अंदर किसी भी नेटवर्कयुक्त कंप्यूटर प्रणाली से उपलब्ध हैं।

पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं को नवीनतम विद्वानों की जानकारी प्रदान करने के लिए कई कंपनी और उद्योग आंकड़ा आधार, ग्रंथ-सूची आंकड़ा आधार और ई-पत्रिकाओं को अंशदान करता है।

उपलब्ध कंपनी/उद्योग/देशी आंकड़ा आधार सीएमआईई-ईआईएस, आईएएस, प्रोवेस फ्रॉस्ट एंड सुलिवन, गार्टनर, Indiastat-com, MIMI (MICA), SCC ऑनलाइन हैं।

उपलब्ध ई-जर्नल आंकड़ा आधार एबीआई/इम्फॉर्म, एनुअल रिव्यूज, क्रिसिल ईबीएससीओ बिजनेस सोर्स अल्टीमेट, ईपीडब्ल्युआरएफ इंडिया टाइम सीरीज, एल्सवियर (साइंस डायरेक्ट), एमराल्ड मैनेजमेंट, यूरोम निटर (पासपोर्ट) इंफॉर्मेशन, जेएसटीओआर, ऑक्सफोर्ड ऑनलाइन जर्नल्स, सेज ह्यूमैनिटीज एंड सोशल विज्ञान कलेक्शन, टेलर एवं फ्रांसिस, विली ऑनलाइन जर्नल हैं।

उपलब्ध ई-पुस्तकें ऑक्सफोर्ड (प्रबंधन पर पुस्तिका), सेज (व्यवसाय एवं प्रबंधन संग्रहण) और स्प्रिंगर (2008 कॉपीराइट वर्ष से व्यवसाय एवं प्रबंधन संग्रहण) से हैं।

पत्रिकाएं और समाचार पत्र जैसे कि इकॉनोमिक और पॉलिटिकल वीकली (सभी मॉड्यूल) और समाचार पत्र डायरेक्ट अंशदान किए गए हैं। साथ ही, आंतरिक उपयोगकर्ताओं के लिए ईबीएससीओ डिस्कवरी और रिमोट लॉगिन जैसे विशेष प्रयोजन सॉफ्टवेयर भी हैं।

पुस्तकालय द्वारा प्रसार सामयिक ज्ञान सेवा, आंकड़ा आधार अन्वेषण सेवा, दस्तावेज सुपुर्दगी, अंतः पुस्तकालय ऋण, मेल अलर्ट सर्विस, डॉक्यूमेंट डिलीवरी, इंटर-लाइब्रेरी लोन, मेल अलर्ट सर्विस, ऑनलाइन जन पैठ सूची-पत्र (वेब ओपैक), अभिविन्यास कार्यक्रम, फोटोकॉपी, पठन सुविधा संदर्भ और सूचना, अनुसंधान सहायता और क्रमवीक्षण बहुमूल्य सेवाएं प्रदान की जाती हैं।

पुस्तकालय में 15000 से अधिक पुस्तकों का संग्रह है, जिसमें ई-पुस्तकें, 27 मुद्रित पत्रिकाएं, 16 पत्रिकाएं, 11 समाचार पत्र, और कई अन्य संसाधन जैसे ऑनलाइन कॉर्पोरेट आंकड़ा आधार, जर्नल आंकड़ा आधार, कानूनी और अन्य ऑनलाइन आंकड़ा आधार सहित हैं। यह पीजीपी ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण परियोजना रिपोर्ट और सीआईएस शोध-प्रबंधों के लेखों को भी संगृहित करता है।

अंतर्राष्ट्रीय संबंध

सहयोग और आदान-प्रदान

शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्रों में पारस्परिक सहायता के माध्यम से शैक्षणिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों को विकसित करने के लिए, आईआईएम काशीपुर अपने अनवरत बढ़ते भागीदार संस्थानों के साथ अपने सहयोगशील संबंधों को सदृढ़ किये है। समझौता ज्ञापन में आईआईएम काशीपुर और उसके सम्मानित भागीदारों ने निम्नांकित निर्णय लिया:

- उनके संस्थानों में प्रस्तावित कार्यक्रमों सहित क्षेत्रों में सहयोग करें
- निम्नलिखित गतिविधियों की व्यावसायिक शिक्षा से संबंधित गतिविधियों या कार्यक्रमों में:
  - ❖ छात्रों का अल्पवधि विनिमयय
  - ❖ संकाय का आदान-प्रदान तथा
  - ❖ संयुक्त अनुसंधान गतिविधियों का विकास

2018 के बाद से, अब तक हमने निम्नलिखित संस्थानों के साथ सहयोग किया है:

- टेलअवीव विश्वविद्यालय, इजराइल
- वूसॉन्ग विश्वविद्यालय, दक्षिण कोरिया
- सलूफोर्ड यूनिवर्सिटी, यूनाइटेड किंगडम
- लिनियस यूनिवर्सिटी, स्वीडन

उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए, वर्तमान में आईआईएम काशीपुर में दस अंतर्राष्ट्रीय सहयोग हैं।

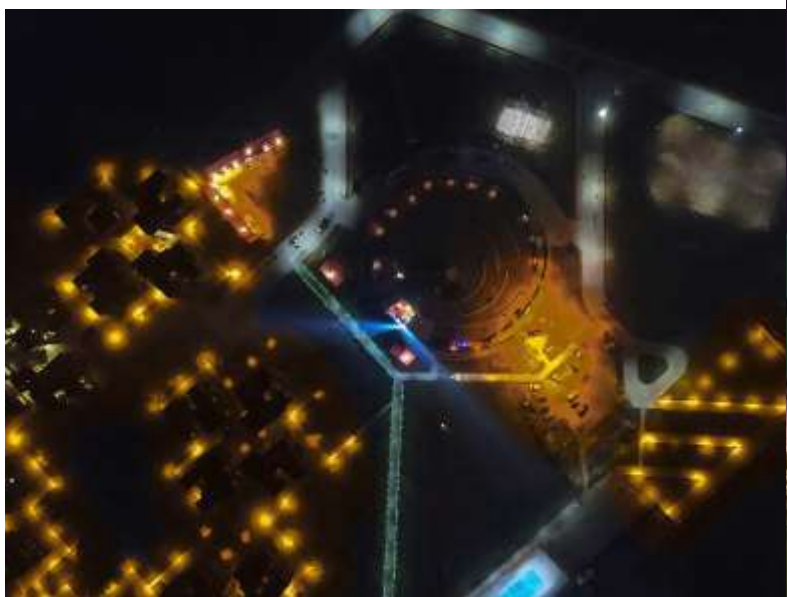

संकाय और अकादमी

27 संकाय सदस्य, और 12 शैक्षणिक सहयोगी और 1 वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता विभिन्न क्षेत्रों, केंद्रों और परियोजनाओं में काम कर रहे हैं।

संकाय (प्राध्यापक वर्ग)

निदेशक अध्यक्ष	प्रो. कुलभूषण बलूनी प्रो. के.एम. बहरुल इस्लाम
मानव संसाधन एवं संघटनात्मक आचरण • राकेश कुमार अग्रवाल, सह आचार्य • देवजनी चटर्जी, सहायक आचार्य • एवी रामन, सहायक आचार्य • मृदुल माहेश्वरी, सहायक आचार्य	**लेखा एवं वित्त** • के एन बधाणी, आचार्य • कुणाल, सहायक आचार्य • आशीष कुमार, सहायक आचार्य • दिलीप कुमार, सहायक आचार्य
सूचना प्रौद्योगिकी • मयंक शर्मा, सहायक आचार्य • के. वेंकटराघवन, सहायक आचार्य	**अर्थशास्त्र** • कुलभूषण बलूनी, आचार्य • अभ्र दीप मैती, सहायक आचार्य • अतुलन गुहा, सहायक आचार्य • वैभव भमौरिया, सहायक आचार्य
परिचालन प्रबंधन एवं संकल्प विज्ञान • कंपन मुखर्जी, आचार्य • कुणाल के गांगुली, सह-आचार्य • आर के पाढ़ी, सहायक आचार्य • नितिन सिंह, सह-आचार्य • देबब्रत दास, सहायक आचार्य • सब्यसाची पात्रा, सहायक आचार्य	**विपणन** • माला श्रीवास्तव, आचार्य • सोमनाथ चक्रबर्ती, सहायक आचार्य • मधुरिमा देब, सहायक आचार्य • कुमकुम भारती, सहायक आचार्य
संप्रेक्षण • के एम बहरुल इस्लाम, आचार्य • स्मारक समरजीत, सहायक आचार्य	**रचना कौशल/कार्यनीति** • सफल बत्रा, सहायक आचार्य • विवेक कुमार, सहायक आचार्य

अभ्यागत संकाय विवरण 2018-19

क्रमांक	पाठ्यक्रम का नाम	संकाय (प्राध्यापक-वर्ग)	शिक्षा
1	निवेश प्रबंधन	प्रो. सी पी गुप्ता	डॉ. गुप्ता वर्तमान में वित्तीय अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर हैं तथा वाणिज्य एवं व्यवसाय विभागाध्यक्ष व संकायाध्यक्ष, दिल्ली विश्वविद्यालय में थे। वह वाणिज्य विभाग, दिल्ली अर्थशास्त्र स्कूल, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में एम.कॉम, एम.फिल (वित्त) व विद्या वाचस्पति (वित्त) हैं।
2	उपभोक्ता आचरण	प्रो. विनीत श्रीवास्तव	➢ विद्या-वाचस्पति (पी-एच.डी.) गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ, विश्वविद्यालय, दिल्ली, 2016 ➢ एमबीए (विपणन) गुरुकुल कांगड़ी, विश्वविद्यालय, देहरादून, 1999 ➢ वाद्य संगीत-शास्त्र में डिग्री, दिल्ली विश्वविद्यालय, 1997
3	बी2बी विपणन	प्रो. शरद सरीन	प्रोफेसर एक्सएलआरआई, पीजीडीबीए, एमबीए, आईआईएम, अहमदाबाद
4	मानव संसाधन	प्रो. रघु पंत	पीजीडीबीएम, एमडीआई, गुरुग्राम
5	नूतन उद्यम प्रबंधक	प्रो. दीपक जैन	पीजीडीएम, आईआईएम, अहमदाबाद, सह-संस्थापक, डिगीबाग
6	उन्नत विपणन अनुसंधान	प्रो. अमनदीप धीर	हेल्सिंकी विश्वविद्यालय से उपभोक्ता मनोविज्ञान में पीएचडी तथा आल्टो विश्वविद्यालय से मानव संगणक अन्योन्यक्रिया। नव मीडिया से द्वितीय पी-एच. डी.
7	परियोजना प्रबंधन	प्रो. सुभाव रस्तोगी	अधि-सदस्यता (पी-एच.डी.), एनआईटीआईई, मुंबई (औद्योगिकी अभियांत्रिकी), एम. टेक (आईआईटी कानपुर) यांत्रिक अभियांत्रिकी, बी.टेक (आईआईटी कानपुर) पीएमपी (यूएसए), पीएमआई-एसीपी (यूएसए)
8	विपणन कार्यनीति	प्रो. असित के ब्रह्मा	पी-एच.डी. (शोध-प्रबंध दिसंबर 2017 में प्रस्तुत) : प्रबंधन अध्ययन विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय
9	अंकीय विपणन	प्रो. प्रंतोष बनर्जी	बी.टेक. (आईआईटी खड़गपुर, 1985), पीजीटीएम (आईआईएम कलकत्ता 1987) तथा एफपीएम (पी-एच.डी. के समकक्ष, आईआईएम अहमदाबाद, 2016) उनके विद्या वाचस्पति (पी-एच.डी) शोध-प्रबंध को आईआईएम अहमदाबाद में आईएफसीआई शोध-प्रबंध पुरस्कार प्रदान किया गया।
10	विलय एवं अर्जन	प्रो. आशुतोष दाश	सहायक आचार्य, एमडीआई गुरुग्राम, पी-एच.डी. एवं अभियांत्रिकी स्नातक (जीआई यांत्रिक अभियांत्रिकी) अभियांत्रिकी संस्थान परिषद, यू.के.
11	प्रबंधन परामर्श कौशल	प्रो. अनमित्रा चटर्जी	अनमित्रा एक अधिकृत कार्यपालक शिक्षक (निष्पात व्यवसायीः ईएमसीसी) एवं शिक्षण सहायक, अश्रिद्गे एक्जीक्यूटिव एजुकेशन, हल्ट, यूके में हैं। अनमित्र लंदन स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स (एलएसईः ब्रिटिश शेवनिंग स्कॉलरशिप) एवं अश्रिद्गे कार्यपालक शिक्षण स्नातकोत्तर (एएमईसी) यूके, प्रेसीडेन्सी कॉलेज तथा भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएमसी) कलकत्ता के पूर्व छात्र हैं।
12	खुदरा प्रबंधन	प्रो. रामेंद्र सिंह	आईआईएम अहमदाबाद के पी-एच.डी., एक्एलआरआई से एमबीए
13	अभिकल्पन कार्य संगठन	प्रो. अर्चना त्यागी	पी-एच.डी., एम.ए. (मनोविज्ञान) बनारस हिंदू विश्वविद्यालय
14	सेवाई प्रबंधन	प्रो. एस पी सिंह	सिंगापुर-एमआईटी एलाइन्स एनयूएस, सिंगापुर से पीडीएफ (पश्च डॉक्टरीय अध्येतावृत्ति), औद्योगिक एवं प्रबंधन अभियांत्रिकी विीाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर से पी-एच.डी.
15	आँकड़ा कल्पना	प्रो. विवेक आनंद	एमबीए विपणन एवं अधमिति, मेलबॉर्न, आस्ट्रेलिया
16	कीमत-निर्धारत कार्यनीतियां	प्रो. अशोक अरोड़ा	एमडीआई में प्रोफेसर, पी-एच.डी.
17	अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय	प्रो. एस एन रैना	पीजीडीएम (आईआईएम बंगलौर)

संकाय प्रकाशन/शोध-पत्र/संदर्भ

प्रो. आशीष कुमार

विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा पशुचारणः दृढ़ता और भविष्यवाणी के लिए एक गुप्त अन्वेषणय जर्नल ऑफ विहेविरल फाइनेन्स खंड 19, 2018 - अंक 1, पृष्ठ 73-88

प्रोफेसर ए वी रमन

वेंकटरामन भारतीय वाणिज्यक वाहिन निर्माण संयत्र में एक परिवर्तन प्रबंधन एवं प्रबंधकीय आम्परकता, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एम्प्लॉयमेंट स्टडीज ऑस्ट्रेलिया 26 (1), 6, 2018

मैं कौन हूँ : भारतीय आईटी कर्मचारियों के बीच संगठनात्मक और व्यक्तिगत स्वयं के निर्माण की खोज करता है एक नृविज्ञान अध्ययन - IIM कोझीकोड दिसंबर 7-8, 2018

प्रो अतुलन गुहा

भारतीय विकास की क्षेत्रीय संरचनाः क्या ब मोल इसे समझा सकता है?, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईआईएसईएस जर्नल्स कार्यवाही, आईएसबीएन 978-80-87927-42-7, आईएसएसएन 2336-5617

विनिमय दर व्यवहार में विदेशी मुद्रा आरक्षित की भूमिका व्यवहारिक विषमताः एक ऐतिहासिक लेखा-जोखा, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईआई एसइएस कार्यवाही, आईएसबीएन 978-80-87927-43-4, ISSN 2336-5617

संपादित पुस्तक अध्यायः गुजरात में तनाव के तहत श्रम यय राजनीति, रणधीर सिंह को श्रद्धांजलि में निबंध, आईएसबीएनः 97893500025512

प्रो देवजानी चटर्जी

कपास धागे का पतन एवं उदय ग्लोबल बिजनेस रिव्यू, 15 (3), 565-582

प्रो. दिलीप कुमार

बिटकॉइन बाजार में दीर्घ कालिक निर्भरताः उच्च आवृत्ति डेटा फिजिका ए पर आधारित अध्ययनः सांख्यिकीय यांत्रिकी और इसके अनुप्रयोग, खंड 515, पृष्ठ। 625-640

बिटकॉइन की सूचनात्मक अक्षमताः उच्च आवृत्ति डेटा पर आधारित अध्ययन खंड 47, जनवरी 2019, पृष्ठ 344-353

भारतीय शेयर बाजार की अस्थिरता में अचानक बदलाव के प्रभाव में मॉडलिंग विषमता और दृढ़ता IIMB मैनेजमेंट रिव्यू वॉल्यूम 24, अंक 3, सितंबर 2012, पृष्ठ 123-136

प्रो के एम बहरुल इस्लाम

आपदा तैयारी और शमन प्रथाओं हेतु सामुदायिक सूचना और प्रशिक्षण की स्थिति की खोज करनाः उत्तराखंड में आकस्मिक बाढ 2013 का मूल्यांकन

इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इमरजेंसी मैनेजमेंट 15 (2) जनवरी 2013-2019

अंग्रेजी भाषा शिक्षण में मुद्देः भाषा शिक्षा में लिंगय शोध-प्रक्रियाः एक द्ववि-वार्षिक अंतःविषयी अनुसंधान जर्नल, जुलाई - दिसंबर, 2018 खंड। VI, नंबर II, ISSN: 2319-8192, SSN: 2319-819 ISSN: 2319-8192

भारत और बांग्लादेश में एशियाई राजमार्ग के अगल-बगल फाइबर ऑप्टिक्स का सह-प्रस्तरण व लचीलापनः एशिया और प्रशांत के लिए संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक आयोग (UNESCAP)

संपादित पुस्तक अध्यायः पर्यावरणीय सूचना नीति की आवश्यकताः प्रस्तावित एकीत इस्पात मिश्रित स्थल, हलाकुंडी गाँव, कर्नाटक, भारत (पृष्ठ 157-182) के लिए पर्यावरण-प्रभाव आकलन का विश्लेषणः पर्यावरण प्रभाव आकलनः पूर्वधारणा और प्रयोग ISBN: 9789386677907 मनकिन प्रेस : नई दिल्ली

संपादित पुस्तक अध्यायः भारत में सामाजिक मीडिया मॉनिटरिंगः एक पारिस्थितिक विश्लेषण (पृष्ठ 1-18) डिजिटल और सामाजिक समावेश हेतु सोशल मीडिया की पुस्तिकाय ABS बुक्सः नई दिल्ली

प्रो के एन बधानी

विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा पशुचारणः दृढ़ता और भविष्यवाणी के लिए एक गुप्त अन्वेषणय जर्नल ऑफ विहेविरल फाइनेन्स खंड 19, 2018 - अंक 1, पृष्ठ 73-88

प्रो कुमकुम भारती

गले लगाओ, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए! सम्मान सह-सृजन पर भावी अध्ययनों की भविष्यवाणी

अनुच्छेद व्यवसाय उत्कृष्टता 14 (1) में अंतर्राष्ट्रीय जर्नलः 121 जनवरी 2018

SSTQUAL मॉडलः उभरती अर्थव्यवस्था में एटीएम सेवा की गुणवत्ता का आकलनय इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस एक्सीलेंस, मार्च 2019

प्रो कुणाल

निजी इक्विटी निवेश, निर्गम कार्यनीति और आईपीओ निष्पादनः भारतीय आईपीओ से प्राप्त प्रमाण; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एकाउटिंग एंड फाइनेन्स खंड 8, अंक 1

बहु सूचक दृष्टिकोण आधारित मौद्रिक नीति के मौद्रिक स्थिति व मुद्रा आकलन करने हेतु समग्र सूचकांक का रचना; द एंपीरिकल इकॉनोमिक्स लेटर्स; ISSN 1681-8997

क्याारती में संपतृति प्रबंधन कंपनियों (एएमसी) के प्रदर्शन हेतु प्रतिस्पर्धा महत्ता है। द एंपीरिकल इकॉनोमिक्स लेटर्स ISSN 1681&8997

प्रो कुणाल कांति गांगुली

आईपीए मॉडल प्रयुक्त करते हुए आपूर्ति श्रृंखला सूचना प्रणाली कार्यान्वयन हेतु अनुपालन सूचकों का मूल्यांकनय बेंचमार्किंगः एन इंटरनेशनल जर्नल, खंड। 25 नंबर 6, पृष्ठ 1844-1863।

आपूर्ति श्रृंखला सूचना प्रणाली कार्यान्वयन में जोखिमों का विश्लेषण; इनफॉर्मेशन रिसोर्सेज मैनेजमेंट जर्नल (IRMJ) 31 (2)

आपूर्ति श्रृंखला जोखिम मूल्यांकनः एक फजी एएचपी दृष्टिकोण; संचालन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। 12-1-13 10.31,387 oscm0 360217।

संपादित पुस्तक अध्यायः व्याख्यात्मक संरचनात्मक पद्धति प्रयुक्त करते हुए आपूर्ति जोखिम प्रबंधन के समर्थकों प्रतिरुपण वैश्विक जोखिम और आकस्मिकता प्रबंधन में अनुसंधान, अभ्यास और नवाचार

प्रोफेसर कंपन मुखर्जी

प्रतिवर्तित आपूर्ति श्रृंखला कार्यान्वयन में क्रांतिक मुद्दों के मूल्यांकन करने के लिए अनियत मॉडल विकसित करना : एन इंटरनेशनल जर्नल; ISSN: 1463-5771

प्रो. मधुरिमा देब

विशेषताएँ, संबंध निवेश, संस्कृति, धार्मिकता और संबंध गुणवत्ता संचित करना, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिटेल एंड डिस्ट्रीब्यूशन मैनेजमेंट, खंड 46 नंबर, पृष्ठ 615-637।

प्रो मयंक शर्मा

आईटी आचरण का प्रभाव और आईटी मानक की व्यवसाय महत्ता; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्रोडक्टिविटी एंड पर्फोरमेन्स मैनेजमेंट

उच्च शिक्षा संस्थान में सॉफ्टवेयर-एज-ए-सर्विस (सास) आईटी हेल्पडेस्कः कार्यान्वयन दृष्टिकोण; साउथ एशियन जर्नल ऑफ मैनेजमेंट 25 (4), 173-189

संदर्भ संवेदनशील स्मार्ट डिवाइस - परिभाषा और एक कार्यात्मक वर्गीकरण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशियल एंड ह्युमेनिस्टिक कम्प्यूटिंग। 3-108-10-1504/IJSHC-2019-10023075।

प्रो मृदुल माहेश्वरी

कार्य भूमिका- मातृत्व-भूमिका पदयोजनाएं तथा

कार्यस्थल पारस्परिक प्रभावों में संघर्ष; इंडियन जर्नल ऑफ इंडस्ट्रियल रिलेशंस; खंड 54 अंक 1

स्व-रोजगार में महिलाएं: विविध पदयोजनाएं और वैकल्पिक गठन (फ्रेम) इंडियन जर्नल ऑफ इंडस्ट्रियल रिलेशंस; खंड 54 अंक 4

प्रो नितिन सिंह

बड़ा आँकड़ा प्रौद्योगिकी : चुनौतियाँ व अवसर और वास्तविकताएँय IEEE इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट रिव्यु खंडः 47, अंकः 1, मार्च 2019

प्रो आर के पाढी

आपूर्ति श्रृंखला सूचना प्रणाली कार्यान्वयन में जोखिमों का विश्लेषणय इनफॉरमेशन रिसोर्सज मैनेजमेंट जर्नल (IRMJ) 31 (2)

प्रो राकेश कुमार अग्रवाल

ज्ञान साझा करने के अनुसंधान पर एक प्रतिबिंबः प्रतिमान एवं प्रवृतूतियाँ बीआईएनई जर्नल ऑफ इनफॉर्मेशन एंड नॉलेज मैनेजमेंट ISSN: 2059-589

समावेशी कार्यस्थल और संगठनात्मक नागरिकता व्यवहारः एक उच्च शिक्षा संस्थान, भारत का अध्ययनय समानता, विविधता और समावेशय ISSN: 2040-7149

हांगकांग में नैतिकता, लेखा शिक्षा और भर्तीय इंटरनेशनल जर्नल ऑफ अकाउंटिंग एंड फाइनेंस, 2018 खंड. 8 नंबर 3, पीपी. 228-244

प्रो. प्रफुल्ल बत्रा

अवशोषी क्षमता और छोटा परिवार अटल अनुपालनः मध्यस्थता प्रक्रियाओं की खोज जर्नल ऑफ नॉलेज इन आर्टिकल मैनेजमेंट 22 (2) मई 2018

प्रो सोमनाथ चक्रबर्ती

पाठ्य आँकडा खनन प्रयुक्त करते हुए सेवा गुणवत्ता का आंकलन भारत में निजी क्षेत्र के बैकों से प्राप्त प्रमाण इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बैंक मार्केटिंग खंड। 36, नंबर 4, 2018

वृत्त अध्ययनः डीजेएसएल लिमिटेड के संघर्षरत संयंत्र का यकायक सुधारः कैपिटल इन्वेस्टमेंट और ऑपरेशनल इंप्रूवमेंट, एमरल्ड इमर्जिंग मार्केट्स; खंड. 8, नंबर 3, 2018

प्रो वैभव भमोरिया

सामूहिक रूप में कृषक विकास नीति की समीक्षा के रूप में किसान उत्पादक संगठनः भारत से प्राप्त एक वृत्त अध्ययन लेख 36(6): 669-687 अक्टूबर 2018

विल्ग्रो इनोवेशन मार्केटिंग प्रा. लिमिटेड : उद्यमियों का उपयोग करके छोर सुपुर्दगी मॉडल बनाना; एशियन केस रिसर्च जर्नल खंड। 22, नंबर 01, पृष्ठ 57-80 (2018)

प्रो विवेक कुमार

प्लेटफॉर्म पारिस्थितिक तंत्रः स्थापत्य कला, शासन और कार्यनीति; संरेखित करना जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी केस एंड एप्लीकेशन रिसर्च खंड 20, 2018 - अंक 2, आईएसबीएन 978-0-12-408066

प्रोफेसर वेंकटराघवन के

उच्च शिक्षा संस्थान में सॉफ्टवेयर-एज-ए-सर्विस (सास) आईटी हेल्पडेस्कः कार्यान्वयन दृष्टिकोण; साउथ एशियन जर्नल ऑफ मैनेजमेंट 25 (4), 173-189

प्रशासनिक कर्मचारी

स्थायी कर्मचारी वृंद (2018&19)	
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	
	कैप्टन (आई.एन.) एम.सी. जोशी (सेवानिवृत्त)
वित्तीय सलाहकार सह मुख्य लेखा अधिकारी	
	श्री संजीव लोहानी
प्रशासिकन अधिकारी	
	डॉ. विनय शर्मा
	श्री अमित कुमार चानपुरीया
	श्री रवि गुप्ता
	डॉ मधुकर गोयल
	श्री अतुल कुमार श्रीवास्तव
सहायक कार्यकारी इंजीनियर	
	श्री अजीबुल हसन खान
सहायक प्रशासनिक अधिकारी	
	सुश्री रचना शर्मा
कार्यालय सहायक/वैयक्तिक सहायक	
	श्री दलजीत चारखंडी
	श्री शरद कुमार श्रीवास्तव
	श्री रवि प्रकाश
	श्री उमा शंकर
	श्री प्रकाश सिंह
	श्री मनीष कुमार शर्मा
	श्री रंजन कुमार कुलावि
	श्री शिवाशीष त्रिपाठी
वरिष्ठ पुस्तकालय और सूचना सहायक	
	श्री संजीव कुमार झा
कनिष्ठ इंजीनियर (विद्युत)	
	श्री साकेत शर्मा
लेखाकार	
	सुरी पूजा
	श्री प्रकाश चंद्र

सामान्य कार्य सहायक	
	श्री रोहतस कुमार शर्मा
बहुनियत कार्य कर्मचारी	
	श्री विश्वनाथ मौर्य
	श्री राजीव ठाकुर
	श्री दुष्यंत सक्सेना
	श्री आर्येंद्र सिंह
	श्री विवेक भटनागर
	श्री चंदन संत्ता
	श्री ओम सिंह
	श्री रंजन पांडे
	श्री हृदेश कुमार
	श्री दीपक घिल्यिाल
	श्री मान सिंह
चालक	
	श्री मनमिंदर सिंह
इलेक्ट्रीशियन	
	श्री अमर सिंह
संविदा कर्मचारी (2018-19)	
चिकित्सा अधिकारी	डॉ. योगेश शर्मा
अवर श्रेणी लिपिक	सुश्री लता पांडे
कार्यालय परिचर (पुस्तकालय)	श्री पिराग चंद
ओएसडी	श्री एसके वर्मा
पर्यवेक्षक	श्री मनोज कुमार प्रजापति
सहायक इंजीनियर	श्री प्रदीप कुमार
पुस्तकालय प्रशिक्षु	श्री लकी डेंगरे
परामर्शद	डा. शुभ अग्रवाल
मुख्य सलाहकार (परियोजना)	श्री जैनदंर कुमार
आईटी परामर्शदाता	श्री सुमित चतुर्वेदी
परामर्शदाता (वित्त)	श्री सुधीर चंद्र
कार्य स्थल पर्यवेक्षक	श्री चंद प्रकाश गु
मुख्य इंजीनियर परियोजना	प्रदीप झा
कार्यपालक शिक्षा प्रबंधक	श्री मनोज शर्मा
एई (बिलिंग इंजीनियर)	श्री सुनील कुमार
एई (सिविल)	मो. नदीम शादाब हाशमी
सहायक प्रबंधक (परिचालन)	श्री पुल्कित राणा

धारा 26(1) ई के तहत संस्थान के अधिकारियों एवं संकाय सदस्यों की नियुक्तियाँ

वित्तीय वर्ष 2018-19 में संकाय एवं अधिकारियों की नियुक्तियां (संविदात्मक संकाय/अधिकारीगण सहित)			
संकाय			
क्रमांक	नाम	उच्चतम डिग्री	क्षेत्र
शून्य			
गैर संकाय			
क्रमांक	**नाम**	**पदनाम**	**उच्चतम डिग्री**
1	श्री दुष्यंत सक्सेना	एमटीएस	बी.ए.
2	श्री आर्येन्द्र सिंह	एमटीएस	बी.ए.
3	श्री विवेक भटनागर	एमटीएस	एम.ए.
4	श्री चंदन सांत्रा	एमटीएस	इंटरमीडिएट
5	श्री ओम सिंह	एमटीएस	मैट्रिक
6	श्री रंजन पांडे	एमटीएस	एम.कॉम.
7	श्री हृदेश कुमार	एमटीएस	एम.कॉम.
8	श्री अतुल कुमार श्रीवास्तव	प्रशासनिक अधिकारी	एम.बी.ए
9	श्री दीपक घिल्डियाल	एमटीएस	बी.ए.
10	श्री रंजन कुमार कुलावि	वैयक्तिक सहायक	बी.टेक.
11	श्री शिवाशीष त्रिपाठी	वैयक्तिक सहायक	एम.बी.ए.
12	संजीव लोहानी	वित्त सहायक मुख्य लेखा अधिकारी	आईसीडब्ल्युए
संविदा कर्मी			
क्रमांक	**नाम**	**पदनाम**	**उच्चतम डिग्री**
1	श्री सुमित चतुर्वेदी	परामर्शदाता (आईटी)	बी.ई. (इलेक्ट्रॉनिक्स)
2	श्री सुधीर चंद्रा	परामर्शदाता (वित्त)	एम.बी.ए. (वित्त)
3	श्री चंद्र प्रकाश गुसैन	कार्यस्थल पर्यवेक्षक	सिविल डिप्लोमा
4	श्री प्रदीप झा	मुख्य इंजीनियर (परियोजना)	बी.टेक.
5	श्री मनोज कुमार शर्मा	कार्यपालक शिक्षा प्रबंधक	एम. टेक
6	श्री सुनील कुमार	एई (बिलिंग इंजीनियर)	बी.ई. (सिविल)

विद्यार्थी परिषद

आईआईएम काशीपुर में विद्यार्थी परिषद अन्य सभी छात्र निकायों का शासी निकाय है। यह छात्रों के जीवन के शैक्षणिक और सह-पाठयक्रम क्षेत्रों को एकीकृति करता है, संस्थान के शैक्षणिक मिशन के लिए कक्षा से परे अनुभव को जोड़ है और छात्रों की बौद्धिक, लोक सेवा और उनकी भावी आकांक्षाओं के साथ नेतृत्व हितों को समाहित कर रही है।

यह छात्रों, शिक्षकों, प्रशासकों और अन्य भागीदारों के साथ आईआईएम काशीपुर समुदाय के अंतः एवं बाह्य दोनों क्षेत्रों में छात्रों के लिए जीवन और शिक्षा की गुणवत्ता को सुगम बनाने और पूरक करने में सहयोग करता है। इसके अलावा, यह छात्रों को सक्रिय सहभागिता और चिंतन के माध्यम से सीखने का अवसर प्रदान करती है: जहाँ वे कर सकते हैं:

- गैर-नेतृत्वकारी भूमिकाओं में जिम्मेदार अग्रणियों के रूप में और सक्रिय प्रतिभागियों के रूप में विकसित करें
- रचनात्मक तरीकों से ज्ञान लागू करें
- नए विचारों, पहचान और कौशल के साथ प्रयोग
- लचीलापन और कुशलता विकसित करना
- सहकर्मियों से वचनबद्ध रहें और विविधता के लिए सराहना करें
- हमारे वैश्विक समुदाय की बेहतरी के लिए समाज की सेवा करें

शैक्षणिक वर्ष 2018-19 में छात्र निकायों की संरचना निम्नलिखित थी।

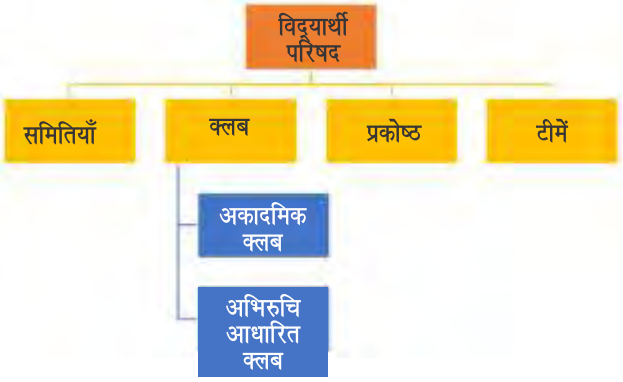

शैक्षणिक समिति :

आईआईएम काशीपुर में कक्षाओं एवं अन्य शैक्षणिक गतिविधियों की निबधि प्रकार्यात्मकता हेतु शैक्षणिक समिति पीजीपी कार्यालय व विद्यार्थियों के मध्य संपर्क है। सामूहिक रुप से समस्त सदस्यगण शैक्षिणक समिति की दैनंदिन गतिविधियाँ चालन हेतु उत्तरदायी हैं। समाविष्ट मुख्य कर्त्तव्य एवं जवाबदेही:-

- पीजीपी कार्यालय और संकाय के लिए बैच के हितों के उचित तर्क प्रयुक्त करते हुए अनुरोधों को आगे प्रस्तुत करना
- उपयुक्त स्तर पर गतिविधियों/घटनाओं को बनाए रखने के लिए हितधारकों को प्रोत्साहित करके संस्थान में शैक्षणिक संस्कृति की बेहतरी की दिशा में काम करना:
- गुरुजनों, वरिष्ठगण और बैच-साथियों द्वारा पूरे वर्ष के दौरान विद्या सत्र
- दूसरे साल की शुरुआत से पहले वैकल्पिक चयन और अंतिम रूप

पूर्व छात्र संबंध समिति

पूर्व छात्रों, संकाय और कर्मचारियों के बीच संबंधों को सुदृढ़ करने के इरादे से आईआईएम काशीपुर में पूर्व छात्र संबंध समिति की स्थापना की गई है। समिति कॉलेज में वर्तमान घटनाओं के बारे में पूर्व छात्रों को अद्यतन रखने, उनके साथ बातचीत करने और उन्हें विभिन्न गतिविधियों में शामिल करने के लिए एक मंच

आईआईएम काशीपुर में पूर्व छात्र शहर अधिवेशन (बांए) व घर वापसी आयोजन (दाहिने)

मध्यावधि/अंतिम अवधि परीक्षाओं पूर्व शैक्षणिक समिति द्वारा निर्धारित गुरुजनों से ज्ञानार्जन सत्र

के रूप में कार्य करती है, छात्रों को ज्ञान साझा करने वाले वार्ता सत्रों का संचालित करके हमारे पूर्व छात्रों द्वारा प्राप्त उद्योग जोखिम और अनुभव का लाभ उठाने में मदद करती है।

बढ़ते पूर्व छात्रों के आधार के साथ एक युवा संस्थान होने के नाते, समिति पूर्व छात्रों और संस्था के बीच मजबूत बंधन बनाने की महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसकी प्राप्ति हेतु मुंबई, बैंगलोर और दिल्ली में शहरवार पूर्व छात्रों का अधिवेशन समिति के प्रमुख कार्यों में से एक रहा है।

आगे बढ़ते हुए समिति की योजना एक पूर्व छात्र संघ बनाने और उसी के लिए चुनाव कराने और पूर्व छात्रों और छात्र समुदाय के बीच दृढ़ बातचीत प्राप्त करने के लिए एक पूर्व छात्र पोर्टल स्थापित करने की है। पूर्व छात्र हितकामिता कार्यक्रम आगामी शैक्षणिक वर्ष के लिए नियोजित एक अन्य प्रमुख गतिविधि है।

क्रिया कलाप/घटनाक्रमः

- पूर्व छात्र अधिवेशन
- घर वापसी
- इंटरेक्शन वेबिनार

कॉर्पोरेट संबंध समिति

सभी गैर-स्थापन गतिविधियों के लिए कॉर्पोरेट संबंध समिति (सीआरसी) आईआईएम काशीपुर और कॉर्पोरेट जगत के बीच आधिकारिक संपर्क है। सीआरसी संचार के लिए चौनल खोलकर उद्योग के साथ छात्र संपर्क की सुविधा प्रदान करती है। प्राथमिक ध्यान उद्योग और छात्र समुदाय के बीच विद्यमान अपेक्षा अंतर को पाटना है।

इसके अलावा, सीआरसी की भूमिका अतिथि व्याख्यान और जीवंत परियोजनाओं तक ही सीमित नहीं है, समिति विभिन्न अन्य अवसरों की तलाश में है जो लाभकारी हैं और आईआईएम काशीपुर के छात्रों की रचनात्मक और

आईआईएम काशीपुर में कुछ कार्पोरेट व्यवसायिकों द्वारा अतिथि व्याख्यान

महत्वपूर्ण सोच को जोड़ते हैं। इस वर्ष सीआरसी ने संगठनों से उद्योग के नेतृत्वों के माध्यम से कुछ नामों रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI), डेलोइट कंसल्टिंग, अशोक लीलैंड, पेटीएम, एब्सोल्यूटडाटा और ग्लोबल कॉम्पैक्ट नेटवर्क और अग्रणी कंपनियों जैसे एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज (टेक्सटाइल डिवीजन), विनकुलम आदि फ्लोटेड प्रोजेक्ट्स से वित्त, विपणन, मानव संसाधन जैसे विभिन्न डोमेन में अतिथि व्याख्यान आयोजित किए।

पूर्व में, सीआरसी ने प्रबंधन टीम के सामने आने वाले प्रबंधन और चुनौतियों के विभिन्न दृष्टिकोण का अध्ययन करने के लिए जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क की शैक्षिक यात्रा जैसी गतिविधियों का आयोजन किया है। इसके अलावा हमारी सदृश बढ़ते शैक्षिक संस्थान के साथ दीर्घकालिक संबंध की तलाश में हम कंपनियों के साथ पारस्परिक रूप से लाभप्रद कार्यनीति साझेदारी स्थापित करने के लिए कार्य करते हैं।

क्रियाकलाप/प्रतिस्पर्धाएंः

- अतिथि व्याख्यान
- सजीव परियोजनाएं

सांस्कृतिक समिति

''एक तर्क दे सकता है कि प्रबंधन संस्थान की दीवारों के अंदर एमबीए स्नातक की उपस्थिति का एकमात्र उद्देश्य ज्ञान है (और, कथित रूप से, धन, प्रसिद्धि

आईआईएम काशीपुर में पर्व एवं सांस्कृतिक समारोह

और संभावनाएं)। और वे गलत नहीं होंगे। लेकिन किसी को अपने कॉलेज से क्या याद रहता है, हम पूछना चाहते हैं? निश्चित रूप से धूल भरी किताबों के बीच बंद दरवाजों के पीछे अनगिनत घंटे नहीं।''

सांस्कृतिक समिति का मानना है कि यह एक ऐसा बंधन है जो यहाँ और उनके दोस्तों के साथ है जो इस दो साल की लंबी और कर्मठ यात्रा को और अधिक सहने योग्य व यादगार बनाते हैं और यह स्वतंत्रता की वह संस्कृति है, भाईचारे की, सखापन की सांस्कृतिक विविधता की दुर्गम दूरियों के सामने, जिसे समिति विकसित व बरकरार रखने की कोशिश करती है।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला का दावा करते हुए, जो प्रतिस्पर्धा, प्रेरणा और समग्र विकास में योगदान करती है, समिति का गठन बहुत ही मंशा के साथ किया गया था। सांस्कृतिक समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम विविध पृष्ठभूमि और संस्कृतियों से लोगों के रंग-बिरंगे बैंड के रूप में इतने विविध रुपायित हैं।

पृष्ठभूमि और संस्कृतियों जितने हमें इस कॉलेज में मिलते हैं। हमारे महान देश की विविध संस्कृतियों को एकत्रित कर जश्न मनाने वाले सेक्शन वार, कैकोफोनिया के गहन प्रतिस्पर्धी सांस्कृतिक अध्याय, जो अपने 2018 के संस्करण में लगभग 15 घंटे चला, और समस्त संयोगों का आभूषण। आईआईएम काशीपुर 72% घंटे लंबा वार्षिक उत्सव, अग्नित्राय, प्रबंधन, सांस्कृतिक और खेल-कूद आयोजनों का एक समामेलन है, हमने समूचे वर्ष परिसर को जोश और उत्साह के साथ उड़ेलते हुए प्रत्येक कार्यक्रम को सफल बनाने में सूत्रधार, उत्प्रेरक और सहयोगी के रूप में कार्य किया है।

क्रिया-कलाप/घटनाक्रमः

- ककोफोनिया - 48 घंटे का अंतर-स्तरीय सांस्कृतिक अनुभाग संघर्ष
- अग्नित्रय - आईआईएम काशीपुर में 72 घंटे का राष्ट्रीय स्तर का उत्सव
- सभी सांस्कृतिक त्योहारों का जश्न मनाना
- संगीत, नृत्य और नाटक के क्षेत्र में घटनाओं का आयोजन
- प्रारम्भ - एमबीए के प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों के बीच संघर्ष
- काशीपुर नाइट्स
- स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, शिक्षक दिवस

ईनफरा-आईटी समिति

समिति प्रशासन, परियोजना टीम और छात्रों के बीच संपर्क का कार्य करती है। आधारभूत संरचना और आईटी समिति के एक भाग के रूप में, मुख्य उद्देश्य कॉलेज के बुनियादी ढांचे को सुचारू रूप से चलाना सुनिश्चित करना है। समिति संस्थान में प्रत्येक क्लब और समिति के साथ एक क्रॉस फंक्शनल टीम है। छात्र

Infrastructure at IIM Kashipur, managed by Infra-IT Committee

निकाय हेतु वेबसाइट विकास व व्यायामशाला नई पहल हैं जो इस वर्ष समिति ने निर्णीत की हैं। वेब डेवलपमेंट में कमेटी के सदस्यों के साथ-साथ अन्य पांडित्यपूर्ण विद्यार्थी इस कार्य को करेंगे।

क्रियाकलाप/घटनाक्रमः

- वेबसाइट संवृद्धि
- सुविधाएं समन्वयक

अंतर्राष्ट्रीय संबंध समिति

अंतर्राष्ट्रीय संबंध समिति अंतरराष्ट्रीय मंच पर आईआईएम काशीपुर के अग्रणी के रूप में कार्य करती है। समिति अंतरराष्ट्रीय संस्थानों और दूतावासों के लिए संपर्क का पहला बिंदु है। समिति की आधारशिला आईआईएम काशीपुर के भावी अग्रणियों को गुणवत्तापूर्ण वैश्विक प्रदर्शन प्रदान करना है।

WOOSONG UNIVERSITY IIM KASHIPUR

International Relations established by IRC, IIM Kashipur

गतिविधियाँ/घटनाक्रमः

- भावी विश्वविद्यालयों के साथ जुड़ना
- सुगम छात्र विनिमय कार्यक्रम हेतु जिम्मेदार

भोजनालय समिति

आईआईएम काशीपुर छात्रावास भोजनालय पूर्णरुपेण जो संस्थान के छात्र निकाय में से एक भोजनालय समिति द्वारा नियंत्रित किया जाता है। समिति सालाना लगभग 2 करोड़ का लेनदेन संभालती है और यह परिसर में 500 छात्रों को भोजन कराने के लिए जिम्मेदार है। यह खरीद प्रक्रिया से लेकर ऊपरी पक्ष और गुणवत्ता विश्वास-गुणवत्ता नियंत्रण और अनुप्रवाह तरफ शुल्क संग्रह तक की पूरी प्रक्रिया को संभालती है। समिति छात्र भोजनालय की योजन, आयोजन और कार्य के लिए जिम्मेदार है। यह एक चल रहे छोटे संगठन की तरह है जहां

Mess at IIM Kashipur

आपको बजट, संचालन, आपूर्ति श्रृंखला और भोजनालय के स्टाफ मिलता है।

भोजनालय समिति यह सुनिश्चित करती है कि भोजन को स्वच्छता और गुणवत्ता की शून्य-सहिष्णुता और बिना किसी भी गलती के साथ परोसा जाए। इन दोनों उद्देश्यों को पूरा करते समय छात्रों की संतुष्टि का भी ध्यान रखा जाता है। भोजनालय समिति के छात्र प्रतिनिधियों को दोनों बैचों में से चुना जाता है। ये प्रतिनिधि एक व्यंजन-सूची योजना पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जो भारत के सभी क्षेत्रों के लोगों को भाती करता है। भोजनालय व्यंजन-सूची नमनशील और परिवर्तनात्मक है ताकि सदैव सुधार एवं नवाचार की गुंजाइश हो। समिति यह सुनिश्चित करती है कि भोजन नीरस न हो जाए।

गतिविधि/घटनाक्रमः

- भोजन व्यंजन-सूची विकास
- कर्मचारीवृंद प्रबंधन
- खाद्य प्रबंध
- वित्त प्रबंधन

मीडिया और जनसंपर्क समिति

आईआईएम काशीपुर में मीडिया और जनसंपर्क समिति आईआईएम काशीपुर के ब्रांड को समुन्नत करने के लिए जिम्मेदार है। यह टीम मुद्रण और डिजिटल मीडिया, सोशल मीडिया और ब्ल ग जैसे संचार के विभिन्न रूपों के माध्यम से जनता के साथ एक सकारात्मक प्रतिष्ठा को विकसित और बनाए रखने में शामिल है।

टीम संस्थान में होने वाले विभिन्न समारोहों और गतिविधियों की विपणन कार्यनीति और संस्थान द्वारा विभिन्न अन्य स्थानों में आयोजित समारोहों का प्रबंधन। यह आईआईएम काशीपुर के ब्रांड की प्रभावी स्थिति और इसे बढ़ावा देने के लिए विभिन्न डिजिटल मीडिया प्लेटफार्मों को भी संभालती है। हमारे अन्य कार्यों में संस्थान में होने वाली महत्वपूर्ण घटनाओं के योजना अभियान और प्रेस विज्ञप्ति लेखन समाहित हैं।

टीम का कार्य निम्नलिखित क्षेत्रों से संबंधित हैः

- अंतर्वस्तु सृजन : अंतर्वस्तु सृजन टीम प्रायः उस संस्थान के बारे में सकारात्मक वृत्तांत पेश करती है, जो मीडिया जनसंपर्क टीम पत्रकारों को पेश करती है। सामग्री लेख या ब्रांड प्रचार वीडियो के रूप में हो सकती है। इसमें वीडियो की एडिटिंग और डिजाइनिंग भी शामिल है।
- मीडिया रिलेशंसः मीडिया रिलेशनशिप टीम पत्रकारों के साथ संबंध विकसित करती है और उन्हें बरकरार रखती है, ताकि वे उन पर वृत्तांत सज्जिजत कर सकें।
- सामाजिक मीडियाः सामाजिक मीडिया टीम आईआईएम काशीपुर के विभिन्न सामाजिक मीडिया संचालन का प्रबंधन करती है। वे इसका उपयोग संस्थान की सार्वजनिक प्रतिष्ठा का आकलन करने और इसे संभालने के लिए करते हैं। वे सामाजिक मीडिया के साथ बातचीत, सामाजिक मीडिया पर घोषणाएं करते हैं, और ब्रांड को बढ़ावा देने के लिए सामाजिक मीडिया प्रभावितों को ढूंढते हैं।

Sports Events at IIM Kashipur

क्रियाएँ/घटनाक्रमः

वार्षिक वर्ष 2018-19 में किए गए सभी कार्यक्रमों का कवरेज

आईआईएम काशीपुर खेलकूद समिति का सामाजिक मीडिया प्रोत्साहन, आईआईएम काशीपुर में खेल के सभी समारोहों को अंजाम देती है। हम खेल टीमों का चयन करने के लिए जिम्मेदार हैं जो संबंधित टीमों के कप्तानों के साथ संस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगे। हम उपकरण के जीवनचक्र के अनुसार आईआईएम काशीपुर में सभी खेल सूची की खरीद, रखरखाव और निपटान करते हैं। हम लगन से रिकॉर्ड बनाए रखते हैं और संस्थान के लिए खेल बजट तैयार करते हैं। हम बी-स्कूलों द्वारा संचालित रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण खेल आयोजनों की पहचान करने और उपर्युक्त घटनाओं में आईआईएम काशीपुर का प्रतिनिधित्व करने वाली खेल टुकड़ी की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए भी जिम्मेदार हैं।

हमारी प्रमुख घटनाओं में शामिल हैं

- अग्नित्रय
- काशीपुर प्रीमियर लीग (केपीएल)
- सेक्शन वार्स
- प्रारम्भ और समय-समय पर यथोचित समझे जाने अन्य अंतः-कॉलेज खेल-कूद समारोह को

शैक्षणिक समितियाँ

कंसीलियम – परामर्श एवं कार्यनीति क्लब

आईआईएम काशीपुर का परामर्श और कार्यनीति क्लब कंसीलियम संस्थान में कार्यरत शैक्षणिक क्लबों में से एक है। यह वृत्त अध्ययन प्रतियोगिताओं, सजीव परियोजनाओं, संगोष्ठी, कार्यशालाओं और उद्योग की बातचीत के माध्यम से परामर्श और व्यवसाय कार्यनीति के क्षेत्र में भावी नायक बनने के लिए छात्रों को पोषित करने की दृष्टि से स्थापित किया गया था।

यह क्लब परामर्श के क्षेत्र में छात्रों की रुचि ग्रहण कराने के प्रयास करता है और उन्हें उपयुक्त उद्योग प्रभावन प्रदान करता है। क्लब नियमित रूप से उद्योग और शिक्षा के बीच की खाई को पाटने के उद्देश्य से परामर्श उद्योग से प्रख्यात व्यक्तित्वों के साथ बातचीत का आयोजन करता है। यह परामर्श के क्षेत्र में प्रयुक्त बुनियादी उत्पत्ति-स्थलों और रूपरेखा से सदस्यों को अवगत कराना भी अपना दायित्व समझता है। क्लब का उद्देश्य अपने सदस्यों के मामले को सुलझाने के कौशल को सुधारना और उन्हें जटिल समस्याओं के विश्लेषण के बारे में जाने के लिए एक संरचित तरीका सिखाना है।

आईआईएम काशीपुर द्वारा परामर्श शूरवीर (बाएं) एवं गैसटीमेट

इन सब के अलावा, उनके पास फेसबुक, लिंक्डइन और ट्विटर जैसे विभिन्न सामाजिक मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक ऑनलाइन विद्यमानता है। न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में स्थित उद्योगों में संगठनों में नवीनतम कार्यनीति घटनाओं के बारे में अवगत कराता है।

कार्यकलाप आयोजनः

- कंसीलियम – कनसलटींग कॉन्क्लेव
- परामर्श शूरवीर
- रणभूमि
- दूरदर्शिता श्रृंखला
- कंसीलियम अंतरंगी

एचआर हितम

एचआर क्लब का उद्देश्य ज्ञान साझाकरण सत्र, छात्र संकाय बातचीत, वृत्त अध्ययन प्रतियोगिताओं, वर्ग पहेली और क्विज जैसे एचआर से संबंधित गतिविधियों में संलग्न करके मानव संसाधन प्रबंधन प्रथाओं को सीखने की संस्ति को बढ़ावा देना है। क्लब का मुख्य तत्व ज्ञान उद्योग और शिक्षा के बीच की खाई को पाटना है। एचआर क्लब शैक्षणिक वर्ष के दौरान नियमित रूप से कार्यक्रम आयोजित करके इसे प्राप्त करने की कोशिश करता है और अपने कार्यक्रमों की पेटिका में और अधिक गतिविधियों को जोड़ने के लिए तत्पर है। क्लब पेशेवर एचआर संगठनों द्वारा आयोजित वृत्तांतों में सक्रिय रूप से सम्मिलित होने की योजना बना रहा है और इस प्रकार उद्योग में नेताओं और पेशेवरों के साथ नेटवर्किंग में योगदान देता है।

कार्यकलाप/आयोजनः

- कीलेसेंस – एचआर कॉन्क्लेव
- स्क्रिबल ड्रिबल
- क्रॉस रनर
- बायोस्कोप
- वार्ताकार

आईआईएम काशीपुर में एचआर हितम क्लब द्वारा एच आर आधारत वृत्तांत

स्व प्रगति में तत्पर – विपणन क्लब

आईआईएम काशीपुर का विपणन क्लब १६ जनवरी २०१४ को स्थापित किया गया था, आईआईएम काशीपुर के छात्रों ने विपणन के लिए अपने सरासर प्रेम का जश्न मनाने के लिए। ओवाईएम का प्रयोजन विपणन के क्षेत्र से संबंधित सभी मामलों में आईआईएम काशीपुर के छात्रों के लिए एक जिम्मेवार और प्रोत्साहन देने वाला स्वभाव बनाने के लिए है। विपणन के क्षेत्र में अपने करियर का पता लगाने में हम छात्रों की मदद करना चाहते हैं और इस प्रकार अपनी उद्योग भर्ती प्रक्रिया में एक अकाट्य सहायता प्रदान करते हैं।

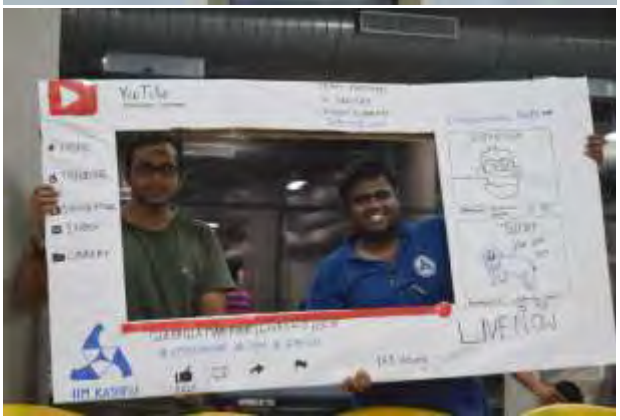

आईआईएम काशीपुर द्वारा मार्क होलिक (बाएं) व गुरिल्ला मार्फेयर (दाहिने)

क्लब का प्रमुख उद्देश्य छात्रों के बीच रुचि विकसित करना, उन्हें वास्तविक उद्योग अनाश्रयता प्रदान करना है। क्लब छात्रों को विपणन की स्पष्ट और व्यापक समझ रखने में भी मदद करने पर भी ध्यान केंद्रित करता है।

कार्यकलाप/घटनाक्रमः

- कीलसेंस - विपणन कॉन्क्लेव
- गुरिल्ला मारफेयर
- मर्कार्ट
- मार्कहोलिक
- मार्क्विज़
- मार्क मेला
- स्वरमान कृपया

ओएसएम - संचालन और आपूर्ति प्रबंधन क्लब

भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर में संचालन एवं आपूर्ति पबंधन श्रृंखला प्रबंधन (ओएसएम) क्लब एक व्यावसायिक व्यवसाय क्लब है जो संचालन, उत्पादन, संचालन अनुसंधान, आपूर्ति श्रृंखला और संबंधित गतिविधियों के क्षेत्र में कार्यरत है। एक पेशेवर क्लब के रूप में हम संचालन और आपूर्ति श्रृंखला संबंधी गतिविधियों को प्रोत्साहित व छात्रों की समुन्नति हेतु कार्य करने की दिशा में प्रयास करते हैं।

क्रियाकलाप/प्रतिस्पर्धाएँः

- कीलसेंस - संचालन
- औद्योगिक दर्शन
- ऑसमोसिस क्विज
- पैन इंडिया ऑपरेशंस आर्टिकल राइटिंग

ओएसएम, आईआईएम काशीपुर द्वारा औद्योगिक भेंट

टाइटन - आईटी और एनालिटिक्स क्लब

इसका लक्ष्य आईआईएम काशीपुर के छात्रों को आईटी और वैश्लेषिकी की समझ समुन्नत करने में मदद करना है और विद्यार्थियों हेतु आजीविका संभावना जो उद्योग पेशकश करते हैं, जो अपनी आजीविका आई टी एवं वैश्लेषिकी में आगे बढ़ाना चाहते है तथा एमबीए सहयोगियों को एक साथ लाना चाहते हैं, जो उद्योग के बारे में सार्वजनिक दिलचस्पी साझा करते है, को सहायता प्रदान करना है।

टाइटन, आईआईएम काशीपुर द्वारा प्रतिस्पर्धाएं

यह आईटी एवं वैश्लेषिकी के क्षेत्र में विद्वता समुननत करने वालों के लिए विभिन्न गतिविधियों और ज्ञान सहभाजन सत्र आयोजित करता है। यह अकादमिक और आईटी एवं वैश्लेषिकी के बीच एक संपर्क के रूप में कार्य करता है और आईटी और वैश्लेषिकी की विभिन्न बारीकियों व वास्तविक दुनिया के व्यवसायों में उनके अनुप्रयोगों की शुरुआत और पुनरावृत्ति करता है। क्लब आईटी और वैश्लेषिकी के क्षेत्र में विविध आजीविका विकल्पों के बारे में मार्गदर्शन भी प्रदान करता है।

कार्यकलाप/आयोजन

- वैश्लेषिकी सतत् तंत्र खेल
- एक्सेल क्विज
- लेख लेखन (पैन इंडिया)

वित्तीय क्लब

आईआईएम काशीपुर का वित्त क्लब, रोचक और नवीन गतिविधियों, प्रतिस्पर्धाओं, चर्चाओं और कार्यशालाओं के माध्यम से वित्त के क्षेत्र में ज्ञान बढ़ाने की दिशा में छात्र संचालित सूत्रपात है। इस शैक्षणिक वर्ष में, हम वित्त क्षेत्र में उद्योग के विशेषज्ञों के साथ बातचीत के कार्यक्रमों के साथ-साथ अपना स्वयं का निवेश कोष और बाजार ध उद्योग अनुसंधान प्रकाशन शुरू करने की योजना बना रहे हैं।

कार्यकलाप/आयोजन

- सम्मिलन - वित्त कॉन्क्लेव
- बुल रन
- ओपन आउटक्राई
- ज्ञान सहभाजन सत्र

वित्त क्लब, आईआईएम काशीपुर द्वारा प्रतिस्पर्धाएं

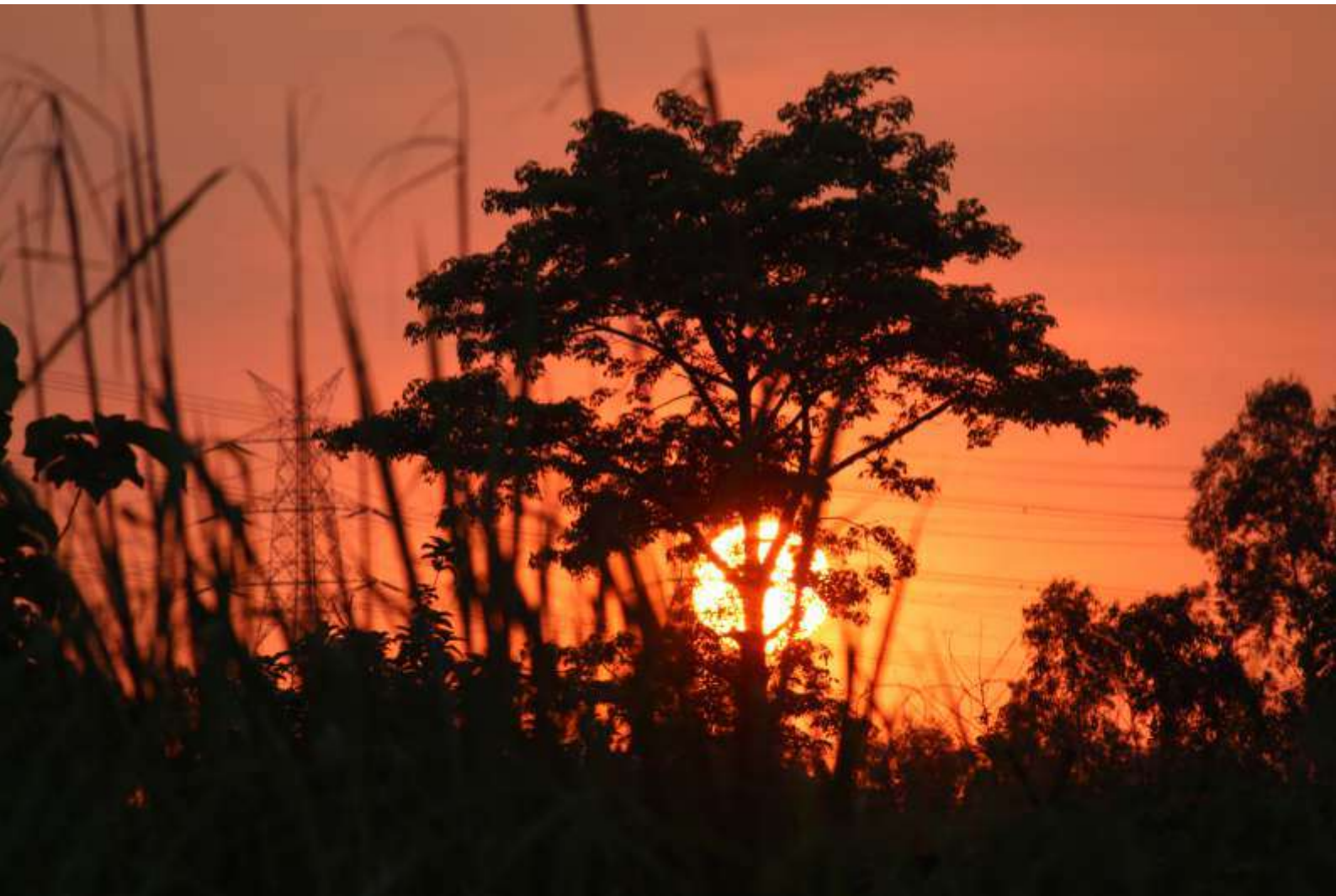

अभिरूचि आधारित क्लब

साइक्लिंग क्लब

''स्वास्थ्य सबसे बड़ी दौलत है'' - आईआईएम काशीपुर के साइक्लिंग क्लब का आदर्श वाक्य है। इसे अपने स्वास्थ्य के साथ-साथ मौज-मस्ती के शौकीन लोगों ने जुटाया है। चूँकि एक स्वस्थ दिमाग को भी एक स्वस्थ काया की आवश्यकता होती है, ताकि वह बेहतर तरीके से कायम रह सके, और यहाँ आईआईएम काशीपुर में, छात्रों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रथम में होना आवश्यक है, साइक्लिंग क्लब का उद्देश्य उनके बीच साइक्लिंग की संस्कृति को आत्म-सात करना है वे स्वस्थ हो सकते हैं और जिनमें वे रह रहे हैं उस सांस लेने वाले परिवेश से भी सर्वोत्तम प्राप्ति कर सकते हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि, सभी साइक्लिंग के शौकीनों का सुंदर सवारी और विभिन्न मजेदार गतिविधियों का आनंद लेने के लिए स्वागत किया जाता है, जहां हर साइकिल चालक अपना/अपनी मस्ती पक्ष दिखा सकता है।

कार्यकलाप/आयोजनः

- ला टूर डे काशीपुर - साप्ताहिक सवारी।
- साइकल चलाना और मरम्मत कार्यशालाएं।
- वार्षिक लंबी सवारी।
- मासिक साइक्लिंग चुनौती

आईआईएम काशीपुर में साइक्लिंग क्लब द्वारा प्रतिस्पर्धाएं

विदेशी भाषा एवं संस्कृति क्लब

'विदेशी भाषा एवं संस्कृति क्लब' या एफएलसीसी छात्रों को सीखने व विभिन्न विदेशी भाषाओं एवं संस्कृतियों के बारे में छात्रों को जागरूक करने के लिए मंच प्रदान करता है।

आईआईएम काशीपुर, एफएलसीसी द्वारा फ्रांसीसी कार्यशाला (बाएं) एवं हैलोबीन

कार्यकलाप/आयोजनः

- विदेशी भाषा कार्यशाला
- ड्युओलिंगो
- हेलोवीन

पहला कदम प्रथम चाल (गंबित)

गम्बित आईआईएम काशीपुर का आधिकारिक गेमिंग क्लब है। यह पूरे शैक्षणिक वर्ष में वीडियो गेम एवं कार्यनीति क्रीड़ा संबंधी विविध प्रतिस्पर्धाएं करता है। यह काउंटर स्ट्राइक, फीफा, एनएफएस, टेककेन से लेकर पोकर नाइट्स, माफिया, पबजी व कई और प्रतिस्पर्धाएं भी आयोजित करता है। यह प्रत्येक व्यक्ति को आराम करने, उनके तनाव को ध्वस्त, साथियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने और अखाड़े में अपनी श्रेष्ठता साबित करने के लिए थम्ब स्मैशिंग और ब्रेन टीजिंग गतिविधियों के माध्यम से एक श्रेष्ठ मंच प्रदान करता है।

2018-19 में गैम्बिट द्वारा की गई गतिविधियों की सूची इस प्रकार हैः

- फीफा नाइट्स
- सीएस 1.6 नाइट आउट
- टेक्केन
- माफिया
- पोकर
- रात
- पबजी

गंबित, आईआईएम काशीपुर द्वारा खेल

साहित्यिक क्लब

आईआईएम काशीपुर में साहित्यिक क्लब विद्यार्थीगण में पुसतक-वाचन, वाद-विवाद अभिव्यक्ति, काव्य-पाठ, तात्कालिक वक्तृता, कथा पटुता, रचनात्मक लेखन इत्यादि जैसी समस्त साहित्यिक संबंधी विशेषताओं के संवर्धन एवं संपोषण हेतु विद्यमान है।

इन कौशलों की लालसा करने के उद्देश्य से क्लब पूरे साल प्रतिस्पर्धाओं की रूपरेखा बनाता है और आयोजित करता है। इस वर्ष साहित्यिक क्लब को रुचि आधारित क्लब से गैर-शैक्षणिक क्लब में स्थानांतरित कर दिया गया है। क्लब को विभिन्न नई जिम्मेदारियाँ जैसे आवधिक वाद-विवाद सत्र, व्याकरण रचना सत्र, पुस्तक वाचन और कथा-पटुता व विभिन्न अन्य प्रदान की गई है।

कार्यकलाप/आयोजनः

- अभिव्यक्ति
- मानव पुस्तकालय
- अपनी कथा पटुता
- मानवोचित पुस्तकें

आईआईएम काशीपुर में साहित्यिक क्लब द्वारा प्रतिस्पर्धाएं

संगीत क्लब

शैक्षणिक वर्ष 2018-19 में अभिरुचि क्लब संगीत क्लब का उद्घाटन किया गया था। संगीत क्लब से उन सभी संगीत प्रेमियों के लिए एक मंच के गठन की उम्मीद की जाती है जो प्रबंधन शिक्षा की अपनी यात्रा को अविस्मरणीय बनाते हुए संगीत के प्रसार के अपने जुनून को सीखना और सहभाजन करना चाहते हैं।

कार्यकलाप/आयोजनः

- म्यूजिकल नाइट

परवाज

परवाज का प्रयोजन कॉलेज में नाट्य कला/रंगशाला प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेना और बी-स्कूल प्रतियोगिताओं को लक्षित करना और रंगशाला कार्यशालाएं आयोजित करना है। इससे छात्रों को अभिनय कला के बारे में जानने में मदद मिलेगी और रचनात्मक सोच, लोक व्याख्यान, सहयोग और आत्मविश्वास समुन्नत होंगे। संगीत क्लब की तरह ही, परवाज भी शैक्षणिक वर्ष 2018-19 में बनाया गया था।

कार्यकलाप/आयोजनः

- गणतंत्र दिवस में भाग लेना
- रंगमंच

आईआईएम काशीपुर में परवाज़ के प्रदर्शन रंगमंच (बाएं) एवं स्वतंत्रता दिवस (दाहिने)

परिवार क्लब

परिवर्तन आईआईएम काशीपुर का सामाजिक दायित्व क्लब है। इसका उद्देश्य हमारी प्रबंधकीय विशेषज्ञता और कौशल का उपयोग करके समाज में सार्थक योगदान देना है। परिवर्तन ''एकीकृत विकास कंद्र'' गैर-सरकारी संगठनों, स्वैच्छिक गैर-लाभकारी संगठनों व सरकारी संस्थानों और कॉर्पोरेट के साथ कूट

आईआईएम काशीपुर में परिवर्तन क्लब द्वारा प्रतिर्स्पधाएं

रचना बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। परिवर्तन क्लब के छात्र इन संगठनों के साथ समन्वय करके तीन शीर्षों अर्थात शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण पर कार्य करके समाज में कुछ सार्थक बदलाव लाने की पहल करते हैं।

कार्यकलाप/आयोजनः

- रक्तदान शिविर
- स्वच्छ भारत रैलियां
- वस्त्रे दान प्रेरणा
- स्कूली बच्चों को
- वृक्षारोपण प्रेरणा

फोटोग्राफी क्लब

कॉलेज में आयोजित सभी कार्यक्रमों के कवरेज के लिए क्लब उत्तरदायी है। यह एक अकादमिक प्रतियोगिता, एक अतिथि व्याख्यान या अब तक हो रहा सांस्कृतिक उत्सव ''अग्नित्राय'' है। क्लब इन सभी को कवर करने के लिए उत्तरदायी है। यह क्लब फोटोग्राफी कार्यशालाओं और फोटो-वॉक जैसे कार्यक्रमों का आयोजन करके क लेज के नवोदित फोटोग्राफरों का भी ध्यान रखता है। कॉलेज की सुंदरता को क्लब के सदस्यों द्वारा भी प्रदर्शित किया जाता है, जो कॉलेज के इतने विस्मयकारी चित्रों को क्लिक करते रहते हैं और विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से काशीपुर के बाहर दुनिया को दिखाते हैं। जैसा कि क्लब के सदस्यों का कहना है, ''हम केवल तस्वीरें नहीं क्लिक करते हैंय हम यहाँ आईआईएम काशीपुर में हर छात्र के स्मृति पथ के पृष्ठ विकसित करते हैं, उनके लिए अपने जीवन के बाकी हिस्सों को संजोते हैं। जैसे कि यह सिर्फ एक मुस्कान नहीं है जिसे हम पकड़ते हैं बल्कि भावनाओं को भी पकड़ लेते हैं।''

आईआईएम काशीपुर में फोटोग्राफी क्लब द्वारा कुछ छायाचित्र

कार्यकलाप/आयोजनः

- समस्त अंतः कालेज प्रतिस्पर्धाओं का कवरेज
- फोटो पद्यात्रा

खोज

आईआईएम काशीपुर में प्रश्नावली परीक्षा संस्कृति के लिए क्वेस्ट जिम्मेदार क्लब है। क्वेस्ट उत्तर भारत में सबसे बड़ी प्रश्नावली परीक्षा प्रतिस्पर्धा में से एक है - रंबल इन द जंगल, जो पूरे देश के प्रतिभागियों को आकर्षित करती है। शैक्षणिक वर्ष 2019-20 से, क्वेस्ट की अतिरिक्त जिम्मेदारियों में सभी बी-स्कूल और कॉर्पोरेट प्रतियोगिताओं के पहले स्तर के लिए आईआईएम काशीपुर के छात्रों को तैयार करना शामिल होगा, जो कि अकादमिक फोरम की मदद से प्रश्न पूछता है।

कार्यकलाप/आयोजनः

- काशीपुर प्रश्नावली लीग
- सप्ताहांत की छुट्टी मनाना
- जंगल में रंबल
- स्मार्ट और स्मार्टर
- अग्नित्रय प्रश्नोत्तरी

द मोशन चलचित्र क्लब

आईआईएम काशीपुर का द चल-चित्र क्लब एक अभि-रुचि-आधारित क्लब है। इसका लक्ष्य छात्रों को उनकी व्यस्त एमबीए दिनचर्या के दौरान तनाव मुक्ति और आनंद प्रदान करना है। इसको सुसाध्य बनाने हेतु यह पूरे शैक्षणिक वर्ष में विविध गतिविधियाँ, प्रतिस्पर्धाएं और प्रतियोगिताएं की मेजबानी करता है। उनके माध्यम से, टीएमपीसी छात्रों को पाठ्येतर गतिविधियों में सक्रिय रुचि लेने और उनकी सर्वतोमुखी क्षमता समुन्नत करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

कार्यकलाप/आयोजनः

- ऑस्कर पूर्वानुमान प्रश्नोत्तरी
- चल-चित्र प्रश्नोत्तरी
- लघु फिल्म रचना प्रतियोगिता

Events by TMPC, IIM Kashipur

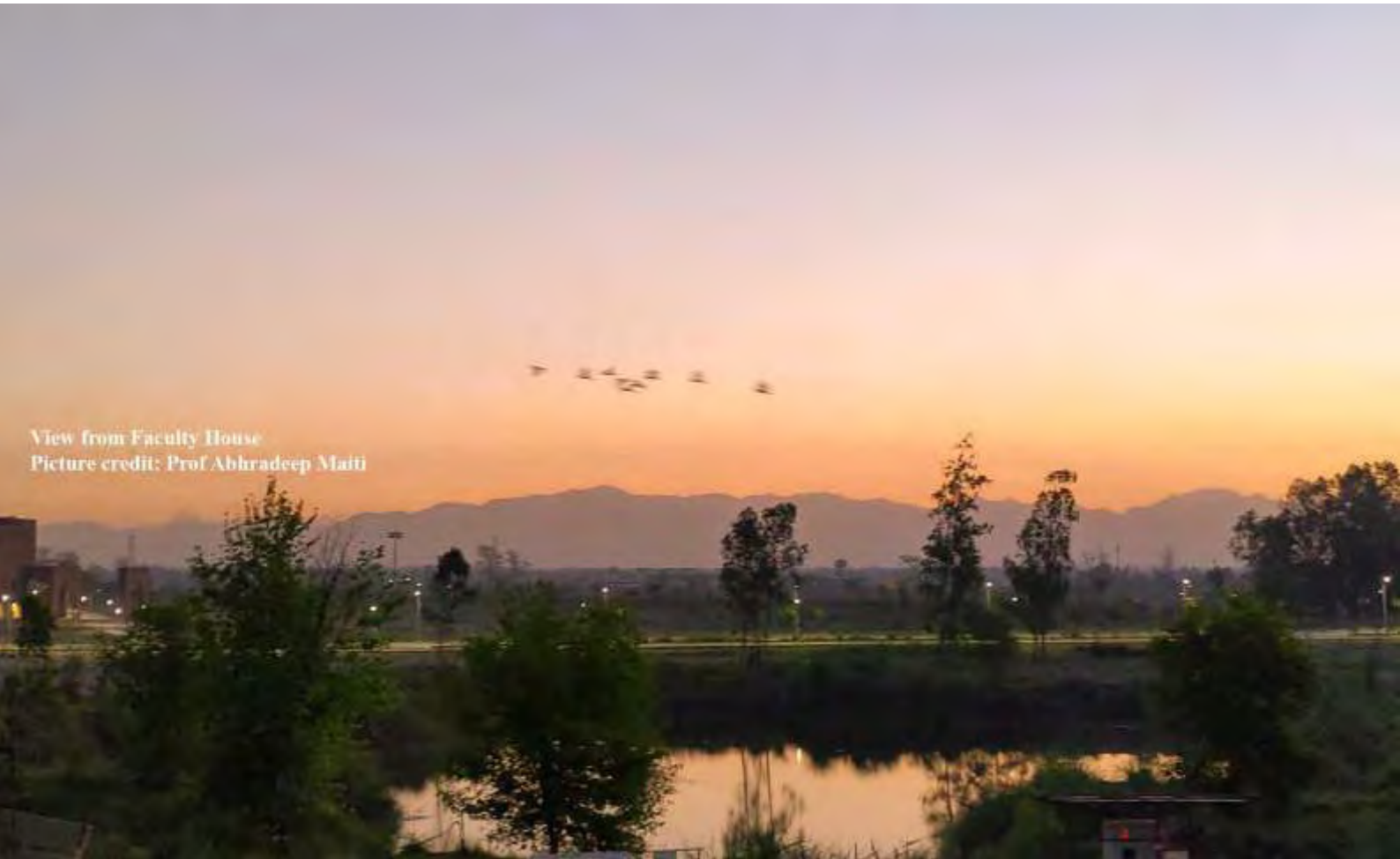

प्रकोष्ठों

सृजनात्मक स्टूडियो - रूपांकन प्रकोष्ठ

रूपांकन प्रकोष्ठ पोस्टर, लोगो, प्रचार वीडियो, बैनर, विवरणिका, हुडी, बैच टी-शर्ट, अनौपचारिक लिबास, आईआईएम काशीपुर की समस्त समितियों क्लाबों एवं प्रकोष्ठों हेतु टी-शर्ट, बहुत से अन्य में बने हुए कॉफी मग इत्यादि की डिजाइन बताने हेतु विश्वसनीय यह एडोब फोटोशॉप, एडोबी लाइटरूम, आफ्टर इफेक्ट्स, प्रीमियर प्रो, इत्यादि और पोस्टर, वीडियो आदि को डिजाइन करने और बनाने के लिए अन्य साधनों डिजाइन के कार्यान्वयन हेतु उचित वेंडर ढूढने और उनके साथ दीर्घवधि संबंधता रखना सृजनात्मक स्टूडियों का अनिवार्य कर्त्तव्य है।

कार्यकलाप/आयोजनः

- बैचों और विभिन्न छात्र निकायों हेतु टी-शर्ट्स रुपांकन
- अभिकल्पन प्रतियोगिता

सृजनात्मक स्टूडियो आईआईएम काशीपुर द्वारा रुपांकन प्रतिस्पर्धा (बांए) एवं बैच हुडी डिजाइन (दाहिने)

उद्यमिता सेल

आईआईएम काशीपुर के छात्रों के बीच उद्यमशीलता को पुष्ट और प्रोत्साहन हेतु ई-सेल विश्वसनीय छात्र निकाय है। पूरे वर्ष में आयोजित अपने विभिन्न अंतः और अंतर क लेज कार्यक्रमों के माध्यम से, यह छात्रों को उनकी उद्यमशीलता की आकांक्षाओं हेतु आवश्यक सर्व समर्थन प्रोत्साहित व सुसज्जित करता है।

ई-प्रकोष्ठ, आईआईएम काशीपुर द्वारा उद्यमिता बातचीत (बांए) एवं इन्वेस्टोमनिया (दाहिने)

कार्यकलाप/आयोजनः

- लेख/ब्लॉग लेखन प्रतियोगिता
- पैन इंडिया बी-प्लान प्रतियोगिता
- इन्वेस्टोमनिया
- उद्यमी कार्यशालाएं

विरचन प्रकोष्ठ

इस प्रकोष्ठ का उद्देश्य स्थापन हेतु कनिष्ठ बैच तैयार करना है, और इस प्रक्रिया में कौशल विन्यास वृद्धि और क्षमता बनाना है।

कार्यकलाप/आयोजनः

- व्यक्तिगत साक्षात्कार
- समूह चर्चा
- उद्योग/कंपनी विश्लेषण कार्यशालाएं
- पीपीटी कार्यशालाएं

प्रायोजकता प्रकोष्ठ

शैक्षिक पाठ्यक्रम की मांग के मध्य आईआईएम काशीपुर में सह पाठ्येतर जीवन रक्षक हैं और यहीं संस्थान काकोफोनिया अका सेक्शन वार, काशीपुर प्रीमियर लीग, नेतृत्व शिखर सम्मेलन सम्मिलन, सूचनात्मक TEDx और अंत में उन सभी में सबसे बड़ी है - प्रमुख घटना अग्नित्रय। चूंकि इस संस्थान के प्रसंगों व विद्यार्थियों द्वारा चालू दृष्टिकोणों का प्रायोजक को जाने में कॉर्पोरेट के साथ समन्वय करती है प्रायोजकता प्रकोष्ठ रचनाओं की योजना में भली-भांति जचती है। प्रकोष्ठ के सदस्य संभावित प्रायोजकों को पटल पर लाने और आयोजनोपरांत प्रायोजन समझौतों और अनुवर्ती कार्रवाई में शामिल होते हैं।

प्रायोजकों के रुप में कोक, ६एक्स एम, एसबाईआई, एचपीसीएल, केएमवीएन, वर्ल्ड बैंक, मारुति सुजकी, ब्लूमबर्ग, आइडिया सेलुलर, सफेक्सप्रेस, इन्फोसिस, तनिष्क, यूबीआई, सीबीआई और पीएनबी जैसे बड़े नामों की विद्यमानता हमारी कड़ी मेहनत का प्रमाण है।

प्रायोजकता कक्ष का परम उद्देश्य संस्थान के आयोजनों को बड़े, बेहतर और अपेक्षित धन के साथ प्रवाहित करना है। हम अपने संस्थान और साझीदार दोनों की प्रगति को बढ़ाना चाहते हैं।

कार्यकलाप/आयोजनः

- अग्नित्रय, उत्तिष्ठ, रंबल इन द जंगल आदि विभिन्न आयोजनों के लिए प्रायोजन लाना।

टीमें

टीम का प्रभाव

टीम प्रभाव का उद्देश्य उन एमएसएमई की मदद करना है जो काशीपुर में चुनौतियों का सामना कार्यान्वयन योग्य समाधान के साथ कर रहें हैं। यह इसे छोटे व्यवसाय अभिनिर्धारित करके करता है जो काशीपुर में चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, बैच के साथ वृत्त अध्ययन के रूप में अपनी व्यावसायिक समस्या सुस्पष्ठ कर रहे हैं, मामले हेतु समाधानों के साथ उपस्थित होने को बैच के साथ चर्चा को समन्वित करते हैं, समाधानों को प्रलेख से सिद्ध करता है और इसे व्यवसायों में वापस पेश करते हैं।

टीम इनसाइट

टीम इनसाइट, एमआरपीसी द्वारा सूत्रपात, आईआईएम उम्मीदवारों की मदद और प्रवेश प्रक्रिया, वाट-पीआई प्रक्रिया आदि से संबंधित समस्त समस्याओं में सहायता करने के लिए बनाई गई थी। टीम कनिष्ठ बैच को पहले ८-१० दिनों में

टीम इनसाइट, आईआईएम काशीपुर द्वारा सिटी समागम (मीट)

शामिल करने के लिए जिम्मेदार है। उनके आईआईएम काशीपुर में रहना और उन्हें आईआईएम काशीपुर की संस्कृति से अवगत कराने हेतु उत्तदायी।

कार्यकलाप/आयोजनः

- वाट-पीआई मेंटरशिप
- सिटी मीट
- प्रेरण

स्वास्थ्य समन्वयक

हमारी टीम का कार्य छात्रों और परिसर में व चहुंओर चिकित्सा सुविधाओं के बीच समन्वय करना है। टीम यह सुनिश्चित करने के इरादे से स्थापित की गई थी कि आईआईएम काशीपुर के छात्रों को उनकी जरूरतमंद स्थिति में, परेशानी रहित तरीके से चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो। हमारी टीम किसी भी स्वास्थ्य संबंधी संकट या आपातकाल के मामले में छात्रों की मदद और समर्थन करने के लिए हमेशा मौजूद रहती है।

टीम को चार इकाइयों, आपातकाल, औषधालय, अस्पताल समन्वयक और मेलिंग टीम में विभाजित किया गया हैं।

आयोजन

सम्मिलन

आईआईएम काशीपुर में सम्मिलन एक प्रमुख कार्यक्रम है। यह एक प्रबंधन क न्क्लेव है जहां विभिन्न क्षेत्रों और उद्योगों के उद्योग विशेषज्ञों को छात्रों के साथ बात-चीत और सीखने को सत्र आमंत्रित किए जाते हैं। इसे छह चरणों में वर्गीकृत किया गया है:

- एचआर (समवन्य)
- विपणन
- संचालन
- आईटी वैश्लेषिकी
- वित्त
- कार्यनीति

समस्त छह शैक्षणिक क्लब इस आयोजन के संचालन के लिए उत्तरदायी हैं।

आईआईएम काशीपुर में सम्मिलन

अग्नित्रय

आईआईएम काशीपुर का आभूषण अग्नित्राय, प्रबंधन, खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के तीन दिव्य क्षेत्रों को एक साथ मिलकर एक तरह का त्योहार बनाने के लिए तैयार करता है, जो न केवल प्रतिस्पर्धा करने के लिए बल्कि भूगोल पर शासन करने के लिए भारत भर में प्रतिभाओं को लॉन्च करता है। प्रतियोगिताओं के साथ आपका दिल एक धड़कन को छोड़ देता है, प्रदर्शन जो आपको अपनी आत्मा को उठाते हुए प्रचंड और शीतकाल की हवाओं तक ले जाते हैं, अग्नित्रेय अविस्मरणीय अनुभवों, यादों और दोस्तों के साथ रहने के दौरान आपके भीतर की सुंदरता और जानवर को उजागर करता है।

अग्नित्रय आईआईएम काशीपुर का वार्षिक सांस्कृतिक, खेल-कूद और प्रबंधन उत्सव है। ७२ घंटे का लगातार शो, यह उत्तर भारत का सबसे ज्यादा समय तक चलने वाला उत्सव है।

23 नवंबर से 25 नवंबर 2015 तक आईआईएम काशीपुर में अग्नित्राय 45.0

उत्तिष्ठ

उत्तिष्ठ आईआईएम काशीपुर का वार्षिक ई-शिखर सम्मेलन है। उद्यमिता से संबंधित अपार ज्ञान और अनुभव के साथ छात्रों को श्रेष्ठ बनाने के लिए देश भर के उद्यमियों को बुलाया जाता है। यह कार्यक्रम छात्रों में उद्यमिता की भावना को समुन्नत करने के लिए समर्पित है। यह कार्यक्रम सफल स्टार्ट-अप के संस्थापक और निवेशकों में से कुछ के द्वारा आयोजित किया गया था।

आईआईएम काशीपुर में उत्तिष्ठ

TEDs

TEDs आईआईएम काशीपुर समृद्ध अनुभव से भरी एक निरंतर यात्रा है; हमें मोहक और नए स्थालों पर ले जा रहा है। यात्रा की शुरुआत 2014 में एक सरल विचार, आईआईएम काशीपुर के छात्रों के लिए 'आइडिया इन एक्शन' थीम के साथ आयोजन के लिए की गई थी, जिसने हमारे सोचने के तरीके को बदल दिया और हमारे दिमाग को मुक्त कर दिया। यह 2015 में भी जारी रहा, जो 'एक्ट्स लाओ बदलाव' विषय पर आधारित था। विकास की यात्रा में प्रगति, TEDs आईआईएम काशीपुर के तीसरे संस्करण का आयोजन 10 दिसंबर, 2016 को 'ब्रेकिंग बैरियर्स' थीम के साथ किया गया था, जहां 10 विशिष्ट अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त किए। 2018 TEDs के लिए थीम 'बियॉन्ड कॉनफिडिटी' थी।

टाईडीएक्स, आईआईएम काशीपुर में वक्तागज

यौन उत्पीड़न की रोकथाम

कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के लिए संस्थान की शून्य सहिष्णुता है और कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसार कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम, निषेध और निवारण पर एक नीति अपनाई है। कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की शिकायतों की रोकथाम और निवारण के लिए नियम। संस्थान उनकी जाति, लिंग, धर्म, रंग, राष्ट्रीयता, विकलांगता, आदि सभी महिला सहयोगियों (स्थायी, अस्थायी, संविदात्मक और प्रशिक्षुओं) के साथ-साथ संस्थान के कार्यालय में आने वाली किसी भी महिला को समान अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। परिसर या महिला सेवा प्रदाता इस नीति के तहत आते हैं। सभी कर्मचारियों को यौन उत्पीड़न से मुक्त कार्य वातावरण बनाए रखने की दृष्टि से गरिमा के साथ व्यवहार किया जाता है चाहे वह शारीरिक, मौखिक या मनोवैज्ञानिक हो।

वित्त वर्ष 2018-19 के दौरान, संस्थान को यौन उत्पीड़न की शून्य शिकायतें मिलीं। वर्ष के दौरान 90 से अधिक दिनों तक कोई भी शिकायत लंबित नहीं थी।

सतर्क तंत्र

संस्थान ने सतर्कता तंत्र स्थापित करने के लिए एक व्हिसल ब्लोअर (मुखबिर) नीति अपनाई है, जो निदेशकों और कर्मचारियों को अनैतिक व्यवहार, वास्तविक या संदिग्ध धोखाधड़ी या संस्थान की आचार संहिता या नैतिकता नीति के उल्लंघन के बारे में अपनी चिंताओं को रिपोर्ट करने के लिए एक औपचारिक तंत्र प्रदान करता है। नीति उन कर्मचारियों के उत्पीड़न के खिलाफ पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करती है जो तंत्र का लाभ उठाते हैं और संस्थान के निदेशक को सीधे पैठ प्रदान करते हैं। सतर्कता तंत्र की नीति कंपनी की वेबसाइट (URL: http://iimkashipur-ac-in/rti) पर सुशोभित है।

धारा 26 (3) के तहत कर्मचारियों के विवरणः

आईआईएम अधिनियम 2018 की धारा 26 (3) के तहत सूचना, संस्थान (कर्मचारी के विवरण) शून्य माना जा सकता है।

धारा 26 (4) के तहत आरक्षण, योग्यता और प्रतिकूल टिप्पणी के विवरणः

आईआईएम अधिनियम 2018 की धारा 26 (4) के तहत सूचना, संस्थान (लेखा-परीक्षकों की रिपोर्ट में सन्निहित आरक्षण, योग्यता और प्रतिकूल टिप्पणी) को शून्य के रूप में लिया जा सकता है।

धारा 26 (1) (बी) के तहत विवरणः

धारा 26 (1) (बी): वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए संस्थान तुलन-पत्र के 35.18 करोड किसी भी अधिशेष आरक्षित में ले जाना प्रस्तावित करता है।

धारा 26 (1) (सी) के तहत आय या व्यय की न्यूनोक्ति या अत्युक्ति में उद्यत लेखा-परीक्षकगण

धारा 26 (1) (सी): वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए लेखा-परीक्षकों की ओर से आय या व्यय के बारे में न्यूनोक्ति या अत्युक्ति को कोई भी अवलोकन नहीं पाया गया।

संस्थान के संकाय सदस्यों और अन्य कर्मचारियों सहित पांच अधिकारियों के नाम जिन्होंने उच्चतम पारिश्रमिक प्राप्त किया (ऐसे कर्मचारियों को भत्ते और अन्य भुगतान किए गए सहित) धारा 26 (2):

धारा 26 (2): अभिलेखों (प्रपत्र 16) के अनुसार, संस्थान के संकाय/ कर्मचारी का नाम, जिन्होंने वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान उच्चतम पारिश्रमिक प्राप्त किया है, वे इस प्रकार हैं:

नाम	राशि	योगदान
प्रोफेसर दिलीप कुमार	₹ 76.18 लाख	ऑन लाइन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम प्रबंधन विकास कार्यक्रम, संकाय विकास कार्यक्रम
प्रोफेसर सफल बत्रा	₹ 63.53 लाख	ऑन लाइन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम प्रबंधन विकास कार्यक्रम, संकाय विकास कार्यक्रम
प्रोफेसर कंपन मुखर्जी	₹ 44.90 लाख	ऑन लाइन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम प्रबंधन विकास कार्यक्रम, संकाय विकास कार्यक्रम
प्रोफेसर कुनाल कांत गांगुली	₹ 38.64 लाख	ऑन लाइन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम प्रबंधन विकास कार्यक्रम, संकाय विकास कार्यक्रम
प्रोफेसर राकेश कुमार अग्रवाल	₹ 37.75 लाख	ऑन लाइन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम प्रबंधन विकास कार्यक्रम, संकाय विकास कार्यक्रम

दीक्षांत समारोह 2019

आईआईएम काशीपुर ने 28 मार्च, 2019 बृहस्पतिवार को अपने 7 वें वार्षिक दीक्षांत समारोह की मेजबानी की। उद्योग, सरकार, सामाजिक क्षेत्र के प्रतिष्ठित अतिथि और जनता के सदस्यों ने शिरकत की। इस वर्ष, इस आयोजन की मुख्य अतिथि श्रीमती बेबी रानी मौर्य, उत्तराखंड की माननीया राज्यपाल थीं।

दीक्षांत समारोह के दौरान, 205 पोस्ट-ग्रेजुएट प्रोग्राम (पीजीपी) के छात्रों ने मास्टर इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, 27 एक्जीक्यूटिव पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (ईपीजीपीएम) के छात्रों को एक्जीक्यूटिव के लिए मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा और मैनेजमेंट में 1 एग्जीक्यूटिव फेलो प्रोग्राम प्राप्त किया। प्रबंधन में फैलो प्रोग्राम।

मुख्य अतिथि द्वारा निम्नलिखित छात्रों को शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए पदक प्रदान किए गए:

1) स्कोलास्टिक प्रदर्शन (पीजीपी) के लिए आईआईएम काशीपुर स्वर्ण पदक – श्री हर्षवर्धन झा

2) स्कोलास्टिक प्रदर्शन (पीजीपी) के लिए आईआईएम काशीपुर रजत पदक – श्री काशी वेंकटेश

3) स्कोलास्टिक प्रदर्शन (पीजीपी) के लिए आईआईएम काशीपुर कांस्य पदक – श्री सोहन सेनगुप्ता और श्री एस के मुर्शेद आलम

4) द आईआईएम काशीपुर 'ऑल राउंड परफ मैंस मेडल (पीजीपी) – श्री मयूर चौधरी

5) शैक्षिक प्रदर्शन के लिए आईआईएम काशीपुर स्वर्ण पदक (ईपीजीपीएम) – श्री दिनेश कुमार भारद्वाज

6) स्कोलास्टिक प्रदर्शन (ईपीजीपी) के लिए आईआईएम काशीपुर रजत पदक – श्री प्रदीप चोपड़ा

लेखा-परीक्षा विवरण
तथा
तुलन-पत्र

कार्यालय प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय) लखनऊ, शाखा कार्यालय प्रयागराज
''सत्यनिष्ठा भवन'' 15-ए, दयानन्द मार्ग, प्रयागराज-211001

पत्र सं०: प्र.नि.ले.प. (कें)/एस.ए.आर.-16/2019-20/ दिनांक : .10.2019

सेवा में,

सचिव, भारत सरकार,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
उच्च शिक्षा विभाग,
शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001

विषयः भारतीय प्रबन्ध संस्थान, काशीपुर, उत्तराखण्ड के वर्ष 2018-19 के लेखों पर पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट।

महोदय,

इस पत्र के माध्यम से भारतीय प्रबन्ध संस्थान, काशीपुर, उत्तराखण्ड के वर्ष 2018-19 के लेखा पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन (अंग्रेजी) तथा वार्षिक लेखे की प्रति अग्रसारित की जा रही है।

2. कृपया सुनिश्चित करें कि पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं सम्बन्धित लेखे संसद के दोनों सदनों के सम्मुख प्रस्तुत हुए।

3. कृपया पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखा को संसद के दोनों सदनों के समक्ष अन्तिम रूप-से प्रस्तुत करने की तिथि भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के साथ-साथ इस कार्यालय को भी सूचित करने का कष्ट करें।

संलग्नकः उपर्युक्तानुसार।

भवदीय,

प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय)

पत्र सं०: प्र.नि.ले.प. (कें)/एस.ए.आर.-16/2019-20/81 दिनांक : 14.10.2019

निदेशक, भारतीय प्रबन्ध संस्थान, काशीपुर, उत्तराखण्ड-244713 को उसके वर्ष 2018-19 के लेखा पर आधारित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन (अंग्रेजी) की प्रति आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है। संस्थान यदि आवश्यकता अनुभव करें तो इस प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद करवा सकता है परन्तु इस प्रतिवेदन के हिन्दी अनुवाद में निम्नलिखित अस्वीकरण (disclaimer) अंकित होना चाहिए :

''प्रस्तुत प्रतिवेदन मूलरूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी मे लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।''

हिन्दी अनुवाद की एक प्रति इस कार्यालय को भी प्रेषित करने का कष्ट करें।

उप निदेशक (केन्द्रीय व्यय)

भारतीय प्रबंध संस्थान, काशीपुर के 31 मार्च 2019 को समाप्त हुए वर्ष के लेखा खातों की भारतीय नियंत्रक और महालेखापरीक्षक द्वारा पृथक अंकेक्षण प्रतिवेदन।

1. नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्तियां एवं सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 19(2) लेखा-परीक्षा रिपोर्ट के तहत, हमने भारतीय प्रबंध संस्थान (संस्थान), काशीपुर की 31 मार्च 2019 को समाप्त हुए वर्ष के लिए संलग्न तुलन-पत्र तथा आय एवं व्यय लेखा प्राप्तियां व भुगतान लेखा को लेखा-परीक्षित किया है। भारतीय प्रबंध संस्थान अधिनियम, 2017 की धारा 23(3) के साथ पढ़ा जाए। इन वित्तीय विवरणों का उत्तरदायित्व संस्थान के प्रबंधन का है। हमारा उत्तरदायित्व हमारी लेखा-परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर एक राय व्यक्त करना है।

2. इस पृथक लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन में केवल वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखा प्रथाओं के अनुपालन, लेखा-परीक्षा मानकों और प्रकटीकरण मानदंडों आदि के संबंध में लेखांकन के तरीकों पर ही भारतीय नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियां शामिल हैं। कानून, नियम व विनियम (औचित्य एवं नियमितता) के साथ अनुपालन के संबंध में वित्तीय लेन-देन और दक्षता-सह-प्रदर्शन दृष्टिकोणों आदि पर लेखा-परीक्षा टिप्पणियां, यदि कोई हो तो, उन्हें अलग से निरीक्षण प्रतिवेदन/सीएजी के लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन में शामिल किया गया है।

3. हमने अपनी लेखा-परीक्षा का आयोजन आम तौर पर भारत में स्वीकृत लेखा परीक्षा के मानकों के अनुसार किया है। इन मानकों की आवश्यकता है कि हम लेखा-परीक्षा की योजना एवं आयोजन में यह सुनिश्चित करें कि दिया गया वित्तीय विवरण विषयगत गलतबयानी से मुक्त है। लेखा-परीक्षा प्रक्रिया में, परीक्षण के आधार पर जांच, राशि समर्थन साक्ष्य और वित्तीय विवरण का प्रकटीकरण शामिल होता है। लेखा-परीक्षा प्रक्रिया में उपयोग किए गए लेखा-परीक्षा सिद्धांतों का आकलन एवं प्रबंधन द्वारा किए गए महत्वपूर्ण अनुमान के साथ ही वित्तीय विवरण की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी समावेशित होता है। हम मानते हैं कि हमारी लेखा-परीक्षा हमारी राय के लिए एक उचित आधार प्रदान करती है।

4. हमारे द्वारा की गई लेखा-परीक्षा के आधार पर हम प्रतिवेदन करते हैं किः

i. हमने वह समस्त जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त किया है जो हमारे ज्ञान और विश्वास के अनुसार, हमारे लेखा-परीक्षा के प्रयोजनार्थ के लिए आवश्यक था।

ii. इस प्रतिवेदन में दिए गए तुलन-पत्र, आय एवं व्यय खाता और प्राप्तियां एवं भुगतान खाता मानव संसाधन विकास मंत्रालय, द्वारा विहित केंद्रीय उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए निर्धारित वित्तीय विवरणियाँ प्रारूप के अनुसार तैयार किए गए हैं।

iii. हमारी राय में अब तक ऐसी बहियों की हमारी जांच से प्रतीत होता है कि भारतीय प्रबंध संस्थान अधिनियम 2017 की धारा 23(1) के अंतर्गत यथापेक्षित भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर में लेखा-परीक्षा की उचित बहियाँ एवं अन्य सुसंगत अभिलेख क़ायम रखे हुए हैं।

iv. हम यह भी प्रतिवेदन करते हैं किः-

(क) सामान्य

बीमांकिक मूल्यनानुसार सेवावृत्ति लाभों हेतु प्रावधान प्रदान नहीं किया गया जोकि एमएचआरडी द्वारा विहित लेखाकरण मानक 15 एवं लेखा-प्रारुप का उल्लंघन है।

(ख) अनुदान सहायता

संस्थान ने 38.50 करोड़ रुपये की सहायता प्राप्त की। रुपये 78.57 करोड़ के अथशेष के बाद, उपलब्ध कुल निधि 117.06 करोड़ रुपये हो गई है, जिसमें से संस्थान ने 86.69 करोड़ रुपये का उपयोग किए और 31.03.2019 को रूपए 30.38 करोड़ रुपये अप्रयुक्त रहे।

(v) पहले पैराग्राफ में हमारी टिप्पणियों के अधीन, हम यह उल्लेख करते हैं कि इस प्रतिवेदन के साथ दिए गए तुलनपत्र, आय एवं व्यय खाता और प्राप्तियां एवं भुगतान खाता लेखा-परीक्षा पुस्तकों के अनुसार ही हैं।

(vi) हमारी राय तथा हमारी सर्वोत्तम जानकारी में एवं हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, इस लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन के अनुबंध संलग्नक में उल्लिखित लेखा-परीक्षा नीतियों और लेखा टिप्पणियों के साथ दिए गए उपर्युक्त महत्वपूर्ण मामलों और अन्य मामलों के अधीन पढ़ा जाने वाला वित्तीय विवरण भारत में सामान्य तौर पर स्वीकृत लेखा-परीक्षा सिद्धांतों के अनुरूप एक सच्चा और निष्पक्ष विचार प्रस्तुत करता हैः

क. अब तक यह 31 मार्च 2018 को भारतीय प्रबंध संस्थान, काशीपुर के वित्तीय मामलों की तुलन-पत्र से संबंधित है और

ख. अब तक यह उस तिथि को समाप्त हुए वर्ष के लिए अधिशेष के आय और व्यय खातों से संबंधित है।

स्थानः लखनऊ
दिनाँकः 11.10.2019

वास्ते एवं कृते भारतीय सीएण्डएजी

मुख्य लेखा परीक्षा निदेशक (केन्द्र)

संलग्नक

1. आंतरिक लेखा-परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तताः-

संस्थान की अपनी आंतरिक लेखा परीक्षा स्कंध नहीं है। हालांकि, वर्ष 2018-19 के दौरान संस्थान की आंतरिक लेखा-परीक्षा एजेंसी मैसर्स केआरए एंड कंपनी द्वारा कराई गई है।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्ताः-

आईआईएम, अधिनियम 2017 द्वारा यथापेक्षित भर्ती विनियम के गैर-नियमन द्वारा संस्थान में आंतरिक नियंत्रण प्रणाली को चिह्नित किया गया है।

3. अचल संपत्तियों के भौतिक सत्यापन की व्यवस्थाः

वर्ष 2018-19 के दौरान अचल संपत्तियों का भौतिक सत्यापन नहीं किया गया है। यह पिछली बार 2017-18 में किया गया है।

4. वस्तुसूची का भौतिक सत्यापनः

वर्ष 2018-19 के दौरान वस्तुसूचियों का भौतिक सत्यापन नहीं किया गया है।

5. सांविधिक बकाया राशि के भुगतान में नियमितताः

सांविधिक बकाया राशि के भुगतान में संस्थान नियमित है।

उप निदेशक (CE)

31 मार्च 2019 का तुलन-पत्र

(राशि रुपयों में)

विवरण	अनुसूची	31.03.2019 को समाप्त वर्तमान वर्ष	31.03.2018 को समाप्त पिछला वर्ष
निधियों के स्त्रोत			
कोष/पूंजी निधि	1	**4,175,182,466**	3,204,106,342
निर्दिष्ट/चिह्नित/अक्षयनिधि निधियां	2	**119,236,098**	74,632,839
वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	3	**428,602,111**	911,596,120
योग		**4,723,020,676**	**4,190,335,301**
निधियों का अनुप्रयोग			
अचल संपत्तियां	4		
मूर्त परिसंपत्तियां		**132,620,482**	117,256,535
पूंजीगत जारी कार्य		**2,804,762,317**	2,211,244,114
अमूर्त परिसंपत्तियां		**11,175,367**	801,427
अचल संपत्तियां (निवल ब्लॉक)		**2,948,558,167**	**2,329,302,076**
चिह्नित/अक्षयनिधि निधियों के निवेश	5	**94,456,297**	22,768,287
			-
निवेश अन्य	6	**1,065,000,000**	824,300,000
मौजूदा संपत्तियां	7	**230,532,115**	521,378,665
ऋण के अग्रिम एवं जमा	8	**384,474,096**	492,586,274
योग		**4,723,020,676**	**4,190,335,301**
उल्लेखनीय लेखा नीतियां	23		
आकस्मिक देयताएं एवं लेखा की टिप्पणियां	24		
1 से 24 तक अनुसची वित्तीय विवरणों का आंतरिक भाग रूप है			

स्थानः काशीपुर
दिनांकः 09.05.2019

वास्ते टी. नगर एवं कंपनी
चार्टरित लेखाकार

(डॉ. मधुकर गोयल)
लेखाधिकारी (लेखा)

(सुधीर चंद्रा)
वित्त परामर्शदाता

(डॉ. के.एन. बधानी)
निदेशक

(सी.ए. दीपांशु अग्रवाल)
(साझेदार)
एम न. 410844

वर्षांत 31 मार्च 2019 को आय एवं व्यय लेखा

(राशि रुपयों में)

विवरण	अनुसूची	31.03.2019 को समाप्त वर्तमान वर्ष		31.03.2018 को समाप्त पिछला वर्ष	
1. आय					
1.1 शैक्षणिक प्राप्तियां	9		**362,103,638**		279,893,632
पीजीपी आय	9.1	300,921,374		231,330,143	
ईपीजीपीएम आय	9.2	19,848,280		26,521,000	
ईएफपीएम आय	9.3	8,323,087		9,046,335	
एमडीपी आय	9.4	27,703,657		7,400,489	
परामर्शता आय	9.5	5,080,240		5,595,665	
एफपीएम प्राप्तियां	9.6	227,000		-	
1.2 अन्य आय			**342,860,628**		353,732,301
अनुदान एवं सहायता	10	183,542,558		237,952,719	
निवेशों से आय	11	77,668,496		58,616,192	
अर्जित ब्याज	12	66,524,126		56,365,757	
अन्य आय एवं वसूली	13	1,028,880		797,633	
अवधि–पूर्व आय (कैट अंश)	14	14,096,568		-	-
कुल आय (क)			**704,964,266**		**633,625,933**
2. व्यय					
2.1 कर्मचारीवृंद भुगतान एवं लाभ	15		**115,219,424**		113,871,334
2.2 शैक्षणिक व्यय	16		**152,557,123**		83,146,704
पीजीपी व्यय	16.1	85,091,103		56,995,512	
ईपीजीपीएम व्यय	16.2	11,252,696		3,778,805	
ईएफपीएम व्यय	16.3	1,399,211		1,256,997	
एमडीपी व्यय	16.4	19,548,316		-	
परामर्श व्यय	16.5	3,936,055		-	
एफपीएम व्यय	16.6	11,021,758		-	
अनुसंधान एवं विकास	16.7	20,307,984		21,115,390	
2.3 प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	17		**37,197,175**		43,041,373
2.4 परिवहन व्यय	18		**1,293,784**		1,865,829
2.5 मरम्मत एवं रख–रखाव	19		**4,427,090**		1,055,879
2.6 वित्त दर	20		**23,146**		7,401
2.7 मूल्य ह्वास	4		**17,390,116**		-5,469,245
2.8 अन्य व्यय	21		**-**		-
2.0 अवधि–पूर्व व्यय	22		**25,036,373**		-
कुल व्यय (ख)			**353,144,232**		**237,519,276**
व्यय से अधिक आय के कारण शेष (क)–(ख) कोष में अंतरित			**351,820,034**		**396,106,657**
योग			**704,964,266**		**633,625,933**
उल्लेखनीय लेखा नीतियां	23				
आकस्मिक देयताएं एवं लेखा की टिप्पणियां	24				
1 से 24 तक अनुसची वित्तीय विवरणों का आंतरिक भाग रूप है					

स्थानः काशीपुर
दिनांकः 09.05.2019

वास्ते टी. नगर एवं कंपनी
चार्टरित लेखाकार

(डॉ. मधुकर गोयल)
लेखाधिकारी (लेखा)

(सुधीर चंद्रा)
वित्त परामर्शदाता

(डॉ. के.एन. बधानी)
निदेशक

(सी.ए. दीपांशु अग्रवाल)
(साझेदार)
एम न. 410844

वर्षांत 31 मार्च 2019 को प्राप्तियां एवं भुगतान लेखा

(राशि रुपयों में)

प्राप्तियां	मौजूदा वर्ष	पिछला वर्ष	भुगतान	मौजूदा वर्ष	पिछला वर्ष
I. अथ शेष			I. व्यय		
a) नकद शेष			a) स्थापना व्यय	115,219,424	112,395,918
b) बैंक में शेष			b) शैक्षणिक व्यय	152,557,123	72,331,158
I. चालू खातों में			c) प्रशासनिक व्यय	37,197,175	50,303,936
II. जमा खातों में			d) परिवहन व्यय	1,293,784	1,865,829
III. बचत खातों में	504,874,617	266,573,925	e) मरम्मत एवं रख–रखाब	4,427,090	1,055,879
			f) वित्त दर	23,146	-
			g) अवधि–पूर्व व्यय	25,036,373	-
II. प्राप्त अनुदान			II. चिह्नित/अक्षयविधि निधियों के तहत भुगतान	2,828,963	-
a) भारत सरकार से	295,200,000	911,028,000			
b) राज्य सरकार से	-	-			
c) अन्य स्रोतों से (ब्यौरा)	-	-			
पूंजी एवं राजस्व व्यय हेतु प्राप्त अनुदान यदि हो, तो अलग से दर्शाया जाए					
III. शैक्षणिक प्राप्तियां	362,103,638	274,857,831	III. प्रायोजित परियोजना/योजनाओं के तहत भुगतान	-	23,690,735
IV. निर्धारित/अक्षय निधि के तहत प्राप्तियां	45,030,369	2,956,726	IV. प्रायोजित अध्येतावृत्ति/छात्रवृत्ति के तहत भुगतान	6,079,960	4,193,509
V. प्रायोजित परियोजनाओं/योजनाओं/कार्यक्रम के तहत प्राप्तियां	-	16,978,312	V. किए गए निवेश व जमा		
			a) चिह्नित/अक्षयनिधि निधियों के अलावा	71,688,010	6,917,152
			b) स्व निधियों के अलावा (अन्य–निवेश)	724,000,000	376,500,000
VI. प्रायोजित फैलोशिप/छात्रवृत्ति के तहत प्राप्तियां	3,928,310	8,807,009	VI. अनुसूचित बैंकों में सावधि जमा		
VII. पर निवेश से आय	-	-	VII. स्थायी परिसंपत्ति व पूंजीगत कार्यों में प्रगति		
a) चिह्नित/अक्षय निधि निधियाँ	-	-			
b) अन्य निवेश	77,668,496	95,079,852	a) स्थायी परिसंपत्ति	89,838,124	11,392,193
			b) प्रगति पर पूंजीगत कार्य	593,518,204	379,642,784
VIII. प्राप्त ब्याज			VIII. सांविधिक भुगतान सहित अन्य भुगतान		
a) बैंक जमा	-	-			
b) ऋण और अग्रिम	52,442,709	-			
c) बचत बैंक खाते व अन्य	14,081,417	19,902,097			
IX. नकदीकृत निवेश	483,300,000	155,600,000	IX. अनुदान की वापसी		
X. नकदीककृत अनुसूचित बैंकों में सावधि जमा	-	-	X. जमा एवं अग्रिम (देनदारी)	3,931,729	356,090,262
XI. अन्य आय (अवधि–पूर्व आय सहित)	15,125,448	6,266,878	XI. अन्य भुगतान		
XII. जमा एवं अग्रिम	193,578,645	143,203,343	XII. अंत शेष		
			a) नकद (हाथ में)	-	-
			b) बैंक शेष		
			चालू खाता	-	-
			बचत खाता	219,694,544	504,874,617
			जमा खाता	-	-
कुल	**2,047,333,650**	**1,901,253,972**	**TOTAL**	**2,047,333,650**	**1,901,253,972**

स्थानः काशीपुर
दिनांकः 09.05.2019

वास्ते टी. नगर एवं कंपनी
चार्टरित लेखाकार

(डॉ. मधुकर गोयल)
लेखाधिकारी (लेखा)

(सुधीर चंद्रा)
वित्त परामर्शदाता

(डॉ. के.एन. बधानी)
निदेशक

(सी.ए. दीपांशु अग्रवाल)
(साझेदार)
एम न. 410844

अनुसूची-1 कोष/पंजीगत निधि

(राशि रुपयों में)

	विवरण	2018-19	2017-18
1	**कोष निधि**		
	अथ शेष	874,804,266	478,697,609
	जोड़ें: आय एवं व्यय खाते से अंतरित	351,820,034	396,106,657
	योग (1)	**1,226,624,300**	**874,804,266**
2	**पूंजीगत निधि**		
	2.1 भव निधि		
	अथ शेष	2,232,295,688	1,929,768,133
	जोड़ें: पूंजीगत व्यय हेतु सरकारी अनुदान से प्राप्त नियतन	656,652,186	399,533,943
	घटाएं: मूल्य ह्वास निधि से अंतरित	3,367,836	
	उप योग (2.1)	**2,885,580,038**	**2,329,302,076**
	2.2 सामान्य परिसंपत्तियां निधि		
	अथ शेघ	97,006,387	-
	जोड़ें: पूंजीगत व्यय हेतु सरकारी अनुदान से प्राप्त नियतन	26,704,142	-
	घटाएं: मूल्यह्वास निधि से अंतरित	60,732,401	
	उपयोग (2.2)	**62,978,128**	**-**
	योग (2)	**2,948,558,166**	**2,329,302,076**
	कुल योग (1+2)	**4,175,182,466**	**3,204,106,342**

अनुसूची-2 निर्दिष्ट/चिह्नित/अक्षयनिधि निधियां

(राशि रुपयों में)

ब्यौरा	निधिवार ब्यौरा							योग	
	स्टाफ कल्याण निधि	पूर्व छात्र निधि	मूल्य ह्वास निधि	छात्र कल्याण निधि	छुट्टी नकदीकरण निधि	समूह उपदान निधि	एमडीपी विकास निधि	मौजूदा वर्ष	पिछला वर्ष
A									
अ) अथ शेष	**2,401,852**	**4,258,021**	**46,710,120**	**235,500**	**11,309,559**	**11,458,727**	**660,912**	**77,034,692**	**71,676,113**
ख) वर्ष के दौरान परिवृद्धि	1,436,993	1,852,000	17,390,116	-	6,390,399	7,123,710	4,939,824	39,133,042	2,956,726
ग) निधियों से किये गय निवेशों से आय	257,295	462,961	4,776,923	23,866	-	-	376,282	5,897,327	-
घ) निवेशों/अग्रिमों पर उपार्जित ब्याज	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ड़) बैंक में बचत खाते पर ब्याज	-	-	-	-	-	-	-	-	-
च) अन्य परिवृद्धि (प्रकार बताए)	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (अ)	**4,096,140**	**6,572,982**	**68,877,159**	**259,366**	**17,699,959**	**18,582,438**	**5,977,018**	**122,065,061**	**74,632,839**
आ)									
निधियों के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय									-
i. पूंजीगत व्यय	-	-	-	-	678,706	1,682,393	-	2,361,099	-
ii. राजस्व व्यय	-	301,203	-	-	-	-	166,661	467,864	-
योग (आ)	**-**	**301,203**	**-**	**-**	**678,706**	**1,682,393**	**166,661**	**2,828,963**	**-**
वर्ष के अंत में शेष (अ–आ)	**4,096,140**	**6,271,779**	**68,877,159**	**259,366**	**17,021,253**	**16,900,045**	**5,810,357**	**119,236,098**	**74,632,839**
प्रतिनिधित्व									
नकद एवं बैंक में शेष		-	-	-	-	-	-	-	-
निवेश	**2,950,000**	**6,100,000**	**46,800,000**	**235,000**	**17,021,253**	**16,900,045**	**4,450,000**	**94,456,297**	**71,676,113**
उपार्जित ब्याज किंतु अदेय योग		-	-	-	-	-	-	-	-

अनुसूची-3 मौजूदा देनदारियां एवं प्रावधान

विवरण	2018-19	2017-18
अ. मौजूदा देनदारियां		
1. कर्मचारीवृंदों से जमा	1,014,993	250,580
2. विद्यार्थियों से जमा	16,902,021	10,796,584
3. विविध लेनदार		
a) माल एवं सेवाएं	-	12,722,985
4. जमा–अन्य		
a) सुरखा निधियां एवं बयाना जमा	17,472,850	12,206,632
5. सांविधिक देनदारियां		
a) सांविधिक देनदारियां (टीडीएस, जीएसटी, श्रमकर, एपीएस)	6,303,118	10,613,166
6. अन्य मौजूदा देनदारियां		
a) परामर्शता परियोजनाएं	1,733,528	-
b) प्रबंधन विकास कार्यक्रम	12,502,500	-
c) प्रायोजित अध्येतावृत्ति एवं छात्रवृत्तियां के तहत प्राप्तियां	3,557,450	5,709,100
d) अप्रयुक्त अनुदान	303,792,597	785,691,482
e) अनुसंधान परियोजनाएं	2,518,184	-
f) वेतन	-	43,560
g) कर्मचारी कल्याण निधि	-	5,128,420
h) अन्य देनदारियां	854,602	10,478,699
i) परियोजना के तहत ऋण	-	1,081,396
j) एसजीएस बीजी नकदीकरण एवं अन्य	8,500,000	-
h) एसपीसीपीएल	5,195,854	-
योग (अ)	**380,347,697**	**854,722,604**
ब. प्रावधान		
a) वेतन हेतु	6,898,046	-
b) प्रावधान 18–19	41,356,368	56,873,516
योग (ब)	**48,254,414**	**56,873,516**
योग (अ + ब)	**428,602,111**	**911,596,120**

अनुसूची-3(b) प्रायोजित अध्येतावृत्ति एवं छात्रवृत्तियां

क्रमांक	2. प्रायोजक का नाम	01.4.18 को अथ शेष		वर्ष के दौरान लेन–देन		31.03.19 को अंत शेष	
		जमा	नामे	जमा	नामे	जमा	नामे
1	जनजातीय कार्य मंत्रालय	930,080		731,160	930,080	731,160	
2	सामाजिक न्याय मंत्रालय	4,779,020	-	1,334,820	3,913,940	2,199,900	-
3	महाराष्ट्र सरकार	-	-	1,862,330	1,235,940	626,390	-
	योग	**5,709,100**	-	**3,928,310**	**6,079,960**	**3,557,450**	-

अनुसूची-3(c) अनुसूची 3(ग) भारत सरकार से प्राप्त अप्रयुक्त अनुदान

विवरण	2018-19	2017-18
भारत सरकार से प्रापत योजना अनुदान		
अग्रेषित शेष	**785,691,482**	**503,651,178**
जोड़ें: वर्ष के दौरान प्राप्तियां		-
जीआईए–पूंजीगत सर्जन (निर्माण)	270,000,000	637,500,000
जीआईए– वेतन	-	140,000,000
जीआईए–सामान्य	115,000,000	133,528,000
योग (क)	**1,170,691,482**	**1,414,679,178**
घटाएं: वापसी	-	-
घटाएं: राजस्व व्यय में प्रयुक्त	-	-
अ) वेतन	60,571,359	112,395,918
ब) सामान्य	122,971,199	125,556,801
घटाएं: राजस्व व्यय में प्रयुक्त		
अ) स्थायी परिसंपत्ति	89,838,124	11,392,193
ब) डबल्यु आई जी	593,518,204	379,642,784
योग (ख)	**866,898,886**	**628,987,696**
अप्रयुक्त अनुदान (क)–(ख)	**303,792,597**	**785,691,482**

अनुसूची-4 स्थायी परिसंपत्ति

2018–19 हेतु स्थायी परिसंपत्ति अनुसूची (आईआईएम काशीपुर)

क्रम सं.	परिसंपत्ति शीर्ष	सफल ब्लॉक					मूल्यह्वास ब्लॉक				नेट ब्लॉक	
		प्रतिवर्ष दर (एसएल एम)	01.04.2018 को अथ शेष	वर्ष के दौरान परिवृद्धि	समा./ बट्टा खाता (मूल्य ह्वास् विधि परिवर्तन के कारण)	31.03.19 को अंत	मूल्यह्वास अथ शेष	वर्ष हेतु मूल्य ह्वास	समा./ बट्टा खाता (मूल्य ह्वास् विधि परिवर्तन के कारण)	कुल मूल्य ह्वास	31.03.19 को	31.3.2018 को
	1	2	3	4	6	7	8	9	10	11	12	13
अ	मूर्त परिसंपत्ति											
1	भूमि (पूर्ण सवामित्व)	0.00%	1	-	-	1	-	-	-	-	1	1
2	स्थल विकास	0.00%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3	भवन	2.00%	-	63,133,983	-	63,133,983	-	1,262,680	-	1,262,680	61,871,303	-
4	चारदीवारी	2.00%	21,051,573	-	-	21,051,573	1,684,125	421,031	-	2,105,156	18,946,417	19,367,448
5	सड़क व पुल	2.00%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5	नलकूप एवं जल आपूर्ति	2.00%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
6	मल–जल एवं निकासी	2.00%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
7	विद्युतीय स्थापना एवं उपकरण	5.00%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
8	संयंत्र एवं यंत्र	5.00%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
9	वैज्ञानिक और प्रयोगशाला उपकरण	8.00%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10	कार्यालयीन उपकरण	7.50%	25,422,144	499,489	-	25,921,633	9,185,425	1,944,122	-	11,129,547	14,792,086	16,236,719
11	दृश्य श्रृव्य उपकरण	7.50%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
12	कंप्यूटर एवं सहायक उपकरण	20.00%	19,894,177	2,016,291	-	21,910,468	14,037,032	1,358,305	-	15,395,337	6,515,131	5,857,145
13	फर्नीचर	7.50%	22,087,242	3,563,590	-	25,650,832	8,875,356	1,923,812	-	10,799,168	14,851,664	13,211,886
14	वाहन	10.00%	43,185	-	-	43,185	15,356	4,319	-	19,675	23,510	27,829
15	पुस्त. पुस्तकें एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएं	10.00%	28,256,868	1,999,160	-	30,256,028	11,610,055	3,025,603	-	14,635,658	15,620,370	16,646,813
16	अल्प मूल्य परिसंपत्ति	100.00%	501,345	-	-	501,345	501,345	-	-	501,345	0	0
	योग (अ)		**117,256,535**	**71,212,513**	**-**	**188,469,048.42**	**45,908,694**	**9,939,872**	**-**	**55,848,566**	**132,620,482**	**71,347,840**
ब	**प्रक्रियाधीन पूंजी कार्य**		-									-
17	भवन निर्माण	0%	1,964,508,879	454,216,269	-	2,418,725,148	-	-	-	-	2,418,725,148	1,964,508,879
18	अन्य आकस्मिक व्यय	0%	246,735,235	139,301,935	-	386,037,169	-	-	-	-	386,037,169	246,735,235
	कुल (ब)		**2,211,244,114**	**593,518,204**	**-**	**2,804,762,317**	**-**	**-**	**-**	**-**	**2,804,762,317**	**2,211,244,114**
स	अमूर्त संपत्तियां											
19	कंप्यूटर सॉफ्टवेअर	40%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
20	ई–पत्रिकाएं/वेब विकास	40%	801,427	18,625,611	-	19,427,038	801,427	7,450,244	-	8,251,671	11,175,367	-
21	पेटेंट (9 वर्ष)		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	योग (स)		**801,427**	**18,625,611**	**-**	**19,427,038**	**801,427**	**7,450,244**	**-**	**8,251,671**	**11,175,367**	**-**
	कुल योग (अ + ब + स)		**2,329,302,076**	**683,356,328**	**-**	**3,012,658,404**	**46,710,121**	**17,390,116**	**-**	**64,100,237**	**2,948,558,167**	**2,282,591,954**

अनुसूची-5 चिह्नित/अक्षयनिधि निधियों से प्राप्त निवेश

निधियां	2018–19	2017–18
1. निवेश मूल्यह्वास निधि	46,800,000	-
2. निवेश उपदान निधि (एलआईसी के साथ)	16,900,045	11,458,727
3. निवेश छुट्टी नकदीकरण निधि (एलआईसी के साथ)	17,021,253	11,309,559
4. निवेश एमडीपी विकास निधि	4,450,000	-
5. निवेश पजीपी पूर्व–छात्र निधि	6,100,000	-
6. निवेश कर्मचारीवृंद कल्याण निधि	2,950,000	-
7. निवेश विद्यार्थी कल्याण निधि	235,000	-
योग	**94,456,297**	**22,768,287**

अनुसूची-6 अन्य निवेश

	2018-19	2017-18
1. बैंकों में सावधि जमा	1,065,000,000	824,300,000
योग	**1,065,000,000**	**824,300,000**

अनुसूची-7 मौजूदा परिसंपत्ति

विवरण	2018-19	2017-18
1. हस्तगत स्टॉक (लेखन–सामग्री एवं विद्युत)		
लेखन–सामग्री एवं विद्युत वस्तु	936,797	181,154
2. विविध देनदार	8,177,871	6,699,492
3. नकद एवं बैंक शेष		
a) नकद (हाथ में)	-	-
b) अनुसूचित बैंकों में	-	-
एक्सिस बैंक खाता (910010036882042)	-	6,442
पीएनबी खाता (4534000100028306)	103,736,180	480,048,338
पीएनबी खाता (4534000100085897)	1,350	-
यश बैंक लि. (005394600000021)	-	1,955,578
आइडीबीआई बैंक	-	633,415
आरबीएल बैंक (309006195247)	12,335,285	-
एसबीआई	102,887,312	21,768,703
एसबीआई (वर्ल्ड बैंक परियोजना)	734,417	462,141
4. प्राप्य		
प्राप्य शुल्क	1,641,507	4,519,626
अन्य प्राप्य	81,396	5,103,776
योग	**230,532,115**	**521,378,665**

अनुसूची-8 ऋण, अग्रिम एवं जमा

विवरण	2018-19	2017-18
1. कर्मचारीवृंद को अग्रिम (ब्याज रहित)		
a) वेतन / पर्व / चिकित्सा अग्रिम	-	-
b) अन्य (कर्मचारीवृंदों को)	959,992	1,055,307
2. कर्मचारीवृंदों को दीर्घवधि अग्रिम (ब्याज सहित)		
a) गृह / वाहन / अन्य ऋण	-	-
3. नकद या वस्तु के रुप में प्राप्य अग्रिम एवं अन्य राशि		
a) पूंजीगत खाते पर	63,860,145	171,430,354
b) ठेकेदारों को (संग्रहण एवं अन्य)	94,365,007	204,596,950
c) विद्यार्थियों को	138,771	71,126
d) अन्य	8,266,820	7,436,090
4. पूर्वसंदत्त व्यय		
a) बीमा एवं अन्य	5,424,967	3,797,864
5. जमा		
a) टेलीफोन	16,999	16,500
b) पट्टा किराया	973,900	949,140
c) विद्युत	4,046,504	4,046,504
d) अन्य (भोजनालय गैस)	46,500	46,500
6. अर्जित आय		
a) निवेशों पर (ब्याज)	96,154,077	79,891,002
7. अन्य प्राप्य		
a) प्राप्य अनुदान (एमएचआरडी से)	89,800,000	7,018,699
8. प्राप्य दावे	-	-
a) प्राप्य टीडीएस	20,420,414	12,033,239
b) अन्य	-	196,998
योग	**384,474,096**	**492,586,274**

अनुसूची-9 शैक्षणिक प्राप्तियाँ

विवरण	2018-19	2017-18
अनुसूची 9.1 स्नातकोत्तर कार्यक्रम		
पुस्तकें एवं पाठ्यक्रम सामग्री	30,984,600	23,723,275
छात्रावास शुल्क	58,778,550	45,966,385
विद्यार्थीगण कार्यकलाप/कल्याण	5,740,770	4,500,144
शिक्षा–शुल्क	167,784,415	133,317,272
कंप्यूटर शुल्क	10,664,800	8,349,814
पुस्तकालय शुल्क	10,672,200	8,357,544
स्थापन शुल्क	5,642,500	4,414,500
दंड एवं अन्य शुल्क	3,304,338	314,310
पुनर्गठन कार्यक्रम शुल्क	694,411	1,548,199
चिकित्सा शुल्क	1,036,000	838,700
अन्य (प्राप्ति) से प्राप्त छात्रवृत्तियां	5,618,790	-
योग (9.1)	**300,921,374**	**231,330,143**
अनुसूची 9.2 प्रबंधन कार्यपालक स्नातकोत्तर कार्यक्रम		
आवेदन शुल्क	84,000.00	-
पाठ्यक्रम सामग्री शुल्क	692,200.00	-
पुस्तकालय शुल्क	479,800.00	-
शिक्षा–शुल्क	18,592,280.00	-
योग (9.2)	**19,848,280**	**26,521,000**
अनुसूची 9.3 प्रबंधन कार्यपालक स्नातकोत्तर कार्यक्रम (ईएफपीएम)		
आवेदन शुल्क	213,000.00	-
शिक्षा–शुल्क	7,070,000.00	-
आवास/भोजन	1,016,667.00	-
अन्य शुल्क	23,420.00	-
योग (9.3)	**8,323,087.00**	**9,046,335.00**
अनुसूची 9.4 प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी)		
मुक्त कार्यक्रम शुल्क	-	-
प्रायोजित कार्यक्रम शुल्क	27,703,657	-
योग (9.4)	**27,703,657**	**7,400,489**
अनुसूची 9.5 परामर्श आय		
परामर्शता आय	5,080,240	-
योग (9.5)	**5,080,240**	**5,595,665**
अनुसूची 9.6 एफपीएम प्राप्तियां		
आवेदन/अन्य शुल्क	227,000	-
योग (9.6)	**227,000**	-
कुल योग (9.1 से 9.6)	362,103,638	**279,893,632**

अनुसूची-10 अनुदान एवं सहायिकी (प्राप्त उपप्रतिसंहरणीय अनुदान)

विवरण	भारत सरकार	मौजूदा वर्ष का योग	पिछले वर्ष का योग
अग्रानीत शेष	785,691,483	785,691,483	503,651,178
जोड़ें: वर्ष के दौरान संस्वीकृत/प्राप्ति	385,000,000	385,000,000	911,028,000
योग	**1,170,691,483**	**1,170,691,483**	**1,414,679,178**
घटाएं: पूंजीगत व्यय हेतु प्रयुक्त (क)	683,356,328	683,356,328	391,034,976
शेष	487,335,155	487,335,155	1,023,644,202
घटाएं: राजस्व व्यय हेतु प्रयुक्त	183,542,558	183,542,558	237,952,719
कोष में अंतरित			
अग्रेनीत शेष	**303,792,597**	**303,792,597**	**785,691,483**

अनुसूची-11 निवेश से आय

विवरण	चिह्नित/अक्षयनिधि निधियां		अन्य निवेश	
	मौजूदा वर्ष	पिछला वर्ष	मौजूदा वर्ष	पिछला वर्ष
चिह्नित/अक्षयनिधि निधि से प्राप्त निवेश				
1) (a) निधियों की आवधिक जमा से ब्याज	5,897,327	-		
(b) आवधिक जमाओं पर ब्याज	-	-	77,668,496	58,616,192
2) अक्षयनिधि/चिह्नित निधियों के बचत खाता बैंक खातों से ब्याज	-	-		
योग	**5,897,327**	-	**77,668,496**	**58,616,192**
चिह्नित/अक्षयनिधि विधियों को अंतरित	5,897,327			
शेष	-	-		

अनुसूची-12 अर्जित ब्याज

विवरण	मौजूदा वर्ष	पिछला वर्ष
1. अनुसूचित बैंकों से बचत खातों पर	14,081,417	19,902,097
2. बकाएदारों व अन्य से प्राप्य	52,442,709	36,463,660
योग	**66,524,126**	**56,365,757**

अनुसूची-13 अन्य आय

विवरण	2018-19	2017-18
A. भूमि एवं भवन से प्राप्त आय		
1. किराया	334,413	-
2. लाइसेन्स शुल्क	223,833	298,649
3. प्रेक्षागृह/क्रीड़ा–स्थल/सम्मेलन कक्ष इत्यादि के किराए प्रभार	-	215,000
योग	**558,246**	**513,649**
B. संस्थान प्रकाशनों की बिक्री	**-**	-
C. धारित आयोजनों से आय	**-**	-
योग	**-**	**-**
D. अन्य		
1. आरटीआई शुल्क	340	1,838
2. आवेदन–पत्रों का विक्रय (भर्ती)	22,275	143,529
3. विविध प्राप्तियां (निविदा प्रक्रम शुल्क इत्यादि)	45,822	138,617
4. पुस्तकालय पुस्तकों के विलंब से जमा करने पर अर्थदंड	183,256	-
5. विविध आय	218,942	-
योग	**470,635**	**283,984**
कुल योग (क+ख+ग+घ)	**1,028,880**	**797,633**

अनुसूची-14 अवधि-पूर्व आय

विवरण	2018-19	2017-18
1. कैट शेयर	14,096,568	-
योग	**14,096,568**	**-**

अनुसूची-15 कर्मचारीवृंदों को भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)

विवरण	2018-19	2017-18
a) वेतन एवं भत्ते		
मूल वेतन	69,729,444	48,885,690
महंगाई भत्ता	8,319,429	32,368,216
मकान किराया भत्ता	896,443	623,661
वाहन भत्ता	1,867,938	2,024,137
b) अन्य लाभ		
चिकित्सा	5,256,055	5,695,591
एलटीए	5,823,634	5,112,577
बोनस	451,898	-
टेलीफोन	573,111	728,251
शिक्षा–शुल्क की प्रति पूर्ति (संतान शिक्षा भत्ता)	734,140	451,473
सीपीडीए	2,366,659	2,787,025
एफडीए	1,623,579	1,608,813
एसडीए	838,882	707,145
c) सेवांत हितलाभ		
एनपीएस को अंशदान	6,400,479	5,961,604
उपदान अंशदान	5,465,914	3,597,959
छुट्टी नकदीकरण अंशदान	4,837,852	3,319,193
भविष्य निधि को अंशदान	33,968	-
योग	**115,219,424**	**113,871,334**

अनुसूची-16 शैक्षणिक व्यय

विवरण	2018-19	2017-18
अनुसूची 16.1 स्नातकोत्तर कार्यक्रम		
प्रवेश व्यय	5,296,338	4,586,644
परिवहन व्यय	2,306,719	2,687,578
अभ्यागत संकाय मानदेय	6,724,200	5,442,080
पीजीपी–अभ्यागत संकाय टीए	3,189,173	775,600
पीजीपी पुस्तकें एवं पाठ्यक्रम सामग्री	22,718,428	20,225,607
पीजीपी प्रवेशन व्यय	1,392,915	1,046,826
पीजीपी परीक्षा व्यय	429,680	490,970
दीक्षांत–समारोह व्यय	3,611,699	1,329,523
चिकित्सा व्यय	811,420	851,760
छात्रावास व्यय	12,031,907	392,864
आकस्मिकता एवं अन्य व्यय	379,523	3,144
स्थापन व्यय	4,026,272	2,950,660
विद्यार्थी कार्य–कलाप	2,301,299	3,869,360
संकाय पारितोषिक पॉइंट	9,310,077	8,028,206
योग (क)	**74,529,650**	**52,680,822**
पीजीपी छात्र वृत्ति		
छात्र वृत्ति आधारित योग्यता	4,942,663	4,314,690
अन्य से प्राप्त छात्र वृत्ति (प्रदत्त)	5,618,790	-
योग (ब)	**10,561,453**	**4,314,690**
योग अ+ब	**85,091,103**	**56,995,512**
अनुसूची 16.2 प्रबंधन का कार्यपालक स्नातकोत्तर कार्यक्रम (ईपीजीपीएम)		
प्रवेश विज्ञापन एवं प्रचार	456,930	210,414
पुस्तकें एवं विद्वता स्त्रोत	2,288,127	1,020,107
आतिथ्य भोजन एवं आवास	667,507	733,672
अभ्यागत संकाय मानदेय	1,071,954	537,500
कार्यालय व्यय, पी एवं एस तथा आकस्मिकता	320,357	182,169
ईपीजीपीएम किराया	1,451,717	574,874

अभ्यागत संकाय टीए/डीए व्यय	733,614	520,069
ईपीजीपीएम वेतन व्यय	3,413,510	-
ईपीजीपीएम सुरक्षा	848,980	-
योग	**11,252,696**	**3,778,805**
अनुसूची 16.3 प्रबंधन का कार्य पालक अध्येता कार्यक्रम (ईएफपीएम)		
प्रवेश व्यय (विज्ञापन एवं प्रवेश)	155,500	12,071
पुस्तकें एवं विद्वता स्त्रोत	105,838	58,812
भोजन एवं आवास व्यय	926,302	1,080,680
अभ्यागत संकाय मानदेय	154,000	60,474
अभ्यागत संकाय यात्रा व्यय	17,888	21,710
आकस्मिकता एवं अन्य	39,683	23,250
योग	**1,399,211**	**1,256,997**
अनुसूची 16.4 प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी)		
प्रचार व्यय	91,137	-
राजस्व व्यय	19,457,179	-
योग	**19,548,316**	**-**
अनुसूची 16.5 परामर्शता व्यय		
परामर्श व्यय	3,936,055	-
योग	**3,936,055**	**-**
अनुसूची 16.6 एफपीएम व्यय		
पुस्तकें एवं विद्वता स्त्रोत	168,130	-
आकस्मिकता व्यय	134,665	-
छात्रवृत्ति/वृत्तिका व्यय	9,059,705	-
आकस्मिकता अनुदान	421,906	-
अभ्यागत संकाय व्यय	365,950	-
उपकरण अनुदान	649,000	-
शैक्षणिक व्यय	222,402	-
योग	**11,021,758**	**-**
अनुसूची 16.7 अनुसंधान एवं विकास व्यय		
अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	3,529,359	3,933,994
राष्ट्रीय सम्मेलन	356,555	279,707
कर्मचारीवृंद–क्षमता निर्माण	198,416	74,318
एएसीएसबी प्रत्यायन	24,117	1,491,726
आईआरसी	9,353	6,700
एमपीआरसी	74,769	-
अन्य पुस्तकालय स्त्रोत	9,745,707	11,821,819
अनुसंधान एवं विकास व्यय	569,171	419,656
सॉफ्टवेयर लाइसेन्स	1,526,695	1,785,768
वेब रख–रखाव	3,616,798	244,040
उद्यम स्त्रोत योजना (ईआरपी)	151,432	126,358
आईटी रख–रखाब (एएमसी)	505,613	931,304
योग	**20,307,984**	**21,115,390**
कुल योग (16.1 से 16.7)	**152,557,123**	**83,146,704**

अनुसूची-17 प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय

विवरण	2018-19	2017-18
A. अवसंरना		
विद्युत एवं ऊर्जा तथा ईंधन	10,370,854	11,894,417
बीमा	1,926,538	1,288,279
B. संचार		
डाक एवं लेखन–सामग्री व्यय	80,149	143,618
टेलीफोन, फैक्स एवं इंटरनेट प्रभार	51,188	268,890
C. अन्य		
मुद्रण एवं लेखन–सामग्री	425,081	951,947
यात्रा एवं वाहन व्यय	186,913	207,544
आतिथ्य (आतिथ्य एवं अतिथि गृह व्यय)	476,981	202,762
लेखा–परीक्षा शुल्क एवं व्यय	245,573	431,801
सुरक्षा व्यय	6,130,319	9,043,154
यात्रा भत्ता/महंगाई भत्ता एवं समयोपरि	980,954	190,768
किराए पर लिए आवासों का किराया	1,990,621	3,874,731
बीओजी व्यय	1,265,173	1,187,144
कार्यालय सफाई एवं अनुरक्षण/कार्यालय रख–रखाब	7,569,819	10,641,854
विधिक व्यय	1,273,262	250,824
सरकारी समारोह	154,635	134,773
भर्ती व्यय	3,245,494	1,148,370
अन्य व्यय (व्यवसायिक एवं विविध व्यय)	543,272	834,318
कर्मचारीवृंद कल्याण	280,350	-
भविष्य निधि में अंशदान	-	346,180
योग	**37,197,175**	**43,041,373**

अनुसूची-18 परिवहन व्यय

विवरण	2018-19	2017-18
परिवहन व्यय	1,293,784	1,865,829
योग	**1,293,784**	**1,865,829**

अनुसूची-19 मरम्मत एवं रख-रखाब (अनुरक्षण)

विवरण	2018-19	2017-18
a) भवन	3,351,500	147,305
b) कार्यालय उपकरण	1,043,072	768,542
c) फर्नीचर एवं अन्य	32,518	140,032
योग	**4,427,090**	**1,055,879**

अनुसूची-20 वित्त दर

विवरण	2018-19	2017-18
a) बैंक प्रचार	12,453	-
b) अन्य (एनपीएस रख–रखाब व्यय)	10,693	7,401
योग	**23,146**	**7,401**

अनुसूची-21 अन्य व्यय

विवरण	2018-19	2017-18
a) अलायकर एवं संदेहास्पद ऋण/अग्रिम हेतु प्रावधान	-	-
योग	-	-

अनुसूची-22 अवधि-पूर्व व्यय

विवरण	2018-19	2017-18
a) शैक्षणिक व्यय	8,725,781.00	-
b) प्रशासनिक व्यय	7,193,187.00	-
c) अन्य व्यय	9,117,405.00	-
योग	**25,036,373.00**	-

IIM KASHIPUR

भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर

कुंडेश्वरी, काशीपुर
जिला – उधम सिंह नगर
उत्तराखण्ड 244713, भारत

army printing press
www.armyprintingpress.com
Lucknow (0522) 6565333